# कुलपति - संदेश

"Education is the best friend. An educated person gets respect everywhere."

'शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है।' **-चाणक्य**

**प्रिय विद्यार्थी**

एक राष्ट्र की मजबूती में वहां के समाज और सामाजिक परिवेश का बड़ा योगदान होता है। समाज को सुदृढ़ बनाने के लिए वहां की शिक्षा व्यवस्था की मजबूती आवश्यक होती है। केवल सुशिक्षा के चलते ही हम अपने समाज और राष्ट्र को विकास के पथ पर अग्रसर कर सकते हैं। आज शिक्षा के आयामों में लगातार परिवर्तन हो रहे हैं। वर्तमान परिवेश में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा ने शैक्षिक उन्नयन में अपना सशक्त योगदान प्रदान किया है। पूरे विश्व में दूरस्थ शिक्षा के जरिए करोड़ों विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। राष्ट्रीय ज्ञान आयोग ने भी राष्ट्र के समग्र विकास में उच्च शिक्षा की महत्त्वपूर्ण भूमिका को लेकर अनेक मूल्यवान दस्तावेज प्रकाशित किए हैं। इसी श्रंखला में मुक्त शिक्षा पद्धति को भी प्रश्रय दिया गया है।

सम्पूर्ण विश्व का अनुभव दर्शाता है कि ऐसे लोग जो पारंपरिक शिक्षा से वंचित रह गए हैं उन्हें अब मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का फायदा मिल रहा है। दूरस्थ शिक्षा माध्यम के व्यापक दर्शन की पृष्ठभूमि पर वर्धमान महावीर खुला विश्व विद्यालय की स्थापना **23 जुलाई 1987** को की गई थी। **सात क्षेत्रीय केन्द्रों** और **106 अध्ययन केन्द्रों** के माध्यम से यह विश्वविद्यालय आज राज्य में प्रगति के नए आयाम तय कर रहा है। राजस्थान के सभी जिलों के गाँवों तथा ढाणियों तक हम अपनी पहुंच बना चुके हैं। यह देश का तीसरा सबसे बड़ा खुला विश्वविद्यालय है। लाखों विद्यार्थी यहां अध्ययनरत हैं। हर सत्र में विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। समाज के हर वर्ग को सस्ती और सुलभ शिक्षा प्रदान करने में हमारा विश्वविद्यालय तत्पर है। विश्वविद्यालय द्वारा **42 पाठ्यक्रम** संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय रेगुलर मॉड में पीएचडी कार्यक्रम भी संचालित कर रहा है। डीसीए और डीएलआईएस के ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी जनवरी 2024 से शुरू किए जा रहे हैं। यह प्रदेश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जो बालिकाओं को निशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत राज्य में यह पहला विश्वविद्यालय है जो जुलाई 2023 के सत्र से छात्रों को दो डिग्री एक साथ प्रदान करने की सुविधा दे रहा है। वीएमओयू एकमात्र राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालय है जिसमें बालिकाओं के लिए निशुल्क प्रवेश दिया जा रहा है। इनकी फीस का पुनर्भरण राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में यह राज्य का एकमात्र राजकीय विश्वविद्यालय है जो नैक 'ए' ग्रेड है।

विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (डीईबी) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। विश्वविद्यालय ने प्रवेश और परीक्षा संबंधी सभी कार्यों को ऑनलाइन संपादित करने की सुविधा प्रदान की है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट **vmou.ac.in** जानकारियों से भरपूर है। प्रश्नबैंक, वीडियो लेक्चर के अलावा असाइनमेंट और पाठ्य सामग्री के पीडीएफ वर्जन इस वेबसाइट पर मौजूद हैं, जिसका हजारों विद्यार्थी लाभ उठा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शैक्षिक वातावरण को निरंतर गति प्रदान करने के लिए सम्मेलन, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां लगातार आयोजित की जा रही हैं। कोरोना महामारी के वक्त जब सभी विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों से दूर हो गए थे तो ऐसे कठिन समय में केवल खुला विश्वविद्यालय ही घर बैठे विद्यार्थियों की मदद कर रहा था। काउंसलिंग के अलावा वेबीनार/ऑनलाइन सेमिनार के माध्यम से हर विभाग अपनी शैक्षिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है।

विद्यार्थियों, आज महामारी के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि पारंपरिक शिक्षा पद्धति से विद्यार्जन करने में अगर कठिनाई आ रही है तो उसका विकल्प दूरस्थ शिक्षा के रूप में हमारे सामने है। इसके माध्यम से आप विश्वविद्यालय से जुड़कर उच्च शिक्षा के सपने को साकार कर सकते हैं। पूरे विश्व में मुक्त शिक्षा पद्धति की सराहना हो रही है और करोड़ों विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

आपके उज्ज्वल एवं मंगलमय जीवन की कामनाओं के सहित।

**डॉ. कैलाश सोडाणी**
कुलपति

# अनुक्रमणिका


| विवरण | पृ.सं. |
|---|---|
| **मान्यता - प्रपत्र** | 4 |
| • एआईयू का पत्र | 6 |
| • एनसीटीई का पत्र | 8 |
| • अप्रवासी भारतीय /विदेशी नागरिकों के प्रवेश संबंधित नियम | 9 |
| **विश्वविद्यालय: एक परिचय** | |
| • प्रस्तावना: उद्देश्य एवं प्रमुख विशेषताएं | 10 |
| • शैक्षणिक कार्यक्रम, व्यावसायिक पाठ्यक्रम एवं विद्यार्थी सहायता सेवाएं | 11 |
| • क्षेत्रीय सेवाएं प्रभाग | 12 |
| • अध्ययन पद्धति | 14 |
| • अध्ययन सामग्री | 14 |
| • लेटरल एन्ट्री | 15 |
| • अतिरिक्त विषय में स्नातक | 15 |
| **परीक्षा पद्धति** | |
| • विभिन्न कायक्रमों की सत्रीय / आंतरिक /गृह कार्य पद्धति | 16 |
| • सत्रांत परीक्षा | 17 |
| • ग्रेडिंग सिस्टम | 19 |
| • पुनः परीक्षा एवं परीक्षा सम्बन्धित अन्य नियम | 20 |
| • ऑनलाइन आवेदन पत्र का विवरण | |
| • छात्रवृत्तियां तथा शुल्क प्रतिपूर्ति | 23 |
| • आरक्षण | 23 |
| • प्रोत्साहन योजनाएं | 24 |
| **स्टूडेंट वन व्यू** | 25-28 |
| **अकादमिक कालदर्शिका** | 29 |
| **विविध विद्यापीठ, संकाय सदस्य संबद्ध कार्यक्रम एवं अधिकारियों का विवरण** | 30-32 |
| **अकादमिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी** | |
| • **स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम-सूची एवं विस्तृत विवरण** | |
| • (स्नातकोत्तर कोड/प्रवेश योग्यता/अवधि/शुल्क/पाठ्यक्रम संरचना /शैक्षणिक माध्यम) | 33-76 |

- **स्नातक उपाधि कार्यक्रम-सूची एवं विस्तृत विवरण स्नातक हेतु प्रारम्भिक कार्यक्रम** 77-106
  (स्नातक कोड/प्रवेश योग्यता/अवधि/शुल्क/ पाठ्यक्रम संरचना /शैक्षणिक माध्यम)
- **डिप्लोमा कार्यक्रम/ऑनलाइन डिप्लोमा कार्यक्रम-सूची एवं विस्तृत विवरण** 107-118
  (डिप्लोमा कोड/प्रवेश योग्यता/अवधि/शुल्क/ पाठ्यक्रम संरचना /शैक्षणिक माध्यम)
- **प्रमाण पत्र कार्यक्रम-सूची एवं विस्तृत विवरण** 119-129
  (प्रमाण पत्र कोड/प्रवेश योग्यता/अवधि/शुल्क/ पाठ्यक्रम संरचना /शैक्षणिक माध्यम)

**विद्यार्थियों की सहायता हेतु जानकारी**

- महत्वपूर्ण लिंक 130
- महत्वपूर्ण फोन नंबर एवं ईमेल 131
- अधिकांशतः पूछे जाने वाले प्रश्न 131-133

# मान्यता-प्रपत्र

1. वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा राज्य सरकार के अधिनियम,1987 (न. 35-1987) के अंतर्गत स्थापित है एवं इसका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण राजस्थान प्रदेश है ।

2. यह विश्वविद्यालय यू.जी.सी. से प्राप्त पत्र संख्या एफ –5-11/87(सी.पी.पी )दिनांक 28/30 मार्च,1989 के अनुसार यू. जी.सी. के सैक्शन 12-बी के अंतर्गत देश का एक मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय है ।

3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त पत्र संख्या क्रमांक UGC/DEC/VMOU/06/4483-87, दिनांक 30 जनवरी, 2014 के अनुसार इस विश्वविद्यालय को सतत शिक्षा संबद्धता प्रदान की गई है।

4. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) से प्राप्त पत्र संख्या क्रमांक F-3/RJ-22/ B.Ed. (D.E)/2000/9145 दिनांक 21.08.2000 के अनुसार यह विश्वविद्यालय B.Ed. (Bachelor of Education) कार्यक्रम हेतु मान्यता प्राप्त है ।

5. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के परिपत्र F-I-52/2000(CPP-II) दिनांक 2 नवंबर ,2004 के अनुसार यू. जी. सी. अधिनियम, 1956 सेक्शन 22(I) के अनुसार यह विश्वविद्यालय सभी प्रकार के सर्टिफिकेट , डिप्लोमा और डिग्री देने के लिए अधिकृत है । यू. जी. सी. के अनुसार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा मुक्त/ दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रदान किये गए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री परम्परागत विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री के समकक्ष माने जायेंगे।

6. भारतीय विश्वविद्यालय संघ के परिपत्र EV/II(80)/90/176300 दिनांक 26 फरवरी, 1991 के अनुसार इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली समस्त उपाधियाँ मान्यता प्राप्त है । यदि कोई विश्वविद्यालय मान्यता नहीं देता है तो ऐसे मामले विश्वविद्यालय एव संघ के नोटिस में लायें जाने चाहिए।

7. अप्रवासी भारतीय / विदेशी नागरिकों के प्रवेश सम्बन्धित ।

*उपर्युक्त सभी पत्रों की मूल प्रतियाँ विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.vmou.ac.in/patr) पर उपलब्ध है ।*

तार:युनिग्रान्ट्स

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली-110 002

GRAMS : UNIGRANTS

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
BAHADURSHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI - 110 002

**March 28/30, 1989**

No.F.5-11/87(CPP)

**The Secretary**
**Department of Education**
**Government of Rajasthan**
**Jaipur**

Sub: **Declaration of Kota Open University, Kota as an Institution fit to receive central assistance in terms of section 12-B of the UGC Act.**

Sir,

In continuation of this office letter of even number dated 7th June 1988, I am to say that the Commission considered the report of the expert committee appointed by it on the above subject and has declared the **Kota Open University, Kota** fit to receive central assistance in terms of the rules framed under section **12-B of the UGC Act,** for all purposes including institutional development grant (buildings, books and journals, equipment, staff etc.).

**Yours faithfully**
**sd**
**(M.L. Mehta)**

**C.C.**

1. Professor V.R. Mehta, Vice-Chancellor,Kota Open University,Kota.
2. Professor G. Rama Reddy, Vice-Chancellor, Indira Gandhi National Open University YMCA Cultural Centre, Jai Singh Road, New Delhi.
3. Shri Abhimanyu Singh, Director, Department of Education, Ministryof Human Resource Development, Shastri Bhawan, New Delhi.
4. All Officers & Sections in the UGC (Main Building ) 35, Ferozeshah Road NET, South Extn.& Computer Cell.

No. : F-1-52/2000(CPP-II) Dated : 2 Nov. 2004

The Registrar
Kota Open University,
Rawatbhata Road, Akelgarh,
Kota (Rajasthan) – 324 010

**Sub. : Recognition of Degrees Awarded by Open Universities**

**Sir,**

There are a number of Open Universities in the country offering various degrees/diploma through the mode of non-formal education. The Open Universities have been established in the country by an Act of Parliament or State Legislature in accordance with the provisions contained in Section 2(f) of University Grants Commission Act, 1956. These universities are, therefore, empowered to award degrees in terms of Section 22(1) of the UGC Act, 1956.

A circular was earlier issued vide UGC letter N.F.1-8/92/(CPP) dated February, 1992 mentioning that the Certificate, Diplomas and Degrees awarded by Indira Gandhi National Open University are to be treated equivalent to the corresponding awards of the Universities in the country.

Attention is further invited to UGC circular No. F1-25/93(CPP-II) dated 28th July 1993 for recognition of degrees and diplomas as well as transfer of credit for courses successfully completed by students between the two types of universities so that the mobility of students from Open University stream to traditional Universities is ensured without any difficulty.

The UGC has specified the nomenclature of degrees under Section 22(3) of the UGC Act, 1956 to ensure mandatory requirements viz minimum essential academic inputs required for awarding such degrees. The details of Gazette Notification regarding specification of degrees are given in UGC website www.ugc.ac.in.

May, I therefore request you to treat the Degrees / Diplomas / Certificates awarded by the Open Universities in the conformity with the UGC Notification on specification of Degrees as equivalent to the corresponding awards of the traditional universities in the country.

Yours faithfully
Sd.
Encl. as above **Dr. (Mrs.) Pankaj Mittal**
*Joint Secretary*

**Copy to :**

1. The Secretary, Govt. of India, Ministry of Human Resource Development, Deptt. Of Secondary and Hr. Education, Shastri Bhawan, New Delhi – 110 001.
2. The Secretary, All India Council for Technical Education, IG Sports Complex, Indraprastha State, New Delhi-110002.
3. The Secretary, Association of Indian Universities (AIU), 16, Comrade Indrajeet Gupta Marg, (Kotla), New Delhi-110002.

4. The Secretary, National Council for Teacher Education, IG Stadium, I.P. Estate, New Delhi-110002
5. The Secretary, Distance Education Council, IGNOU Campus, Maidan Garhi, New Delhi-110068
6. The Vice-Chancellor, Indira Gandhi National Open University, Maidan Garhi, New Delhi-110068
7. The Vice-Chancellor, Dr. B.R. Ambedkar Open University, Road No.46, Jubilee Hills, Hyderabad-500033 (Andhra Pradesh)
8. The Vice-Chancellor, Nalanda Open University, West Gandhi Maidan, Patna-800001 (Bihar)
9. The Vice-Chancellor, Dr. Babasahab Ambedkar Open University, Shahibaug, Ahmedabad-380003 (Gujarat)
10. The Vice-Chancellor, Karnataka State Open University, Manasagangotri, Mysore-570006 (Karnataka)
11. The Vice-Chancellor, Yashwant Rao Chavan Maharashtra Open University, Nashik-422222 (Maharashtra)
12. The Vice-Chancellor, Kota Open University (Vardhman Mahaveer Open University), Kota-324010 (Rajasthan).
13. The Vice-Chancellor, Netaji Subash Open University, Kolkata-700020 (West Bengal).
14. The Vice-Chancellor, Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal-462016 (M.P.).
15. The Vice-Chancellor, UP Rajrishi Tandon Open University, 17, Maharishi Dayanand Marg, Thornhill Road, Allahabad-211001.

**Sd.**

**(C.K. Kapahi)**

Under Secretary

## ASSOCIATION OF INDIAN UNIVERSITIES, NEW DELHI

**K. C. Kalra**

Deputy Secretary

No. EV/II (80)/90/176300

26th February, 1991

**Dear Prof. Sharma,**

Kindly refer to your DO letter No. F.7/KOU/91, Dated 18th February, 1991 addressed to our secretary, Dr. S. K. Agrawala.
All the awards of **Kota Open University** are recognized and equated with the corresponding degrees/diplomas of other universities in the country.
Kindly write to us if there has been any difficulty in acceptance of the KOU qualifications.
Kindly send the details of the programme of the university which has been included in your list.

With best wishes,

**Prof. Yogehwar Sharma**

Director (Planning & Development) **Kota Open University, Kota**

Northern Regional Committee
**National Council for Teacher Education**
(A Statutory Body of the Government of India)

**TO BE PUBLISHED IN GAZETTE OF INDIA PART-III, SECTION IV**

**F-3/RJ-22/ B.Ed. (D.E)/2000/9145** **Dated: 21.8.2000**

## RECOGNITION ORDER

In exercise of the powers vested under Section 14 (3)(a) of the National Council for Teacher Education (NCTE) Act 1993, **the Northern Regional Committee grants recognition to Kota Open University, Rawatbhata Road, Rajasthan for B.Ed. Distance Education two years from the academic session 2000-2001 with an annual intake of 500 (Five Hundred) students** subject to fulfilling the following condition:

1. All such teachers already appointed who do not fulfill the NCTE norms shall acquire the qualification as per the norms within a period of two years of this order.
2. The institution shall ensure library, laboratories and other institutional infrastructure as per NCTE norms.
3. The admission to the approved courses shall be given only to those candidates, who are eligible as per the regulation governing the course and in the manner laid down by the affiliating university/ State Government.
4. Tuition fees and other fees shall be charged from the students as per the norms of the affiliating university/ State Government till such time NCTE regulation in respect of fee structure come into force.
5. Curriculum transaction, including practical work/ activities should be organized as per the norms and standards for the course and the requirement of the affiliating university/ examining body.
6. Teaching days including practice teaching should not be less than the number fixed in the NCTE norms for the course.
7. The institution, if unaided shall maintain endowment and reserve fund as per NCTE norms.
8. The institution shall continue to fulfill the norms laid down under the regulation of the NCTE and submit the Regional committee the Annual report and the Performance Appraisal Report at the end of each academic year. The Performance Appraisal should inter alia give the extent of compliance of the condition indicated at 1 to 7 above.

If Kota Open University, Rawatbhata Road, Kota Rajasthan contravenes the provision of the NCTE Act or the rules, regulation and orders made or issued there under or fails to fulfill the above conditions, the Regional Committee may withdraw this recognition under the provision of Section 17(I) of the NCTE Act.

By order,
Sd.
**Regional Director**

**The Manager**
**Govt. of India**
**Department of Publications, (Gazette Section)**
**Civil Lines, Delhi-110054**

Copy to:

1. Secretary, Department of Secondary Education and Literacy, Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, Shastri Bhawan, New Delhi.
2. Education Secretary, Higher Education, Govt of Rajasthan, Jaipur
3. Education Secretary, Secondary Education, Govt of Rajasthan, Secretariat, Jaipur
4. Registrar, Kota Open University, Rawatbhata Road, Kota, Rajasthan
5. Director, Distance Education Council (IGNOU),76, Hauz Khas, New Delhi-110016
6. The Member Secretary, National Council for Teacher Education, New Delhi- 110016
7. The Head, Department of Education, Kota Open University, Rawatbhata Road, Kota, Rajasthan
8. Computer Cell (NRC)

Sd.
Regional Director

# अप्रवासी भारतीय / विदेशी नागरिकों के प्रवेश सम्बन्धित नियम
# Rules of Admission to Non-Resident Indian/ Foreign Student

The following guidelines / procedure would be followed for admission of Foreign Nationals to various academic programmes offered by VMOU, Kota:

**1.** Students from countries other than India shall be considered eligible for seeking admission in the various programmes offered by VMOU subject to their fulfilling the basic eligibility as prescribed by the University for various programmes from time to time.

**2.** Foreign Nationals will be required to seek admission at any of the Regional Centres of VMOU like students of the other states in our country.

**3.** Foreign Students will have to choose the medium of instruction as provided bythe University for various programmes. No other medium of instruction except as provided by the University will be permissible to the students from abroad registered in various programmes. Accordingly, study material, the practical components, counselling and examination facility etc. Will be made available in the medium of instruction as determined and provided for by the University for a particular programme.

**4.** The Foreign Nationals seeking admission will be required to submit the prescribed application form along with relevant documents duly forwarded by the respective Embassy of the country to the Director, Regional Centre where the concerned students want to seek admission. The Embassy will be required to categorically state that it has no objection if the applicant is admitted in the academic programmes of VMOU, Kota. Further, the embassy will also certify that the particulars mentioned in the application form are correct.

**5.** A certified copy of the valid Visa must be enclosed with the application form.

**6.** The admission fee, if not otherwise specified, will be five times more than the fee charged from the Indian Nationals (for SAARC countries 3 times) seeking admission to a particular programme.

**7.** The specified admission fee will be payable in Indian rupee.

# वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

## (Vardhman Mahaveer Open University, Kota)

### विश्वविद्यालय: एक परिचय (University: An Introduction)

**प्रस्तावना ( Introduction)**

सन् 1986 में देश की केन्द्रीय सरकार ने नई शिक्षा नीति को स्वीकार करते समय यह माना कि स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्षों बाद भी भारत में उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध अवसर अपर्याप्त और असमान है। इस नीति में इस बात पर भी बल दिया गया था कि पारम्परिक शिक्षा प्रणाली की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए एक नवीन शिक्षा प्रणाली को अपनाया जाये, जो उच्च शिक्षा से वंचित लोगों को शिक्षा के समुचित अवसर प्रदान करें और व्यावसायिक उन्नयन के मार्ग ढूँढने या अपनी शैक्षणिक योग्यताओं में अभिवृद्धि करने के आकांक्षी शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा का सीधा लाभ पहुँचा सके।

इन्हीं आधारभूत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मुक्त शिक्षा प्रणाली तथा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को अपनाकर देश भर में नये मुक्त वि श्वविद्यालयों की स्थापना की गई। राजस्थान सरकार ने भी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए विधानसभा से पारित अधिनियम के अंतर्गत सन् 1987 में कोटा खुला विश्वविद्यालय की स्थापना की। विश्वविद्यालय का मुख्यालय कोटा शहर बनाया गया किन्तु इसका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण राजस्थान को घोषित किया गया। बाद में **21 सितम्बर, 2002 से इसका नाम बदलकर वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा कर दिया गया।** इस प्रकार कार्यक्षेत्र की दृष्टि से यह विश्वविद्यालय आज राजस्थान का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है।

**उद्देश्य (Objectives)**

- उच्च शिक्षा के प्रजातात्रीकरण के उद्देश्य से शिक्षा प्राप्ति के इच्छुक सभी समूहों, रोजगार प्राप्त व्यक्तियों, महिलाओं, विशेष योग्य जन एवं वयस्कों को शिक्षा प्राप्ति का अवसर प्रदान करना।
- कम कीमत पर गुणात्मक एवं रोजगारोन्मुखी उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना।
- प्रदेश के उच्च शिक्षा से वंचित दूरस्थ क्षेत्रों, आदिवासी एवं मरूस्थलीय क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार करना।

**प्रमुख विशेषताएँ (Salient Features)**

- प्रवेश सम्बन्धी लचीले नियम।
- UG व PG कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री, अतिरिक्त विषय में BA, एवं B. Sc.।
- शिक्षार्थी को उसकी अपनी अध्ययन क्षमताओं और सुविधाओं के अनुरूप अध्ययन के अवसर उपलब्ध करवाना।
- अगली कक्षा में प्रवेश हेतु परीक्षा में उत्तीर्ण होने की बाध्यता नहीं।
- शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में मन पसंद विषय चुनने की अधिक स्वतंत्रता।
- आधुनिक संचार और शैक्षणिक तकनीकी का उपयोग।
- दूरस्थ शिक्षार्थियों की मदद के लिये विद्यार्थी सहायता सेवाओं का संचालन।
- ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, ऑनलाइन परीक्षा प्रवेश पत्र (Admit Card)।
- डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, IMPS एवं ई- मित्र से शुल्क जमा करने की सुविधा।
- वेबसाइट पर प्रश्न बैंक, सत्रीय कार्य।
- वेबसाइट में स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) एक सुविधा है जिससे विद्यार्थी अपने से सम्बद्ध समस्त जानकारी स्कॉलर नंबर एवं जन्म तिथि एंटर कर प्राप्त कर सके।
- स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) से ही परिचय पत्र प्राप्त करने की सुविधा।

- विद्यार्थी जिज्ञासा समाधान शिविर।
- वेबसाइट पर डिजीटल अध्ययन सामग्री की उपलब्धता।
- वेबसाइट पर मल्टीमीडिया आधारित व्याख्यान की उपलब्धता।

**विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में संचालित प्रवेश प्रक्रिया**

विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष जुलाई एवं जनवरी सत्र में ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित करता है। जुलाई सत्र हेतु 1 जुलाई से 31 अगस्त के मध्य एवं जनवरी सत्र हेतु 1 जनवरी से 28/29 फरवरी के मध्य आवेदन किये जाते हैं। दोनों सत्रों में विश्वविद्यालय प्रमुख समाचार पत्रों में प्रेस विज्ञप्ति जारी करता है। ऑनलाईन प्रवेश हेतु विद्यार्थी ई—मित्र के माध्यम से या स्वयं आवेदन विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in पर कर सकता है। समस्त विषयों के प्रवेश हेतु या कार्यक्रम के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी प्रविवरणिका में संदर्भित स्थानों पर उपलब्ध है।

**नोट** — लैटरल एन्ट्री, बी.एड., एम.बी.ए., एम.सी.ए कार्यक्रमों का शुल्क केवल चालान के माध्यम से जमा होता है।

- **शोध कार्यक्रम(Research Programme)** — 12
- **स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम(Master Degree Programmes)** — 27
- **स्नातक उपाधि कार्यक्रम (Bachelor Degree Programmes)** — 10
- **डिप्लोमा कार्यक्रम (Diploma Programme)** — 8
- **प्रमाण पत्र कार्यक्रम (Certificate Programmes)** — 9

## शैक्षणिक कार्यक्रम (Academic Programmes)

## व्यावसायिक पाठ्यक्रम (Professional Programmes)

व्यावसायिक रूप के एक कार्यक्रम की शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करना और एक आम पाठ्यक्रम के द्वारा सिर्फ शिक्षा लेने में एक विशाल अंतर है। वर्तमान समय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शिक्षार्थी को पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में लक्षित कर रहे हैं और उसे विशेष क्षेत्र के लिए पेशेवर सक्षम बना रहे है। इसी दिशा में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रम शिक्षार्थी को पेशेवर शिक्षा एव प्रशिक्षण प्रदान कर रहें हैं।

एम.सी.ए: सूचना प्रौद्योगिकी तेजी से बढ़ रही है और यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर के बढ़ते जीवंत उद्योग के लिए प्रेरित करता है; बी.एस.डब्लू एवं एम.एस.डब्लू: यह पाठ्यक्रम सामाजिक कार्य सिद्धांत द्वारा व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों के जीवन में सुधार करने के लिए एक संयोजन है; बी.बी.ए: यह पाठ्यक्रम व्यापार के सभी प्रमुख पहलुओं पर शैक्षिक और एक व्यावहारिक दृष्टिकोण बनाने में अत्यधिक सहायक है।

एम.जे. एवं बी.जे. पत्रकारिता के यह पाठ्यक्रम औपचारिक शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को एक विशेषज्ञ पत्रकार की पहचान बनाने में विद्यार्थियों की मदद करते है। डी. एल. आई. एस., बी.एल.आई.एस एवं एम. एल. आई. एस.: यह पाठ्यक्रम सूचनाओ को प्राप्त करने, सूचनाओ को व्यवस्थित करने और उन्हें पुनः प्राप्त करने की जानकारी में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

## विद्यार्थी सहायता सेवाएँ (Student Support Services)

### (i) क्षेत्रीय सेवा प्रभाग (Regional Services Division)

क्षेत्रीय सेवा प्रभाग का मुख्य कार्य शिक्षा को विद्यार्थियों के द्वार तक पहुँचाकर उच्च शिक्षा का लोकतांत्रीकरण करना एवं औपचारिक शैक्षिक योग्यता पर विचार किये बिना शिक्षा पाने के इच्छुक सभी विद्यार्थियों की उच्च कोटि की शिक्षा सुलभ कराने की व्यवस्था करना है। विद्यार्थियों की सहायता के लिए विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के सात संभागीय मुख्यालय (अजमेर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर एवं भरतपुर) पर क्षेत्रीय केन्द्र एवं तहसील स्तर पर 106 अध्ययन केन्द्र स्थापित किये हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र/अध्ययन केन्द्र पर पाठ्यक्रम के परामर्शदाता उपलब्ध है जो कि अध्ययन के लिए विद्यार्थी के निकटतम संपर्क सूत्र है और वे अपनी उपस्थिति द्वारा अध्ययन में विद्यार्थी को सहायता प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी की सुविधा के लिए कार्यक्रम समन्वयक नियुक्त किए गए हैं, विद्यार्थी संबंधित कार्यक्रम के समन्वयक से सम्पर्क कर सकते है। अध्ययन केन्द्रों की सूची विवरणिका में उपलब्ध है।

**क्षेत्रीय सेवा प्रभाग मुख्यतः** तीन स्तरीय ढांचा है

**क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के प्रमुख कार्य ( The Main functions of Regional Services Division)**

1. क्षेत्रीय केन्द्रों और अध्ययन केन्द्रों की स्थापना और प्रबंधन के संबंध में नीतियों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं का विकास करना।
2. नए अध्ययन केन्द्रों और मौजूदा क्षेत्रीय और अध्ययन केन्द्रों के समन्वय की गतिविधियों के लिए योजना बनाना।
3. क्षेत्रीय केन्द्रों और अध्ययन केन्द्रों की गतिविधियों का प्रतिनिधित्व करना।
4. क्षेत्रीय केन्द्रों और अध्ययन केन्द्रों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए आधारभूत संरचना का निर्माण करना।
5. शैक्षणिक कार्यक्रम प्रारम्भ करने के लिए मापदण्ड तैयार करना।
6. क्षेत्रीय केन्द्रों व अध्ययन केन्द्रों के नेटवर्क प्रशासन को देखना।
7. क्षेत्रीय केन्द्रों और अध्ययन केन्द्रों के व्यय पर नियंत्रण करना।
8. अध्ययन केन्द्रों पर क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन करवाना।
9. भावी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में संचालित विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करना।
10. विवरणिका का निर्माण करना तथा उसके मुद्रण हेतु एम.पी.डी. को उपलब्ध करवाना।

**(ii) क्षेत्रीय केन्द्र (Regional Centre)**

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के कुल 7 क्षेत्रीय केन्द्र हैं जो कि अजमेर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा ,उदयपुर एवं भरतपुर जिले में स्थित हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के पते, ईमेल, सम्पर्क सूत्र विवरणिका के बैक कवर पेज पर उपलब्ध हैं।

**क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रमुख कार्य**

1. **विकास भूमिका (Developmental Role):-** क्षेत्रीय केंद्र दूरस्थ और मुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निम्न गतिविधियाँ संचालित कर रहे हैं -
    - विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
    - विद्यार्थियों के प्रति सकारात्मक और सहायक व्यवहार को बढ़ावा देना।
    - क्षेत्रीय और स्थानीय स्थलों पर विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना।
2. **विद्यार्थियों का नामांकन (The Admission of Students):-** क्षेत्रीय केन्द्रों को उनके क्षेत्र के विद्यार्थियों के प्रवेश के काम की जिम्मेदारी दी गई है। विद्यार्थियों से प्राप्त प्रवेश आवेदन पत्र के Verification/Validation संपादित करने के उपरान्त विद्यार्थियों को प्रवेश देना एवं उनकी शिकायतों का निवारण करना इत्यादि प्राथमिक दायित्व क्षेत्रीय केन्द्रों का है।
3. **परामर्श सत्रों का आयोजन (Counselling Sessions):-** दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में परामर्श का विशेष स्थान है। प्रत्येक क्षेत्रीय केंद्र के अधीन अध्ययन केंद्र पर मुख्य समन्वयक / समन्वयक होते हैं जो कि शिक्षण एवं परामर्श हेतु काउंसलिंग कक्षाओं का आयोजन करते हैं।
4. **सम्पर्क शिविर एवं प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन ( Contact Camps/ Practical Classes):-** ऐसे पाठ्यक्रम जिनमें प्रायोगिक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) होते हैं उनमे अध्ययन केन्द्रों पर सम्पर्क शिविर / प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन क्षेत्रीय केन्द्र करता है जिसकी सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध की जाती है। परामर्श कक्षाओं हेतु क्षेत्रीय केन्द्र विद्यार्थियों को समय से एसएमएस भेजना एवं कक्षाओं की सूचना प्रेषित करवाना भी क्षेत्रीय केन्द्र का प्रमुख दायित्व है |
5. **शैक्षणिक परामर्शदाताओं का चयन ( The Selection of Counselor):-** अध्ययन केन्द्रों के नेटवर्क के माध्यम से, क्षेत्रीय केंद्र अपने क्षेत्र में उपयुक्त शैक्षणिक परामर्शदाताओं का चयन करता है। क्षेत्रीय केंद्र परामर्श, प्रैक्टिकल और गृह कार्य के लिए शैक्षणिक सलाहकार के रूप में उपयुक्त व्यक्तियों की नियुक्ति करता है।
6. **शैक्षणिक परामर्शदाताओं का अभिविन्यास ( The Orientation of Educational Counselors):-** हमारे शैक्षणिक परामर्शदाता पारंपरिक प्रणाली से आते हैं अतः परामर्शदाताओं को मुक्त विश्वविद्यालय प्रणाली में उन्मुख करने के लिए क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा आवश्यक ओरिएण्टेशन कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।
7. **विद्यार्थियों के लिये अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन (The Orientation Programme for Students) :-** क्षेत्रीय केन्द्र अपने प्रत्येक अध्ययन केन्द्र पर पंजीकृत विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करवाता है ताकि विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की काउंसलिंग कक्षाओं, प्रायोगिक शिविरों, परीक्षा पद्धतियों और नियमों की जानकारी प्रदान की जा सके।
8. **मुख्य समन्वयकों/ समन्वयकों की बैठक का आयोजन (Conduction of Meetings of Chief Co-ordinator/ Co-ordinators) :-** क्षेत्रीय केन्द्र मुख्य समन्वयकों / समन्वयकों की बैठक का आयोजन करता है।
9. **आंतरिक गृह कार्यों का मूल्यांकन ( The Evaluation of Internal Assignment) :-** क्षेत्रीय केन्द्र विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य का मूल्यांकन करवाता है।
10. **परीक्षा का आयोजन करवाना (Conduction of Examination) :-** क्षेत्रीय केन्द्र सत्रांत परीक्षाओं व प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन करवाता है।
11. **अध्ययन केन्द्रों का निरीक्षण ( Inspection of Study Centers) :-** क्षेत्रीय केन्द्र समय समय पर अध्ययन केन्द्रों का निरीक्षण करते हैं एवं अन्ये अध्ययन केन्द्र खोलने या बंद करने का सुझाव प्रदान करते हैं।
12. **बिलों का निस्तारण (Disposal of bills) :-** समस्त प्रकार के बिल क्षेत्रीय केन्द्र प्रमाणित करके मुख्यालय को उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं।

13. **रिकार्ड संधारण ( Keeping of records):** क्षेत्रीय केन्द्र विद्यार्थियों से सम्बंधित समस्त रिकार्डों यथा प्रवेश आवेदन फार्म व अन्य का संधारण करेगा।

**(iii) अध्ययन केन्द्र (Study Centre)**

मुक्त विश्वविद्यालय प्रणाली में अध्ययन केंद्र विद्यार्थियों की सहायता सेवाओं के रूप में स्थानीय केंद्र की अवधारणा पर बनाया जाते है। विद्यार्थियों को शैक्षणिक सुविधाओं और विश्वविद्यालय के साथ संचार लिंक की पेशकश करने के लिए अध्ययन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। अध्ययन केन्द्रों पर परामर्श सत्र, ऑडियो वीडियो सत्र का आयोजन किया जाता है, इसका मूल उद्देश्य नवीनतम संचार प्रौद्योगिकी से सीखने के लिए शिक्षार्थी में रूचि उत्पन्न करना है। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के 106 अध्ययन केन्द्र हैं जो कि अजमेर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर एवं भरतपुर स्थित क्षेत्रीय केन्द्रों के अधीन कार्य करते हैं। इन अध्ययन केन्द्रों के नाम, पते, सम्पर्क सूत्र विवरणिका के अंतिम पृष्ठों पर अंकित हैं।

## अध्ययन पद्धति (Study Pattern)

इस विश्वविद्यालय में शिक्षण पद्धति पारंपरिक विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाई जा रही कक्षा अध्ययन पद्धति से भिन्न है। खुला विश्वविद्यालय की शिक्षा पद्धति स्व-अधिगम पर आधारित है। यह एक अध्येता-केन्द्रित पद्धति (Learner Centred) है। इस कारण इस पद्धति में विद्यार्थियों पर सक्रिय अध्ययन का उत्तरदायित्व अधिक होता है। इस बहुआयामी मुक्त शिक्षण-अध्ययन पद्धति में निम्नलिखित तत्त्व सम्मिलित हैं:-

- भारत एवं विश्व के विश्वविद्यालयों के योग्यतम शिक्षकों द्वारा तैयार की गई उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्य सामग्री प्रत्येक प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को प्रदान की जाती है।
- स्नातकोत्तर उपाधि, स्नातक उपाधि एवं कुछ अन्य चयनित कार्यक्रमों में सतत् मूल्यांकन की दृष्टि से सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य की व्यवस्था। इससे विद्यार्थियों को निरन्तर अध्ययनरत और अभ्यासरत रहने की प्रेरणा मिलती है।
- दृश्य-श्रव्य माध्यमों द्वारा योग्यतम विद्वानों के व्याख्यान एवं विचार।
- अध्ययन केन्द्रों पर अकादमिक परामर्शदाताओं के साथ सप्ताहांत विचार विमर्श की कक्षायें।
- फोन-इन-रेडियो और काउंसलिंग माध्यम द्वारा उत्तम गुणवत्ता के परामर्शसत्र।
- समय समय पर आयोजित छात्र समस्या समाधान शिविर द्वारा विद्यार्थी एवं शिक्षक में संवाद।
- विश्वविद्यालय के अध्यापकों द्वारा सत्र पर्यन्त शंका समाधान शिविर का आयोजन |
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड विभिन्न विषयों के प्रश्न बैंक के माध्यम से स्वयं परीक्षा हेतु अभ्यासरत रहने का प्रयास।
- एस० एल० एम० (SLM) प्रारूप में प्राप्त पाठ्यसामग्री के साथ साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध पाठ्यसामग्री का डिजिटलाइज्ड रूप और वीडियो व्याख्यान की सुविधा भी विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) में उपलब्ध। https://online.vmou.ac.in/Admission_Statusway.aspx

**स्व-अध्ययन सामग्री (Self Learning Material):** विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों को त्वरित रूप से मुद्रित स्व-अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को विभिन्न इकाइयों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक इकाई के प्रारम्भ में इकाई की रूपरेखा दी गयी है जिसमें इकाई के उद्देश्य एवं प्रस्तावना के अतिरिक्त सम्पूर्ण जानकारी छोटे-छोटे एवं शीघ्र समझ में आ सकने वाले अनुच्छेदों में है। इसमें जगह-जगह पर स्वगृह कार्य प्रश्न एवं निर्धारित स्थान पर अभ्यास प्रश्न भी दिये गये हैं, जिससे विद्यार्थी अपनी प्रगति को स्वयं जाँच सकता है। प्रत्येक इकाई के अंत में सारांश, शब्दावली एवं कुछ उपयोगी पुस्तकों की सूची भी दी जाती है। वर्तमान में अध्ययन सामग्री का डिजिटाइजेशन कर ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जा रहा है तथा समस्त विषयों से सम्बद्ध वीडियो व्याख्यान (Video Lecture) तैयार करवाये गये है जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in एवं उसके यूटयूब चैनल vmouonline पर उपलब्ध है।

**लेटरल एन्ट्री (Lateral Entry) में प्रवेश हेतु आवश्यक नियम -**

1. लैटरल एन्ट्री में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को अपनी मूल माइग्रेशन प्रमाण पत्र जमा करना होगा।
2. लेटरल एन्ट्री प्रवेश केवल उन्हीं विद्यार्थियों को दिया जायेगा जो कि विगत कक्षा में उत्तीर्ण हो।
3. स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि के जिस वर्ष में छात्र लेटरल प्रवेश ले रहे है उससे पूर्व के वर्षो में उसे उन्हीं सभी विषयों में उत्तीर्ण होना चाहिए।
4. जिस वर्ष में प्रवेश ले रहे है उस वर्ष तक विद्यार्थी ने इस विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नॉन क्रेडिट प्रश्नपत्र उत्तीर्ण नहीं किए हो तो उन्हें भी इस कार्यक्रम की अधिकतम अवधि में पूरा करना होगा।
5. विद्यार्थी के विगत कक्षा में प्राप्त अंकों को परिणाम तैयार करते समय स्वीकार किया जायेगा।
6. लेटरल एन्ट्री के अन्तर्गत पूर्व कक्षा के किसी भी ऐच्छिक प्रश्नपत्र को नॉन क्रेडिट मानकर पुनः नहीं करवाया जायेगा।
7. लेटरल एन्ट्री के अन्तर्गत प्रवेश प्रदान किये जाने वाले विद्यार्थियों के अंको का सत्यापन मूल अंकतालिका देखकर प्रवेश प्रदान करते समय सम्बन्धित संबंधित निदेशक क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा किया जायेगा।
8. किसी भी खुला विश्वविद्यालय में प्रवेशित छात्र द्वारा पाठ्यक्रम की अधिकतम अवधि पूर्ण करने पर लेटरल एन्ट्री में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
9. लेटरल एन्ट्री में प्रवेश हेतु विद्यार्थी से एक स्वघोषणा पत्र लेना होगा जिसमें इस बात का उल्लेख आवश्यक है कि उसने पूर्व में संबंधित कक्षा उत्तीर्ण नहीं किया है तथा उसके द्वारा प्रस्तुत समस्त दस्तावेज सही एवं उचित है। इसके अभाव में किसी भी समय उनका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
10. यदि विद्यार्थी स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध ( फाइनल ) में प्रवेश लेता है तो उसके लिए कार्यक्रम हेतु अधिकतम दो वर्ष की अवधि का होगा।
11. स्नातक द्वितीय वर्ष हेतु कार्यक्रम की अवधि अधिकतम 4 वर्ष होगा तथा स्नातक तृतीय वर्ष हेतु कार्यक्रम की अवधि अधिकतम 2 वर्ष की होगी।
12. स्नातक एवं स्नातकोत्तर में लेटरल एन्ट्री में प्रवेश हेतु संबंधित कार्यक्रम और वर्ष के शुल्क के साथ-साथ रु. 2500 (अक्षरे दो हजार पांच सौ रु. मात्र) अतिरिक्त शुल्क देय होगा। डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा में लेटरल एन्ट्री में प्रवेश हेतु कार्यक्रम शुल्क के साथ रु. 500 (अक्षरे पांच सौ रु. मात्र) अतिरिक्त शुल्क देय होगा

    **Note:**

    - प्रवेश देने / समयावधि का निर्धारण एवं श्रेयांक स्थानान्तरण करने का निर्धारण विषय संयोजक द्वारा की गई अनुशंसा के आधार पर किया जाएगा।

## अतिरिक्त विषय में स्नातक (Additional Subject in UG)

कला एवं विज्ञान में स्नातक करने के उपरान्त विद्यार्थी को अतिरिक्त विषय में स्नातक करने का प्रावधान रखा गया है। इस हेतु निम्न नियम निर्धारित किये गये हैं -

1. स्नातक एडिशनल में (बी.ए. /बी. एससी.) प्रवेश हेतु त्रिवर्षीय डिग्री ही मान्य होगी। इस हेतु स्नातक में ऑनर्स / दो विषयों या समकक्ष भी प्रवेश पाने के पात्र होंगे।
2. स्नातक (बी.ए. /बी. एससी.) एडिशनल की अवधि न्यूनतम 01 वर्ष एवं अधिकतम अवधि 03 वर्ष की होगी।
3. स्नातक एडिशनल में प्रवेश केवल सम्बन्धित संकाय में होगें। यथा कला का कला में, विज्ञान का विज्ञान में।
4. स्नातक एडिशनल (बी.ए./बी. एससी.) केवल उन्हीं विषयों एवं संकाय में प्रदान की जायेगी जो विश्वविद्यालय में उपलब्ध है।
5. विश्वविद्यालय में शास्त्री स्कीम नहीं होने के कारण शास्त्री उत्तीर्ण विद्यार्थी को विश्वविद्यालय में बी.ए. (एडिशनल) में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

**नोट (Note) :**

1. बी. एससी. अतिरिक्त विषय (गणित, भूगोल एवं अर्थशास्त्र के अतिरिक्त) में स्नातक की फीस रू. 17700 होगी| यदि भूगोल विषय में अतिरिक्त की जावेगी तो उसकी फीस रू 7900 होगी। इसी तरह बी. एससी. में अतिरिक्त के लिए भूगोल विषय लेने पर भी फीस रू. 7900 होगी तथा बी.ए / बी.एससी. में गणित में अतिरिक्त की फीस रू. 7300 व अर्थशास्त्र में अतिरिक्त की फीस 5500 रू होगी। बी. एससी. एडिशनल जैव प्रौद्योगिकी, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, भूगोल, अर्थशास्त्र विषयों में संचालित है|
2. बी. ए. अतिरिक्त विषय (गणित एवं भूगोल के अतिरिक्त) में स्नातक की फीस 5500 रू होगी भूगोल विषय लेने पर भी फीस रू. 5500 होगी तथा बी.ए / बी.एससी. में गणित में अतिरिक्त की फीस रू. 7300 होंगी| बी.ए. एडिशनल अर्थशास्त्र , शिक्षा, अंग्रेजी साहित्य, गांधी एवं शांति अध्ययन, भूगोल, हिन्दी साहित्य, इतिहास, पत्रकारिता एवं जनसंचार, गणित, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन , राजस्थानी, संस्कृत, समाजशास्त्र, उर्दू, मनोविज्ञान विषयों में संचालित है|

## परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली के दो प्रमुख तत्त्व हैं-

**(क) सत्रीय /आन्तरिक गृह कार्य**
**(ख) सत्रांत परीक्षा**

## (क) सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य (Internal/Home Assignment)/ प्रायोगिक (Practicals) / परियोजना (Project) / लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) हल करने सम्बन्धित निर्देश-

यह परीक्षा का अभिन्न अंग है। स्मरण रहे कि जिन पाठयक्रमों में आन्तरिक गृह कार्य/ प्रायोगिक/प्रोजेक्ट/ लघुशोध प्रबन्ध का प्रावधान है, उन्हें समय पर नहीं जमा करने पर उक्त छात्र को विश्वविद्यालय द्वारा दिए जाने वाले गोल्ड मेडल, स्कॉलरशिप इत्यादि में सम्मिलित नहीं किया जाएगा तथा छात्र का परीक्षा परिणाम विलम्ब से घोषित होने हेतु छात्र स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रायोगिक परीक्षाओं की तिथियों की जानकारी हेतु सम्बन्धित क्षेत्रीय केंद्र पर संपर्क करे अथवा विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in पर देखें। **परियोजना (Project) एवं लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) रजिस्टर्ड डाक अथवा स्पीड पोस्ट से परीक्षा नियंत्रक, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, रावतभाटा रोड, कोटा- 324021** के नाम भेजें।

- **15 मई** तक वे विद्यार्थी सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य (Internal Home Assignment)/ परियोजना (Project) / लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) जमा करवा दें, जो जून में होने वाली परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहे हैं।
- **15 नवम्बर** तक वे विद्यार्थी सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य (Internal Home Assignment)/ परियोजना (Project) / लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) जमा करवा दें जो दिसम्बर में होने वाली परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहे हैं।

**(i) सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य (Internal Home Assignment) :** जिन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय द्वारा सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य(असाइनमेंट) प्रदान किये जाते हैं उन्हें विद्यार्थियों को अपने घर पर हल करके उपर्युक्त दिनांक तक विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र / अध्ययन केंद्र के कार्यालय में जमा करवाकर प्राप्ति-रसीद प्राप्त करनी होगी। असाइनमेंट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्टूडेंट वन व्यू से डाउनलोड किया जा सकता है। सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख का विवरण भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्टूडेंट वन व्यू पर देखा जा सकता है। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य के प्रथम पृष्ठ पर निम्नलिखित प्रारूप में सूचना भरें -

| | | |
|---|---|---|
| 1. कार्यक्रम का नाम | 2. सत्र | 3. स्कॉलर संख्या |
| 4. सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य संख्या | 5. जमा करवाने का दिनांक | 6. पाठ्यक्रम कोड |
| 7. पाठ्यक्रम का नाम | 8. छात्र का नाम | 9. पिता का नाम |
| 10. पत्र व्यवहार का पता | 11. अध्ययन केन्द्र का नाम | 12. क्षेत्रीय केन्द्र का नाम |

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम का एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य प्रस्तुत करना है। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करने के लिए आप A-4 साइज के पृष्ठ पर स्वयं की हस्तलिपि और स्वयं के शब्दों में उत्तर लिखें। उक्त निर्देशों की अवहेलना करने पर विधार्थियों के विरुद्ध कार्यवाहीं की जा सकती है| स्नातकोत्तर कक्षाओं में 20 प्रतिशत तथा स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 30 प्रतिशत अंकों के आधार पर गृह कार्य किया जाएगा। इस हेतु संबंधित विषय का विवरण देखें।

**(ii) प्रायोगिक (Practicals):** प्रायोगिक से आशय ऐसे कार्य से है जो विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किसी प्रयोगशाला(Specific Lab) अथवा विशिष्ट अवधि से सम्बद्ध क्षेत्र कार्य( Field Work) से हो। प्रायोगिक परीक्षा प्रणाली, प्रायोगिक शिविर के नियम इत्यादि को समय–समय पर परिवर्तित करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित हैं, जिसकी जानकारी समय–समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दर्शाई जाती है। प्रायोगिक शिविर के स्थान के सम्बन्ध में पेज संख्या 173 पर FAQ का प्रश्न 15 देखें। सत्रांत प्रायोगिक परीक्षा में शामिल होने हेतु अनिवार्य प्रायोगिक सम्पर्क शिविर में 75% उपस्थिति आवश्यक है। इसके अभाव में आपको प्रायोगिक परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जायेगा। विश्वविद्यालय को अनिवार्य प्रायोगिक शिविर की समयावधि परिवर्तन करने का अधिकार है। विद्यार्थी प्रवेश से पूर्व यह भलीभांति विचार कर ले कि विश्वविद्यालय द्वारा समय—समय पर लिये गये प्रायोगिक संबंधित समस्त निर्णय उसे मान्य होंगे।विद्यार्थी के चिकनपाक्स, स्वाइन फ्लू कोरोना इत्यादि संक्रामक बीमारी की अवस्था में प्रायोगिक शिविर एवं प्रायोगिक परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

**(iii) परियोजना (Project)**: परियोजना से आशय विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किसी विषय विशेष से सम्बद्ध सर्वे रिपोर्ट से है जो विद्यार्थी द्वारा जमा करवायी जाएगी। इससे विद्यार्थी के स्वानुभव तथा विषय विशेष से सम्बन्धित विश्लेषण क्षमता का ज्ञान हो पाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को निर्देशक (Supervisor) उपलब्ध नहीं करवाया जाएगा। प्रोजेक्ट कार्य एक रिपोर्ट के रूप में जमा करवाना होगा।

**(iv) लघुशोध-प्रबन्ध (Dissertation) :** लघु शोध प्रबन्ध से आशय विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किसी विषय विशेष से सम्बद्ध शोध कार्य से है जो किसी शोध निर्देशक के निर्देशन में विद्यार्थी द्वारा जमा करवाया जाएगा। यह लिखित रिपोर्ट के रूप में होगा। इसमें विश्वविश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक तथा समय पर शोध प्रबन्ध पर आधारित एक मौखिक परीक्षा (Viva voice) भी होगी।

**(v) निबन्ध (Essay)** -जिस पाठ्यक्रम में निबन्ध का प्रावधान है उस पाठ्यक्रम की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई आंतरिक (गृह) कार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड “अ” में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड “ब” में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं। इसके अतिरिक्त आवश्यक निर्देश पाठ्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम संरचना के साथ अंकित है।

## (ख) सत्रांत परीक्षा (Term End Examination)

कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा सत्रांत (मुख्य) परीक्षा आयोजित की जाती है। जो कि सामान्य परिस्थितियों में जून की परीक्षा 1 जून और दिसम्बर की परीक्षा 21 दिसम्बर से प्रारम्भ होती है। विश्वविद्यालय द्वारा सामान्यतः वर्ष में दो बार जून एवं दिसम्बर माह में यह परीक्षाएँ आयोजित की जाती है। कार्यक्रम में प्रवेश के बाद प्रथम बार सत्रांत मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अलग से कोई फार्म नहीं भरना है। जिन विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है वे सभी न्यूनतम अवधि के बाद होने वाली परीक्षाओं में अवश्य बैठे इसके लिए कोई अलग शुल्क देय नहीं है। परीक्षा अनुमति पत्र (एडमिट कार्ड) विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in से डाउनलोड करें। परीक्षा अनुमति पत्र विद्यार्थियों के घर नहीं भेजा जाएगा।

### (1) परीक्षा परिणाम (Examination Result)

विश्वविद्यालय द्वारा सत्रांत (मुख्य) परीक्षा उपरान्त छात्र के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ही जारी किये जाते हैं और इसे वेबसाइट मे स्टूडेंट वन व्यू (Students One View) मे भी देखा जा सकता है। बाएं कॉर्नर में दिए गए ड्रॉप डाउन से कार्यक्रम का चयन कर

अलग-अलग सत्र के परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। रिमार्क कॉलम में SC: उत्तीर्ण (Successful), NC: अनुत्तीर्ण (Not Clear), G: ग्रेस (Grace), Ab: अनुपस्थित (Absent), आफ्टर रिवैल्यूएशन में रिवैल्यूएशन के बाद का परिणाम दर्शाया गया है ।

लुकअप टीआर में अन्तिम परीक्षा परिणाम जारी करने का सत्र तथा कार्यक्रमों का अंतिम परीक्षा परिणाम दर्शाया जाता है। विद्यार्थियों की अंकतालिका का प्रेषण विवरण जिसमे विद्यार्थियों के पते पर भेजी जाने वाली अंकतालिका का रजिस्टर्ड डाक/ ट्रैकिंग नंबर, भेजे जाने की दिनांक इत्यादि का विवरण दर्शाया जाता हैं। परीक्षा मे अनुतीर्ण विद्यार्थियों की मार्कशीट नहीं भेजी जाती है । स्टूडेंट वन व्यू (Students One View) की विस्तृत जानकारी के लिए पेज संख्या 26 देखें।

### (2) सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक(Theoretical and Practical) परीक्षा केन्द्रों में परिवर्तन

सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षा केन्द्रों को बदलने का आवेदन ऑनलाइन ही स्वीकार्य होगा। **ऑफलाइन आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा** । इसकी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखी जा सकती है ।

- सैद्धांतिक परीक्षा के लिये परीक्षा केंद्र बदलने हेतु जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी को 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक एवं दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी को 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन स्वयं आवेदन करना होगा ।
- प्रायोगिक परीक्षा के लिये परीक्षा केंद्र बदलने हेतु **जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी को 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक एवं दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी को 1अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक ऑनलाइन स्वयं** आवेदन **करना होगा ।**

**नोट :** — उपर्युक्त तिथि के पश्चात किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार्य नहीं होगा तथा उक्त तिथियों में यदि कोई परिवर्तन होगा तो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सूचना जारी की जायेगी।

- प्रवेश सत्र जुलाई 2019 से B.Sc. कार्यक्रम (B.Sc. प्रथम वर्ष, B.Sc. लेटरल एन्ट्री द्वितीय वर्ष, B.Sc. लेटरल एन्ट्री तृतीय वर्ष, अतिरिक्त विषय में B.Sc.) में पहली बार VMOU में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक विषयों भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैवप्रौद्योगिकी के प्रायोगिक परीक्षा के डिफाल्टर फार्म नवम्बर माह में आरंभ किये जायेंगे। विस्तृत जानकारी के लिए इस विवरणिका में B.Sc. कार्यक्रम को देखें।
- प्रवेश सत्र जुलाई 2018 एवं जनवरी 2019 में B.Sc कार्यक्रम (B.Sc. प्रथम वर्ष, B.Sc. लेटरल एन्ट्री द्वितीय वर्ष, B.Sc. लेटरल एन्ट्री तृतीय वर्ष, अतिरिक्त विषय में B.Sc.) में पहली बार VMOU में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक विषयों भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैवप्रौद्योगिकी के प्रायोगिक परीक्षा के डिफाल्टर फार्म नवम्बर माह में आरंभ किये जायेंगे। विस्तृत जानकारी के लिए इस विवरणिका में B.Sc. कार्यक्रम को देखें।

### (3) परीक्षा माध्यम (Medium of Examination)

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आंतरिक एवं सत्रांत परीक्षा के लिए यदि पाठ्यक्रम सामग्री हिन्दी में दी जाती है तब भी यह आवश्यक नहीं है कि परीक्षा माध्यम हिन्दी रखा जाये। आप चाहें तो पाठ्यक्रम सामग्री का माध्यम हिन्दी होने पर भी परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी चुन सकते है। इसी तरह यदि विश्वविद्यालय आपको अंग्रेजी में पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवाता है तो भी परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा अंग्रेजी हो सकता है - भाषा के प्रश्न पत्रों को छोडकर उक्त व्यवस्था सभी पाठ्यक्रमों पर लागू है। बीबीए, पीजीडीसीएए एवं कम्प्यूटर विज्ञान के (बीए एवं बीएससी के अतिरिक्त) के प्रश्न पत्र अंग्रेजी भाषा में ही होंगे। विद्यार्थी परीक्षा में उत्तर देने के लिए हिन्दी या अंग्रेजी माध्यम का चयन कर सकते हैं।

### (4) न्यूनतम निर्धारित उत्तीर्णांक

सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत मुख्य परीक्षा के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम के पूर्णांक नियत हैं, जिनमें से परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विद्यार्थी को न्यूनतम निर्धारित अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य, सत्रांत मुख्य परीक्षा के प्राप्तांक एवं प्रायोगिक

परीक्षा के प्राप्तांक अलग से प्रदर्शित किये जायेंगे। श्रेणी की गणना दोनों के प्राप्तांकों के आधार पर ग्रेडिग नियम से की जाएगी। विश्वविद्यालय द्वारा उन्ही विद्यार्थियों की अंकतालिका जारी की जायेगी जो परीक्षा सम्बन्धित सभी घटकों (Components) को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लेंगे।

पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए सभी पाठ्यक्रमों के सभी घटकों (आंतरिक गृहकार्य, प्रायोगिक तथा सत्रांत परीक्षा के अलग अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। सभी तत्वों में अलग अलग 20 प्रतिशत तथा सभी घटकों (Components) को मिलाकर 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।

सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - | 60% एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - | 48% एवं 60% से कम |
| उत्तीर्ण | - | 36% एवं 48% से कम |

**(5) सफल विद्यार्थियों का ग्रेडिंग सिस्टम**

सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार ग्रेड प्रदान की जाएगी

**(अ) क्रेडिट वाले पाठ्यक्रमों के लिए (For Credit Course):**

**न्यूनतम 36% वाले पाठयक्रमों के लिए (For Courses with minimum 36% Marks )**

**Letter Grade Chart for Calculating CGPA/YGPA**

| लेटर ग्रेड<br>Letter Grade | | ग्रेड प्वाइंट<br>Grade Point | समग्र समतुल्य अंक M (100 अंकों में से )<br>Equivalent overall Marks M (out of hundred) |
|---|---|---|---|
| O | Outstanding | 10 | $90 \leq M \leq 100$ |
| A+ | Excellent | 9 | $80 \leq M < 90$ |
| A | Very Good | 8 | $70 \leq M < 80$ |
| B+ | Good | 7 | $60 \leq M < 70$ |
| B | Above Average | 6 | $55 \leq M < 60$ |
| C+ | Average | 5.5 | $50 \leq M < 55$ |
| C | Below Average | 5 | $45 \leq M < 50$ |
| $D^+$ | Marginal | 4.5 | $40 \leq M < 45$ |
| D | Pass | 4 | $36 \leq M < 40$ |
| NC | Not Completed | 0 | $25 \leq M < 36$ |
| E | Poor | 0 | $10 \leq M < 25$ |
| H | Very Poor | 0 | $0 \leq M < 10$ |

यदि विद्यार्थी NC, E, H ग्रेड प्राप्त करता है तो उसे NC (Not Completed) माना जायेगा तथा उसे पुन: परीक्षा देनी होगी।

निम्नलिखित प्रकार से विद्यार्थी का वार्षिक ग्रेड प्वाइंट औसत (Yearly Grade Point Average (YGPA)) तथा संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (Cumulative Grade Point Average (CGPA)) की गणना की जायेगी।

YGPA हेतु विद्यार्थी द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट को उस विषय के क्रेडिट अंक से गुणा करके योग को कुल ग्रेड प्वाइंट से भाग देने पर प्राप्त होगा अर्थात् $YGPA = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$ जहां पर $C_i$ क्रेडिट अंक हैं तथा $G_i$ उस विषय में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट है।

10 Point स्केल पर CGPA की गणना निम्न सूत्र द्वारा की जायेगी

$$CGPA = \frac{\text{Cumulative points secured in all passed courses}}{\text{Cumulative earned credits}} = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$$

YGPA तथा CGPA की गणना दशमलव के बाद दो अंकों तक की जायेगी।

जिन कार्यक्रमों की अवधि दो वर्ष से कम है उनमें केवल YGPA की गणना नहीं की जायेगी। किसी वर्ष का YGPA केवल तभी दिया जायेगा जब विद्यार्थी द्वारा उस वर्ष के पाठ्यक्रम के सभी घटकों को पूरा कर लिया जायेगा।

## (ब ) नॉन क्रेडिट वाले पाठ्यक्रमों के लिए (For Non - Credit Course):

नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रमों में लेटर ग्रेड नहीं दी जायेगी, उसके स्थान पर विद्यार्थी को निम्नलिखित तालिका के अनुसार ग्रेड प्रदान की जायेगी तथा यह विद्यार्थी के YGPA/CGPA की गणना में प्रयोग नही की जायेगी

| Letter Grade | |
|---|---|
| **S** | **S**atisfactory |
| **U** | **U**nsatisfactory |

यदि विद्यार्थी नॉन क्रेडिट में उत्तीर्णांक के बराबर अथवा अधिक अंक प्राप्त करता है तो उसे S ग्रेड दी जायेगी। यदि विद्यार्थी उत्तीर्णांक से कम अंक प्राप्त करता है तो उसे U ग्रेड दी जायेगी। जिस पाठ्यक्रम में U ग्रेड प्राप्त होती है , विद्यार्थी को उस नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम की परीक्षा पुन: देनी होगा तथा उस कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए उस कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाले नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम को भी उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

1. Assignment तथा Term end Examination के प्राप्तांकों के योग के आधार पर उस पाठ्यक्रम का कुल ग्रेड निर्धारित होगा।
2. निम्न कार्यकमों में ग्रेडिग सिस्टम नहीं होगा
   लेटरल प्रवेश कार्यक्रम, B.A. Additional, B.Sc Additional, CPRP तथा CPGM
3. यदि विद्यार्थी किसी पाठ्यक्रम में ग्रेस से उत्तीर्ण होता है तो उनके संगत लेटर ग्रेड D होगा।
4. सीजीपीए एवं प्रतिशत में समतुल्यता सूत्र विश्वविद्यालय प्रदान नहीं करेगा।
5. गोल्ड मेडल विश्वविद्यालय में विद्यमान प्रचलित नियम के आधार पर ही दिया जायेगा।

**नोट** — 1. ग्रेडिग संबंधित नियमों को समय-समय पर परिवर्तन करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है।

2. प्रतिशत एवं श्रेणी के नियम प्रत्येक कार्यक्रम संरचना के अंत में दिये गये हैं।

3. लेटर ग्रेड की गणना हेतु पृष्ठ संख्या 22 देखें।

**प्रश्न-पत्र का पैटर्न :** प्रश्न –पत्र का प्रारूप निर्धारित करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा। इस हेतु समय समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सूचना प्रदान की जायेगी । वर्तमान में प्रचलित प्रश्नपत्रों का प्रारूप प्रश्न बैंक के रूप में विद्यार्थी के वन व्यू में वेबसाइट पर उपलब्ध है।

**नोट : परीक्षा सम्बन्धी नियमों में समस्त परिवर्तन करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।**

## परीक्षा संबंधी अन्य नियम/ व्यवस्थाएं (Rules of the University)

### 1. पुनः परीक्षा (Re-examination)

न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद आयोजित सत्रांत मुख्य परीक्षा में यदि विद्यार्थी नहीं बैठ सका हो तो उसे पुनः परीक्षा हेतु अलग से ऑनलाइन डिफाल्टर फार्म भरना पड़ेगा। पुनः परीक्षा शुल्क स्नातकोत्तर हेतु रु० 300/- तथा स्नातक हेतु रु० 200/- प्रति प्रश्न पत्र देय होता

है (शुल्क परिवर्तन का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित हैं) । पुनः परीक्षा आवेदन पत्र निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व निम्न तालिका के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करें| ऑफ लाइन परीक्षा आवेदन पत्र किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

**पुनः परीक्षा (Re-Examination) हेतु डिफाल्टर फॉर्म की समय सरणी**

| विद्यार्थी | जून परीक्षा हेतु | दिसंबर परीक्षा हेतु | जमा करवाने का तरीका |
|---|---|---|---|
| **डिफाल्टर (सैद्धान्तिक) एवं प्रोजेक्ट/लघुशोध** | 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक | 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक | **केवल ऑनलाइन माध्यम से<br>* B.Sc. कार्यक्रम के विशिष्ट समयावधि सम्बन्धी नियम के लिए B.Sc. कार्यक्रम के अन्तर्गत विवरण देखें।** |
| **डिफाल्टर (प्रायोगिक)** | 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक | 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक | |

**विशेष निर्देश —**

1. ऐसे डिफाल्टर विद्यार्थी जो सत्रान्त परीक्षा में प्रायोगिक के साथ सैद्धान्तिक /प्रोजेक्ट/लघुशोध परीक्षा में सम्मिलित होना एवं परीक्षा शहर में परिवर्तन भी चाहते हैं, ऐसे परीक्षार्थी सिर्फ एक बार ही ऑनलाईन परीक्षा फॉर्म जून परीक्षा हेतु 1 अप्रैल से 15 अप्रैल एवं दिसम्बर परीक्षा हेतु 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक ही भर सकते हैं।
2. आवेदन एवं परीक्षा शुल्क हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in देखें।
3. प्रायोगिक परीक्षा की समय—सारणी हेतु डिफाल्टर विद्यार्थी संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र से सम्पर्क करें।

**नोट** - यदि विद्यार्थी ने नियम स्वीकृत दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले रखा है और परीक्षा समय सारणी में छात्र के दोनों पाठ्यक्रमों के प्रश्न पत्र एक ही दिनांक व समय पर हो तो छात्र के पास दोनों में से एक ही पाठ्यक्रम की परीक्षा देने का विकल्प होगा । दूसरे पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने हेतु उसे अगली परीक्षा के लिए पुनः नि:शुल्क परीक्षा फॉर्म भी जमा करना होगा। परीक्षा फार्म के साथ परीक्षा अनुमति पत्र की प्रति संलग्न करना होगा।

**2. पुनः मूल्यांकन(Revaluation) —** परीक्षा में प्राप्त अंकों से यदि विद्यार्थी संतुष्ट नहीं हो तो वह पुन: मूल्यांकन हेतु आवेदन कर सकते है। इस हेतु विद्यार्थी का आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किया जाएगा। पुन: मूल्यांकन का आवेदन परीक्षा परिणाम घोषित होने के 15 दिन के अन्दर करना आवश्यक है। पुन: मूल्यांकन के विस्तृत जानकारी विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखें पुन: मूल्यांकन के परिणाम का इंतजार किये बिना अनुत्तीर्ण छात्र निर्धारित अन्तिम तिथि तक डिफाल्टर फार्म भर सकता है।

**स्नातक स्तरीय अनिवार्य प्रश्नपत्रों जिनकी परीक्षा ओएमआर आधारित होती है, उनमें पुनर्मूल्यांकन व्यवस्था एवं आंतरिक गृहकार्य व्यवस्था समाप्त कर दी गई है।**

**3. अंक/श्रेणी सुधार(Improvement) —** यदि विद्यार्थी उसके द्वारा पूर्व में दी गई परीक्षा में प्राप्त अंक/ श्रेणी को सुधारना चाहता है तो वह ऑफलाईन फार्म मय निर्धारित शुल्क जमा कर इस अवसर का लाभ उठा सकता है। अंक/श्रेणी सुधार के विस्तृत नियम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विद्यार्थी देख सकते है, अथवा वेबसाइट पर डाउनलोड एसेंशियल फॉर्म मे इम्प्रूवमेंट एग्जामिनेशन (Hyperlink) फॉर्म पर क्लिक कर डाउनलोड किया जा सकता है।

**परीक्षा विभाग से संबंधितअन्य शुल्क दिनांक 5.4.2014 से लागू**

1- पुन: मूल्यांकन शुल्क - रू. 400/- प्रति प्रश्न पत्र
2- अंक/श्रेणी सुधार शुल्क (सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा को छोड़कर)
   स्नातक परीक्षा - रू.450/- प्रति प्रश्न पत्र
   स्नातकोत्तर परीक्षा - रू. 750/- प्रति प्रश्न पत्र
3- *डुप्लीकेट मार्कशीट शुल्क - रू.100/- प्रति मार्कशीट

4- डुप्लीकेट मेरिट प्रमाण पत्र शुल्क - रू .200/-

5- अग्रिम अंक तालिका शुल्क रू .200/- प्रति मार्कशीट

6- डुप्लीकेट उपाधि शुल्क रू .500/-

7- *प्रोविजनल सर्टिफिकेट (P.C.) - रू .150/-

8- *प्रवजन प्रमाण पत्र (M.C.) - रू .150/-

9- बी.ए.पी./बी.सी.पी. सर्टिफिकेट - रू .100/-

10- सत्रांत परीक्षा शुल्क (डिफाल्टर्स के लिए )

स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम - रू .200/- प्रति प्रश्न पत्र

स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम - रू .300/- प्रति प्रश्न पत्र

11- प्रायोगिक परीक्षा (डिफाल्टर्स के लिए)

स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम - रू .1000/- प्रति प्रश्न पत्र

स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम - रू .2000/- प्रति प्रश्न पत्र

12- प्रोजेक्ट/लघुशोध(डिफाल्टर्स के लिए):-यह शुल्क दिसम्बर 2017 परीक्षा से लागू

स्नातक/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम जिनमे प्रोजेक्ट/लघुशोध एवं वाईवा/लेसन प्लान/प्रैक्टिकल कैंप लागू हैं - रू .1000/-प्रति प्रश्नपत्र

स्नातक/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम जिनमे केवल प्रोजेक्ट/लघुशोध लागू हैं - रू . 200/- प्रति प्रश्न पत्र

स्नातकोत्तर/स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तरीय पाठ्यक्रम जिनमे प्रोजेक्ट/लघुशोध एवं वाईवा/लेसन प्लान/प्रैक्टिकल कैंप लागू हैं 2000/- प्रति प्रश्न पत्र

स्नातकोत्तर/स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तरीय पाठ्यक्रम जिनमे केवल प्रोजेक्ट/लघुशोध लागू हैं - रू .300/- प्रति प्रश्न पत्र

13- विश्वविद्यालय में प्रवेशित विद्यार्थियों की परीक्षा पश्चात मास्टर डेटा में संशोधन का शुल्क (विद्यार्थी/ पिता/ माता का नाम, जन्मतिथि, फोटो एवं हस्ताक्षर में संशोधन का शुल्क) रू .200/-

14- मूल अंकतालिका परीक्षा में वापस लौटने उपरान्त विद्यार्थी को पुनः प्रेषित करने का शुल्क रू .50/-

15-Official transcript का शुल्क रू .3000/- तथा इसकी अतिरिक्त प्रत्येक प्रति प्राप्त करने का शुल्क रू .500/-

***डुप्लिकेट मार्कशीट, प्रोविजनल सर्टिफिकेट व प्रवजन प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु विद्यार्थियों को ऑनलाइन शुल्क जमा करवाने की सुविधा उपलब्ध है|**

**नोट — परीक्षा विभाग से संबंधित कार्यालय आदेश समय—समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर जारी किये जायेंगे।**

**प्रायोगिक परीक्षा में डिफाल्टर विद्यार्थियों के लिए कैंप/कक्षा सहित प्रायोगिक परीक्षा देने संबंधित नियम :-**

1. सभी स्नातक कार्यक्रम जिसमें प्रायोगिक शिविर (प्रैक्टिकल कैंप) सहित प्रायोगिक परीक्षा निर्धारित है, उनके लिए शुल्क रू. 1000/— (एक हजार रू. प्रति प्रश्न पत्र) होगा।

2. सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रम जिसमें प्रायोगिक शिविर (प्रैक्टिकल कैंप) सहित प्रायोगिक परीक्षा निर्धारित है, उनके लिए शुल्क रू. 2000/— (दो हजार रू. प्रति प्रश्न पत्र) होगा।

3. प्रत्येक विद्यार्थी को प्रायोगिक शिविर (प्रैक्टिकल कैंप) में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी, तभी वह उस समय आयोजित प्रायोगिक परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए पात्र होगा। न्यूनतम उपस्थिति के अभाव में छात्र को भविष्य में आयोजित प्रायोगिक शिविर (प्रैक्टिकल कैंप) में पुन: उपरोक्तानुसार शुल्क जमा करना होगा।

4. प्रायोगिक परीक्षा के लिए सम्मिलित होने वाले डिफाल्टर विद्यार्थी को जून परीक्षा के लिए 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक एवं दिसम्बर परीक्षा के लिए 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा ऐसे डिफाल्टर विद्यार्थी जो सत्रांक परीक्षा में प्रायोगिक के साथ सैद्धान्तिक /प्रोजेक्ट/लघुशोध परीक्षा में सम्मिलित होना एवं परीक्षा शहर में परिवर्तन भी चाहते हैं, ऐसे परीक्षार्थी सिर्फ एक बार ही

ऑनलाईन परीक्षा फॉर्म जून परीक्षा हेतु 1 अप्रैल से 15 अप्रैल एवं दिसम्बर परीक्षा हेतु 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक ही भर सकते हैं। B.Sc. कार्यक्रम के संबंधमें विशिष्ट नियम के लिए विवरणिका में B.Sc. कार्यक्रम में वर्णित विवरण अवश्य देखें।

नोट —

**i) उपरोक्त शुल्क एवं अन्य मदों में परिवर्तन करने का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित होगा।**

**ii) परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना विद्यार्थी को पृथक से नहीं भेजी जायेगी । परीक्षा संबंधी समस्त सूचनाएं विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध करवाई जाती है।**

## उपाधि (Degree) प्राप्त करने संबंधित नियम (Degree related rules) :-

1. छात्रों की मूल उपाधि दीक्षांत समारोह के पश्चात छात्र के पते पर पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित की जायेगी।
2. यदि किसी छात्र को दीक्षांत समारोह से पूर्व ही उपाधि की आवश्यकता हो, तो छात्र अस्थायी प्रमाण पत्र (Provisional Certificate) हेतु आवेदन कर सकता है । इसके लिए राशि 150/- रु. का Punjab National Bank के चालान के साथ अंतिम वर्ष की अंकतालिका की छायाप्रति मय प्रार्थना पत्र के साथ परीक्षा विभाग, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में भिजवाए।
3. डुप्लिकेट उपाधि हेतु राशि 500/- रु. का Punjab National Bank बैंक के चालान के साथ अंतिम वर्ष की अंकतालिका की छायाप्रति मय प्रार्थना पत्र के साथ परीक्षा विभाग, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में भिजवाए।
4. उपाधि प्राप्त करने हेतु छात्र वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in पर जाकर https://www.vmou.ac.in/forms से उपाधि फॉर्म डाउनलोड कर परीक्षा विभाग, कोटा को भिजवा सकता है।
5. विद्यार्थियों को डिग्री दीक्षांत समारोह की समाप्ति के पश्चात् भारतीय डाक द्वारा प्रेषित की जाती है जिसका विवरण वेबसाइट मे **स्टूडेंट वन व्यू** में सबसे ऊपर प्रदर्शित होता है।

## ऑनलाइन आवेदन (Online Application) का विवरण:-

विद्यार्थियों द्वारा किये गए सभी ऑनलाइन आवेदनों जैसे की डिफॉल्टर परीक्षा (Defaulter Examination), रिवैल्यूएशन एप्लिकेशन (Revaluation Application), प्रमोटी आवेदन (Promotee Application): द्वितीय/अंतिम/तीसरे वर्ष के कार्यक्रम में आवेदन, डाटा सुधार (Data Correction) : मास्टर रिकॉर्ड्स में बदलाव की स्थिति को स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) में ऑनलाइन आवेदन में देखा जा सकता है । स्टूडेंट वन व्यू (Students One View) की विस्तृत जानकारी के लिए पेज संख्या 26 देखें।

## छात्रवृत्तियां तथा शुल्क प्रतिपूर्ति(Scholarships & Reimbursement)

आरक्षित श्रेणियों अर्थात् अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और शारीरिक रूप से विशेष योग्य जन विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश के समय शुल्क का पूरा भुगतान करना आवश्यक है। अनुसूचित जाति, जनजाति के विद्यार्थी पाठ्यक्रम शुल्क की प्रतिपूर्ति के संबंध में समाज कल्याण विभाग द्वारा जारी की जाने वाली छात्रवृति हेतु विद्यार्थियों को www.rajpms.nic.in पर जाकर ऑनलाइन ही आवेदन करना होगा। वर्धमान महावीर खुला विवि में प्रवेश प्राप्त विशेष योग्य जन छात्र भारत सरकार की छात्रवृत्ति के पात्र हैं। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे कार्यक्रम शुल्क की प्रतिपूर्ति के लिए अपने राज्य के समाज कल्याण निदेशालयों अथवा समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय से छात्रवृत्ति फार्म प्राप्त कर लें और भरे हुये फार्म को संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक के माध्यम से स्वयं भेजें।

- **राजस्थान ऑनलाइन स्कॉलरशिप सिस्टम (Rajasthan Online Scholarship System)** –
  इसके लिए विद्यार्थियों को आगे दिए जा रहे लिंक को क्लिक करके जानकारी मिल सकेगी। इस लिंक को अपने कंप्यूटर में फीड करें। इससे स्कॉलरशिप संबंधी जानकारियां तथा आवेदन फॉर्म भरने के तरीकों की सूचना मिल सकेगी। https://rajpms.nic.in/Public/Instruction_For_Students.pdf

**आरक्षण (Reservation)**

1. ऐसे पाठ्यक्रम जिनमे प्रवेश संख्या निर्धारित है , उन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु राज्य सरकार की आरक्षण नीति के अनुसार आरक्षण प्रदान किया जाता है।
2. वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 52 वीं बैठक के बिन्दु संख्या 06 के निर्णयानुसार कश्मीरी विस्थापितों को प्रवेश नियमों में शिथिलता प्रदान किए जाने संबंधी मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्रF31/2012, NCR, दिनांक 12.03.2015 में दी गयी व्यवस्थाओं को स्वीकार करने का निर्णय किया गया।

**प्रोत्साहन योजनाएं (Promotional Schemes) –**

- **कुलाधिपति (चांसलर) स्वर्ण पदक-**

  विश्वविद्यालय द्वारा चांसलर स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर की सत्रांत परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाने वाले विद्यार्थी को प्रदान किया जाएगा। यह पदक विश्वविद्यालय के मौजूद विद्यापीठ के लिए होगा और इसे जून एवं दिसम्बर की प्रत्येक परीक्षा के लिए प्रदान किया जाएगा। यह पदक नियमानुसार विद्यापीठ एवं उसमें सम्मिलित कार्यक्रमों के नियमित आवर्तन (Rotation) के आधार पर दिया जाएगा।

- **पार्वती किशोर छात्रवृत्ति एवं मेडल**

  विश्वविद्यालय द्वारा एम.ए. (उत्तरार्द्ध) अर्थशास्त्र की सत्रांत परीक्षा की टॉपर छात्राओं को पार्वती किशोर छात्रवृत्ति, मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में एक वर्ष में दो बार सत्रान्त परीक्षाएं होती है, प्रत्येक सत्रान्त परीक्षा की टॉपर छात्रा को उक्त छात्रवृत्ति दी जाएगी। एक वर्ष में दो छात्राओं को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी । प्रत्येक छात्रा को रू 4000/-(चार हजार रूपये मात्र) दिया जाएगा।

- **डीसीएम श्रीराम स्कॉलरशिप**

  स्नातक के सभी विषयों के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को डीसीएम श्रीराम स्कॉलरशिप प्रदान किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक विद्यार्थी को रू 4000/-(चार हजार रूपये मात्र) दिया जाएगा।

- **स्व. श्रीमती बिंदेश्वरी अग्निहोत्री एवं स्व श्री करूणा शंकर त्रिपाठी स्मृति स्वर्ण पदक**

  एम.जे. के टॉपर और बी.जे. के टॉपर विद्यार्थियों के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। स्व. श्री करूणा शंकर त्रिपाठी की स्मृति में बी.जे. के टॉपर विद्यार्थी को तथा स्व. श्रीमती बिंदेश्वरी अग्निहोत्री की स्मृति में एम.जे. के टॉपर विद्यार्थी को स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा।

- **अशर्फी देवी एवं पं. लक्ष्मीनारायण जोशी स्वर्ण पदक-**

  पी.जी.डी.एल.एल. कार्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्रा के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा । पं. लक्ष्मीनारायण जोशी के नाम पर छात्र को एवं अशर्फी देवी के नाम पर छात्रा को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा।

# स्टूडेंट वन व्यू (Student One View)

स्टूडेंट वन व्यू https://www.vmou.ac.in/one विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिये तैयार किया गया एक एप्लीकेशन है। यह वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को दी जा रही एक अनोखी सुविधा है, जिसमें विद्यार्थी अपने स्कॉलर नंबर एवं जन्म तिथि दर्ज करके अपने से जुडी सूचनाएँ देख सकता है। यदि विद्यार्थी को स्कॉलर न. याद नहीं है तो इसमें विद्यार्थी को स्वयं का नाम दर्ज कर स्कॉलर न. खोजने की सुविधा दी गयी है।

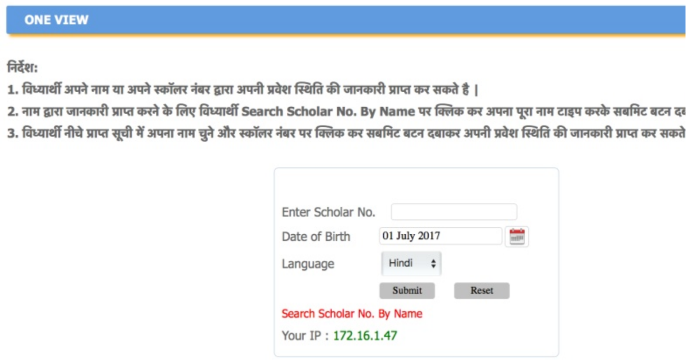


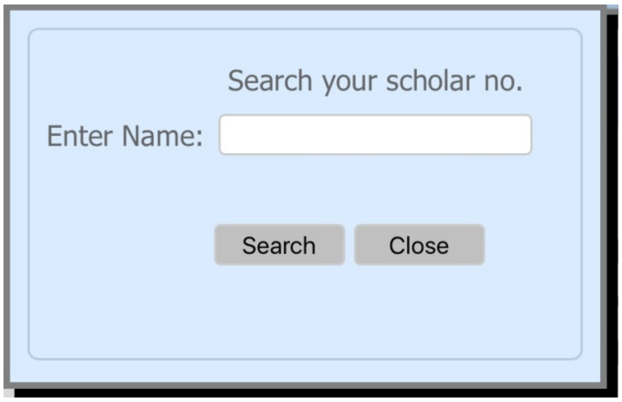


इस भाग में **स्टूडेंट वन व्यू** द्वारा विश्वविद्यालय रिकॉर्ड में उपलब्ध विद्यार्थी का मास्टर डाटा दर्शाया जाता है जिसमें निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध होती है।

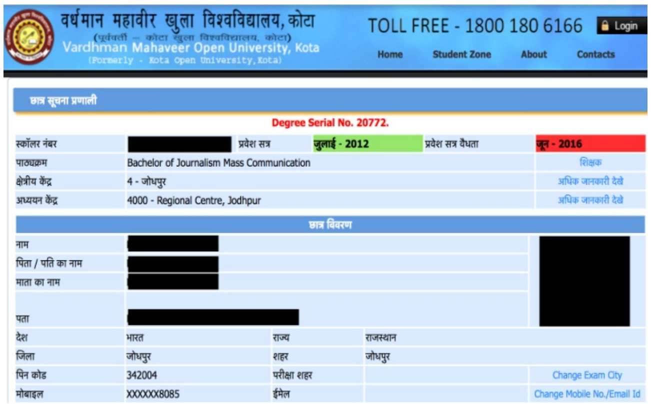


1. स्कॉलर नंबर (Scholar Number)
2. प्रवेश सत्र का आरंभ एवं प्रवेश वैधता (Admission Session Start & Admission Validity)
3. कार्यक्रम जिसमें प्रवेश लिया है (Programme Enrolled)
4. क्षेत्रीय केंद्र एवं अध्ययन केंद्र (Regional & Study Center)
5. विद्यार्थी का नाम / पिता का नाम / माता का नाम (Name / Father's Name / Mother's Name)
6. पता / मोबाइल नंबर / ई-मेल (Address / Mobile No / Email)
7. आगामी परीक्षा का शहर (Exam City for Next Exam)
8. संकाय प्रोफाइल से जुड़े (Link to the Faculty Profile)

विद्यार्थी को अपने मोबाइल न. / ईमेल / परीक्षा शहर इत्यादि बदलने का लिंक दिया गया है। यदि विद्यार्थी अपने अन्य किसी रिकॉर्ड में सुधार करना चाहता है तो स्वयं इस लिंक द्वारा कर सकता है। https://online.vmou.ac.in/CorrectionForm.aspx

**प्रवेश विवरण (Admission Details) :-**

स्टूडेंट वन व्यू के इस भाग में विद्यार्थी के प्रवेश विवरण का पता चलता है जिसमें विद्यार्थी के उन कार्यक्रमों की सूची प्रदर्शित की जाती है, जिनमे उसका एनरोलमेंट हुआ है। विद्यार्थी प्रश्न बैंक / एसएलएम पर क्लिक करके प्रश्न बैंक, किताबें एवं सत्रीय कार्य पर क्लिक कर सत्रीय कार्य के प्रश्न डाउनलोड कर सकता है।

**प्रवेश विवरण**

| वर्ष | सत्र | कार्यक्रम कोड | कार्यक्रम का नाम | श्रेयांक | कोर्स | सत्रीय कार्य |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2015 | July | MAEG-P | Master of Arts English (Previous) | 32 | प्रश्न बैंक/अध्ययन सामग्री | डाउनलोड |
| 2016 | July | MAEG-F | Master of Arts English (Final) | 40 | प्रश्न बैंक/अध्ययन सामग्री | डाउनलोड |

**सत्रीय कार्य जमा स्थिति (Assignment Deposition Status):-**

सत्रीय कार्य किसी भी प्रोग्राम का अनिवार्य भाग हैं। यह सभी स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए लागू हैं। क्षेत्रीय केंद्र पर सत्रीय कार्य प्रस्तुत करने की अंतिम तिथियां निम्नलिखित हैं:-

- जनवरी सत्र के लिये : 15 नवंबर (15th November)
- जुलाई सत्र के लिये : 15 मई (15th May)

**सत्रीय कार्य जमा स्थिति**

| क्रमांक | कोर्स कूट | प्राप्ति तारीख | प्राप्त किये |
|---|---|---|---|
| 1 | MAEG-01 | 18-07-2016 13:40:01 | Regional Centre |
| 2 | MAEG-02 | 18-07-2016 13:40:01 | Regional Centre |
| 3 | MAEG-03 | 18-07-2016 13:40:01 | Regional Centre |
| 4 | MAEG-04 | 18-07-2016 13:40:01 | Regional Centre |

आपको क्षेत्रीय केंद्र में जमा करवाए गए सत्रीय कार्य के बारे में जानकारी प्रदान करता है। सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख और समय इस अनुभाग में विस्तृत रूप से दिए गये है। कृपया ध्यान दें कि विद्यार्थी अंतिम तिथि से पहले क्षेत्रीय केंद्र में व्यक्तिगत या रजिस्टर्ड पोस्ट से जमा करवाकर उसकी रसीद प्राप्त करें। रसीद को एक हार्ड कॉपी के माध्यम से जारी किया जाता है और एसएमएस के जरिए छात्र को सूचना दी जाती है। रसीद विद्यार्थी को अपने रिकॉर्ड्स में रखनी चाहिए। अंतिम तिथि के बाद जमा किए गए सत्रीय कार्य के मामले में, ऐसे छात्र का परीक्षा परिणाम देरी से अथवा अगले सत्र मे घोषित किया जाएगा।

**नोट:** विश्वविद्यालय के सत्रीय कार्य/आन्तरिक गृह कार्य जमा करवाने का कोई शुल्क नहीं है।

**अध्ययन सामग्री प्रेषण स्थिति (Study Material Dispatch Status):-**

विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार, इंडियन पोस्ट के माध्यम से प्रत्येक पंजीकृत विद्यार्थी को स्व-लिखित सामग्री / पुस्तक भेजी जाती है। पुस्तकें प्रेषित करने के बाद विद्यार्थी को ट्रैकिंग नंबर के साथ एक एसएमएस भेजा जाता है। भारतीय डाक विभाग द्वारा छात्र के मास्टर रिकार्ड में दिए पते पर पुस्तकों की डिलीवरी कर दी जाती है।

**अध्ययन सामग्री प्रेषण विवरण**

| कार्यक्रम कोड | कोर्स कूट | इकाई | मात्रा | माध्यम | प्रेषण संख्या | प्रेषण दिनांक | EPP DISPATCH NO. | EPP DISPATCH DATE | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| MAEG-P | MAEG-01 | सेट | 1 | डाक द्वारा | | | CR418415741IN | 12/01/2016 | प्रेषित |
| MAEG-P | MAEG-02 | सेट | 1 | डाक द्वारा | | | CR418415741IN | 12/01/2016 | प्रेषित |
| MAEG-P | MAEG-03 | सेट | 1 | डाक द्वारा | | | CR418415741IN | 12/01/2016 | प्रेषित |
| MAEG-P | MAEG-04 | सेट | 1 | डाक द्वारा | | | CR418415741IN | 12/01/2016 | प्रेषित |
| MAEG-F | MAEG-05 | सेट | 1 | डाक द्वारा | | | CR730786766IN | 11/01/2017 | प्रेषित |
| MAEG-F | MAEG-06 | सेट | 1 | डाक द्वारा | | | CR730786766IN | 11/01/2017 | प्रेषित |
| MAEG-F | MAEG-07 | सेट | 1 | डाक द्वारा | | | CR730786766IN | 11/01/2017 | प्रेषित |
| MAEG-F | MAEG-08 | सेट | 1 | डाक द्वारा | | | CR730786766IN | 11/01/2017 | प्रेषित |
| MAEG-F | MAEG-09 | सेट | 1 | डाक द्वारा | | | CR730786766IN | 11/01/2017 | प्रेषित |

**परीक्षा विवरण (Examination Details):-**

यह भाग अत्यधिक महत्व का है। इस भाग में प्रत्येक सत्रांत परीक्षा / पुनर्मूल्यांकन / डिफाल्टर के सभी परिणाम प्रदर्शित किए जाते हैं। छात्र पूर्व वर्षों के परिणाम देखने लिए बाएं कॉर्नर में दिए गए ड्रॉप डाउन से कार्यक्रम का चयन कर सकते हैं। रिमार्क कॉलम में जहाँ "आफ्टर रिवैल्यूएशन" लिखा है, वहां रिवैल्यूएशन के बाद का परिणाम दर्शाया गया है। लुकअप टीआर में परीक्षा सत्र, परीक्षा परिणाम तथा कार्यक्रमों का अंतिम परिणाम दर्शाया जाता है। परिणाम में निम्नलिखित संकेतकों का इस्तेमाल किया जाता है :-

- SC : उत्तीर्ण (Successfully Completed)
- NC : अनुत्तीर्ण (Not Cleared)
- G : ग्रेस (Pass by Grace)
- AB : अनुपस्थित (Absent)
- UM : अनुचित साधन (Unfair Means)

**परीक्षा विवरण**

पाठ्यक्रम MAEG-P

| कोर्स कूट | कोर्स का नाम | प्रश्न पत्र प्रकार | अंक | REMARKS | स्थिति | OVERALL RESULT |
|---|---|---|---|---|---|---|
| MAEG-01 | ENGLISH LANGUAGE USAGE AND COMMUNICATION SKILLS | ASSIGNMENT | 15 | | SC | SC |
| MAEG-01 | ENGLISH LANGUAGE USAGE AND COMMUNICATION SKILLS | THEORY | 44 | After Revaluation(JUNE16) | SC | SC |
| MAEG-02 | RENAISSANCE TO JACOBEAN AGE | ASSIGNMENT | 16 | | SC | SC |
| MAEG-02 | RENAISSANCE TO JACOBEAN AGE | THEORY | 40 | | SC | SC |
| MAEG-03 | CAROLINE TO REFORMATION AGE | ASSIGNMENT | 16 | | SC | SC |
| MAEG-03 | CAROLINE TO REFORMATION AGE | THEORY | 43 | | SC | SC |
| MAEG-04 | THE ROMANTIC AGE | ASSIGNMENT | 16 | | SC | SC |
| MAEG-04 | THE ROMANTIC AGE | THEORY | 36 | | SC | SC |

Lookup TR JUNE16

Marks Obtained 226

परिणाम PASS

## मार्कशीट प्रेषण विवरण (Mark-sheet Dispatch Details):-

विश्वविद्यालय की वर्तमान नीति के अनुसार भारतीय डाक के माध्यम से सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अंकतालिका भेजी जाती हैं इस भाग में भेजी जाने वाली मार्कशीट का क्रमांक, भारतीय डाक ट्रैकिंग संख्या और मार्केटशीट की डिस्पेच की तारीख को प्रदर्शित किया जाता है।

**अंकतालिका प्रेषण विवरण**

| कार्यक्रम कोड | क्रमांक | रजिस्ट्री क्रमांक | प्रेषण दिनांक | REMARKS |
|---|---|---|---|---|
| MAEC-P | 604333 | RR419896885IN | 11-04-2017 | |
| MAEC-F | 609685 | RR411903841IN | 05-04-2017 | |
| MAEC-F | 571371 | RR521170114IN | 04-10-2016 | |

विद्यार्थी को आवेदन उपरान्त भेजे गए प्रोविजनल सर्टिफिकेट एवं माइग्रेसन सर्टिफिकेट का डिस्फेच विवरण भी प्रदषित किया जाता है।

**Provisional and Migration Certificate Dispatch Details**

| DOCUMENT TYPE | SERIAL NO. | REGISTRY NO. | DISPATCH DATE | REMARKS |
|---|---|---|---|---|
| Migration Certificate | 1804 | RR583772763IN | 04-05-2019 | Despatched by Post |

**ADDITIONAL DOCUMENTS**

विद्यार्थी द्वारा परीक्षा विभाग को जमा किये गऐ प्रोजेक्ट /लघुशोध का विवरण भी प्रदर्शित किया जाता है।

**Project Submission Details**

| PROG CODE | COURSE CODE | RECEIVED DATE |
|---|---|---|
| MSW-F | MSW-09 | 20-06-2019 |

## डिग्री प्रेषण विवरण (Degree Dispatch Details):-

विश्वविद्यालय की मौजूदा नीति के मुताबिक प्रत्येक कार्यक्रम के केवल स्वर्ण पदक उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किया जाता है और दीक्षांत समोराह में ही उन्हें डिग्री प्रदान की जाती हैं। शेष विद्यार्थियों को डिग्री दीक्षांत समारोह की समाप्ति के पश्चात रजिस्टर्ड भारतीय डाक द्वारा प्रेषित की जाती है। डिग्री का सीरियल नंबर स्टूडेंट वन व्यू पर सबसे ऊपर प्रदर्शित होता है।

**छात्र सूचना प्रणाली**

**Degree Serial No. 20772.**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| स्कॉलर नंबर | [redacted] | प्रवेश सत्र | जुलाई - 2012 | प्रवेश सत्र वैधता | जून - 2016 |
| पाठ्यक्रम | Bachelor of Journalism Mass Communication | | | | शिक्षक |
| क्षेत्रीय केंद्र | 4 - जोधपुर | | | | अधिक जानकारी देखे |
| अध्ययन केंद्र | 4000 - Regional Centre, Jodhpur | | | | अधिक जानकारी देखे |

## महत्वपूर्ण जानकारी (Important Information)

इस भाग का प्रयोग विद्यार्थियों को किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यक्रम के संकाय सदस्यों द्वारा किया जाता है। आम तौर पर इस भाग का उपयोग परियोजनाओं / कार्यों / पाठ्यक्रमों आदि पर अतिरिक्त जानकारी प्रदान करने के लिए किया जाता है।

**विभिन्न डाउनलोड (Various Downloads):-**

इस भाग को छात्र पहचान पत्र डाउनलोड करने, मास्टर रिकॉर्ड्स को बदलने, पुराने प्रश्न पत्रों को डाउनलोड करने और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर को देखने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

**डाउनलोड (पुराने प्रश्न पत्र, पहचानपत्र एवं अन्य)**

डाउनलोड छात्र पहचान पत्र
Change / Correction Form for Student Master Records(Name/Fathers Name/Address/Mobile/Email)
पुराने प्रश्न पत्र
Academic Calender

**शिकायत (Grievance):-**

यदि विद्यार्थी किसी समस्या का सामना कर रहा है तो वह विश्वविद्यालय के ऑनलाइन सिस्टम http://online.vmou.ac.in/GrievanceForm.aspx का उपयोग कर प्रश्न / शिकायत भेज सकता है। शिकायत दर्ज होने के बाद शिकायत संख्या जारी होती है जिसका उपयोग शिकायत की वर्तमान स्थिति देखने के लिए किया जा सकता है।

**विद्यार्थी शिकायत निवारण**

सवाल/शिकायत दर्ज करें

Grievance Status

| QUERY NO. | DEPARTMENT | SUBMISSION DATE | स्थिति |
|---|---|---|---|
| 119914 | EXAMINATION & DEGREE | 19-06-2017 06:59:00 | Open |
| 119915 | EXAMINATION & DEGREE | 19-06-2017 06:59:00 | Open |

**संबंधितवीडियो (Related Videos):-**

विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों की सहायता के लिए वीडियो व्याख्यानों https://www.youtube.com/user/vmouonline/ videos का निर्माण किया है एवं और अधिक व्याख्यान विकसित करने की प्रक्रिया में है। कार्यक्रमों से संबंधित व्याख्यान संकाय द्वारा जोड़े जाते हैं ताकि सीखने वाले कार्यक्रम से संबंधित व्याख्यान देख सकते हैं।

**मेरे ऑनलाइन अनुप्रयोग/आवेदन (My Online Applications):-**

विद्यार्थियों द्वारा किये गए सभी ऑनलाइन आवेदनों की सूची मेरे ऑनलाइन आवेदन में दर्शायी जाती है। छात्र द्वारा किये आवेदन का विवरण निम्न प्रकार देख सकते हैं।

विभिन्न ऑनलाइन आवेदन छात्र द्वारा किये जा सकते हैं।

- डिफॉल्टर परीक्षा (Defaulter Examination)
- रिवैल्यूएशन एप्लिकेशन (Revaluation Application)
- प्रमोटी आवेदन (Promotee Application): द्वितीय / अंतिम / तीसरे वर्ष के कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए
- डाटा सुधार (Data Correction) : मास्टर रिकॉर्ड्स में बदलाव के लिए

**मेरे ऑनलाइन आवेदन**

| आवेदन क्रमांक | TRANS. NO | पाठ्यक्रम | प्रकार | दिनांक | APPLICATION STATUS |
|---|---|---|---|---|---|
| 9538 | 1500087041 | MASA-P | Reval | 03-09-2016 | Completed |
| 273839 | 1500093495 | MASA-F | Promotee | 11-09-2016 | Validated |

| अकादमिक कालदर्शिका (Academic Calender) | | |
|---|---|---|
| **गतिविधियां** | **प्रवेश सत्र- जुलाई** | **प्रवेश सत्र- जनवरी** |
| प्रवेश प्रारम्भ की तिथि | 1 जुलाई से 31 अगस्त | 1 जनवरी से 28/29 फरवरी |
| क्षेत्रीय केंद्र एवं अध्ययन केंद्र परिवर्तन की अंतिम तिथि | प्रवेश की अंतिम तिथि से 30 दिनों में | |
| पाठ्य सामग्री प्रेषण की अंतिम तिथि | 15 अक्टूबर | 15 अप्रैल |
| विद्यार्थियों का आमुखीकरण | अक्टूबर माह में | अप्रैल माह में |
| परामर्श /शिक्षण कक्षाएं * | 15 अक्टूबर से 30 अप्रैल | 15 अप्रैल से 31अक्टूबर |
| प्रायोगिक परीक्षाएँ * | 16 अप्रैल से 30 मई तक | 16 अक्टूबर से 20 दिसम्बर तक |
| आंतरिक गृह कार्य/ प्रोजेक्ट जमा करवाने की तिथि | 15 मई तक (जिन्हें जून परीक्षा में सम्मिलित होना हैं) | 15 नवम्बर तक (जिन्हें दिसंबर परीक्षा में सम्मिलित होना हैं) |
| सैद्धान्तिक परीक्षा का केंद्र परिवर्तन के लिए आवेदन (केवल ऑनलाइन)प्रस्तुत करने की तिथि | 1 अप्रैल से 30 अप्रैल (जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी) | 1अक्टूबर से 31 अक्टूबर (दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी) |
| प्रायोगिक परीक्षा का केंद्र परिवर्तन के लिए आवेदन (केवल ऑनलाइन)प्रस्तुत करने की तिथि * | 1 अप्रैल से 15 अप्रैल (जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी) | 1अक्टूबर से 15 अक्टूबर (दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी) |
| वेबसाइट पर परीक्षा अनुमति पत्र जारी करने की तिथि | 25 मई | 15 दिसम्बर |
| परीक्षा प्रारंभ होने की तिथि | 1 जून | 21 दिसम्बर |
| वेबसाइट पर परिणाम घोषित करने की तिथि | परीक्षा समाप्त होने के पश्चात् लगभग 60 कार्य दिवसों के भीतर | |
| अंकतालिका प्रेषित करने की तिथि | परीक्षा परिणाम जारी होने के पश्चात् लगभग 20 के भीतर | |
| पुनर्मूल्यांकन के आवेदन (केवल ऑनलाइन) की तिथि | परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् 15 दिन के भीतर | |
| उपाधि प्रेषण | प्रशासनिक निर्णय के अनुसार | |
| परीक्षा फार्म भरने की तिथि डिफाल्टर्स (केवल ऑनलाइन) एवं श्रेणी सुधार (केवल ऑफलाइन) | 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक | 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक |
| परीक्षा फार्म भरने की तिथि डिफाल्टर्स प्रायोगिक परीक्षा के लिये (केवल ऑनलाइन)* | 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक | 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक |

** सर्टिफिकेट कार्यक्रमों में प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन 10 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक (प्रवेश सत्र जुलाई हेतु), व 1 मई से 30 मई तक (प्रवेश सत्र जनवरी हेतु) किया जाता हैं। B.Sc. कार्यक्रम के प्रायोगिक संबंधी विशेष जानकारी, इस विवरणिका के B.Sc. कार्यक्रम के अन्तर्गत दी गई है उसे अवश्य देखें।*

** ऐसे डिफाल्टर विद्यार्थी जो सत्रांक परीक्षा में प्रायोगिक के साथ सैद्धान्तिक /प्रोजेक्ट/लघुशोध परीक्षा में सम्मिलित होना एवं परीक्षा शहर में परिवर्तन भी चाहते हैं, ऐसे परीक्षार्थी सिर्फ एक बार ही ऑनलाईन परीक्षा फॉर्म जून परीक्षा हेतु 1 अप्रैल से 15 अप्रैल एवं दिसम्बर परीक्षा हेतु 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक ही भर सकते हैं।*

All the details of the programmes of personal contact programme are enclosed is Annexure – 14(B)

# Faculty Profile

| Name of Faculty | Post | Nature of Appointment | Educational Qualifications | Subject | School | Area of Specialisation |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **SCHOOL OF COMMERCE & MANAGEMENT** | | | | | | |
| Dr. Anurodh Godha | Associate Professor | Permanent | Ph.D., M.Com., (EAFM),<br>MBA (EP),<br>B. Com (Honours) | Commerce | School Of Commerce & Management | Economic Administration and Financial Management, Entrepreneurship and Finance |
| **SCHOOL OF CONTINUING EDUCATION** | | | | | | |
| Dr.Subodh Kumar | Professor | Permanent | Ph.D, NET, B.Sc.<br>M.A. (Journalism)<br>M.A. (English) | Journalism | School of Continuing Education | Print Media Science & Journalism |
| **SCHOOL OF EDUCATION** | | | | | | |
| *Dr. Anil Kumar Jain | Professor | Permanent | Ph.D. NET, M.Ed. | Education | School of Education | Gudiance and Counseling |
| Dr. Keerti Singh | Associate Professor | Permanent | Ph.D, M.A. (English), M.Ed. | Education | School of Education | Gudiance and Counseling and Pedagogy of Langauges |
| *Dr. Akhilesh Kumar | Assistant Professor | Permanent | Ph.D, M.Ed. | Education | School of Education | Special Education |
| *Dr. Patanjali Mishra | Assistant Professor | Permanent | Ph.D, M.A. (English), M.Ed. | Education | School of Education | Gudiance and Counseling |
| **(*on Lien)**<br>**School of Humanities and Social Science** | | | | | | |
| | | | | | | |
| Prof. B.Arun Kumar | Professor | Permanent | Ph.D., M.A. | Pol. Science | School of Humainities & Social Science | Political Theory & Ghandian Thought |
| Dr. Kshamata Chaudhary | Associate Professor | Permanent | Ph.D,<br>M.A.,<br>B.Ed. | English | School of Humainities & Social Science | English Language & Literature |
| Dr. Akbar Ali | Assistant Professor | Permanent | B.Com, MA (Public Admn), UGC NET Qualified (Public Admn), MPhil, Ph.D. | Public Administration | School of Humainities & Social Science | Administrative Thinkers, Public Policy and Governance, Disaster Management, Indian Administration, Comparative Administration, Development Administration Personnel Administration |
| Dr. Alok Chauhan | Assistant Professor | Permanent | MSc. PhD. NET (CSIR, UGC) | Geography | School of Humanities and Social Sciences | Population & Settlement Geography |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Dr. Kapil Gautam | Assistant Professor | Permanent | M.A. M.Phil. & Ph.D., NET JRF (UGC) | Sanskrit | School of Humainities & Social Science | Indian Philosophy (Adavita Vedanta) |
| Dr. S. K. Kulshrestha | Assistant Professor | Permanent | M.Phil., Ph.D. NET & SET | Economics | School of Humainities & Social Science | Econometrics |
| **SCHOOL OF SCIENCE & TECHNOLOGY** | | | | | | |
| Dr. Anuradha Dubey | Associate Professor | Permanent | M.Sc., M.Phil. & Ph.D. | Botany | School of Science & Technology | Cynobacterial Biotechnology |
| Mr. Rakesh Sharma | Assistant Professor | Permanent | MCA | Computer Science | School of Science & Technology | Computer Science |
| Dr. Ravi Gupta | Assistant Professor | Permanent | PhD. M.Sc., M.Phil. & NET JRF | Mathematics | School of Science & Technology | MHD., Flow |
| Mr. Sushil Rajpurohit | Assistant Professor | Permanent | M.Sc. , JRF-NET | Physics | School of Science & Technology | Physics |
| Mr. Sandeep Hooda | Assistant Professor | Permanent | M.Sc. & SET | Zoology | School of Science & Technology | Entomology |
| Dr. Neeraj Arora | Assistant Professor | Permanent | PhD. B.Tech., M.E., NET & JRF, SET | Computer Science | School of Science & Technology | Computer Science & Engineering |

| **Profile of Regional Directors** | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Dr. Anurodh Godha | **Director, RSD**<br>Director (Addl. Charge) of Regional Centre,Ajmer | 9414024828 | rcajm@vmou.ac.in |
| 2. | Mr. Balwan Singh Saini | Director (Addl. Charge) of Regional Centre, Bikaner | 9414024932 | rcbkr@vmou.ac.in |
| 3. | Dr. Akber Ali | Director (Addl. Charge) of Regional Centre, Jaipur | 9414024803 | rcjpr@vmou.ac.in |
| 4. | Dr. Raman Dave | Director (Addl. Charge) of Regional Centre, Jodhpur | 9414024834 | rcjdr@vmou.ac.in |
| 5. | Dr. Dilip Kumar Sharma | Director of Regional Centre, Kota | 9414028113 | rckota@vmou.ac.in |
| 6. | Dr. Rashmi Bohra | Director of Regional Centre, Udaipur | 9414024836 | rcudr@vmou.ac.in |
| 7. | Dr. J. K. Sharma | Director of Regional Centre, Bharatpur | 9414026397 | rcbpr@vmou.ac.in |

| Profile of Officers | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Sh. K.K. Goyal | Registrar | 0744-2470971 | reg@vmou.ac.in |
| 2. | Sh. Mahesh Chand Meena | Comptroller (Finance) | 0744-2797121 | fo@vmou.ac.in |
| **VCS** | | | | |
| 1. | Mr. Sohan Lal Sharma | Secretary to VC | 0744-2471254 | vcs@vmou.ac.in |
| **Profile of Deputy Registrars** | | | | |
| 1. | Dr. Mohd. Akhtar Khan | Deputy Registrar, RSD | 9414024853 | drmakhan@vmou.ac.in |
| 2. | Mr. D. K. Singh | Deputy Registrar, Finance | 9414025993 | dksingh@vmou.ac.in |
| **Profile of Assistant Registrars** | | | | |
| 1. | Mr. H.R. Mehta | Assistant Registrar, RC Kota | 9414024869 | arhrmehta@vmou.ac.in |
| 2. | Mr. Chakradhar Verma | Assistant Registrar, Central Store & Purchase, MPD | 9414701326 | chakradharverma@vmou.ac.in |
| 3 | Mr. Suresh Kumar Sharma | Assistant Registrar, RC Jodhpur | 9414024854 | arsksharma@vmou.ac.in |
| 4. | Dr. Praveen Kumar Sharma | Assistant Registrar, Exam Kota | 9414024856 | arpksharma@vmou.ac.in |
| 5. | Mr. Balwan Singh Saini | Assistant Registrar, RC Bikaner | 9414024932 | arbalwansaini@vmou.ac.in |
| 6. | Mr. Gangaram Meena | Assistant Registrar, Legal, Establishment | 9413085636 | gmeena@vmou.ac.in |
| 7. | Mr. Sant Bahadur Singh | Assistant Registrar, RC Bharatpur | 9414024829 | sbsingh@vmou.ac.in |
| 8. | Mr. Alok Sharma | Assistant Registrar, RC Jaipur | 8764342299 | asharma@vmou.ac.in |
| 9. | Mr. Ravi Sagar Bua | Assistant Registrar, RC Ajmer | 9414024954 | rsbua@vmou.ac.in |
| 10. | Mr. Shiv Kumar Sharma | Assistant Registrar, RC Udaipur | 9414024934 | Shivkumarsharma@vmou.ac.in |
| **Information Technology and Educational Media Production Centre** | | | | |
| 1. | Dr. Rakesh Sharma | Director, IT& EMPC | 9414036050 | rsharma@vmou.ac.in |
| 2. | Dr. Saurabh Pandey | Incharge, IT& EMPC , Producer Studio | 9414024873 | spandey@vmou.ac.in |
| 3. | Dr. Mayank Gaur | Video Producer Studio, IT& EMPC | 9602347513 | mgaur@vmou.ac.in |
| 4. | Mr. Rajesh Tripathi | System Analyst & Design Manager, IT& EMPC | 9828137504 | rtripathi@vmou.ac.in |
| **Other Officers** | | | | |
| 1. | Mr. Naveen Tiwari | Assistant Engineer | 9414024870 | aenntiwari@vmou.ac.in |
| **MPD** | | | | |
| 1. | Mr. Yogendra Goyal | APO, MP&D | 9079141623 | ygoyal@vmou.ac.in |

| स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (Master Degree Programmes) | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्र. सं. (S. No.)** | **कार्यक्रम का नाम (Name of Programme)** | **कार्यक्रम कोड (Prog. Code)** | **प्रवेश योग्यता (Eligibility)** | **अवधि (Duration)** न्यूनतम | अधिकतम | **कार्यक्रम शुल्क रु. में (Programme Fee in Rs.)** | **SLM का माध्यम (Medium)** |
| 1. | एम. ए. अर्थशास्त्र<br>M. A. Economics | MAEC | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | हिन्दी |
| 2. | एम. ए. शिक्षा<br>M. A. Education | MAED | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | हिन्दी |
| 3. | एम.ए. राजनीति विज्ञान<br>M. A. Political Science | MAPS | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | हिन्दी |
| 4. | एम.ए. पुलिस प्रशासन<br>M. A. Police Administration | MAPST | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | हिन्दी |
| 5. | एम.ए. हिन्दी<br>M. A. Hindi | MAHD | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | हिन्दी |
| 6. | एम.ए. इतिहास<br>M.A. History | MAHI | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | हिन्दी |
| 7. | एम. ए. समाजशास्त्र<br>M.A. Sociology | MASO | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | हिन्दी |
| 8. | एम. ए. मनोविज्ञान<br>M.A. Psychology | MAPSY | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 8400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 8400/- | हिन्दी |
| 9. | एम.ए. अंग्रेजी<br>M.A. English | MAEG | Bachelor’s Degree ( minimum TDC) from any recognized University or its equivalent. | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | English |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10. | एम. ए. संस्कृत<br>M. A. Sanskrit | MASA | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | हिन्दी |
| 11. | एम.ए.राजस्थानी<br>M.A. Rajasthani | MARJ | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | राजस्थानी |
| 12. | एम.ए. भूगोल<br>M. A. Geography | MAGE | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 8400/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 8400/- | हिन्दी |
| 13. | एमएससी-गणित<br>M.Sc. Mathematics | MScMT | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 6900/-<br>उत्तरार्द्ध Rs. 6900/- | English |
| 14. | कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि<br>Master of Science (Computer Science) | MScCS | Bachelor's Degree (minimum TDC) from any recognized University in any discipline with at least Second Division or equivalent. **Lateral Entry:** A student shall be admitted to MSc.CS (final year) if he/she satisfies either of the following condition: (i) Passed PGDCA from V.M. Open University. **OR** (ii)Passed PGDCA from any recognised university with at least second division in Bachelor's degree provided that 70% of the syllabi are common with that of V.M. Open University. | 2 वर्ष | 4 वर्ष | Previous Rs. 15900/-<br>Final Rs. 18700/- | English |
| 15. | एमएससी -वनस्पति विज्ञान<br>(M.Sc. Botany) | MBO | Passed B.Sc. with Botany as a major subject in graduation degree/B.Sc. (Hons.) in Botany/passed equivalent Bachelor's degree in Science with Botany as a major subject in graduation degree. | 2 वर्ष | 4 वर्ष | Previous Rs.16200/-<br>Final Rs.16200/- | English |
| 16. | एमएससी-प्राणी विज्ञान<br>( M.Sc. Zoology) | MZO | Passed B.Sc. with Zoology as a major subject in graduation degree/B.Sc. (Hons.) in Zoology/passed equivalent Bachelor's degree in Science with Zoology as a major subject in graduation degree. | 2 वर्ष | 4 वर्ष | Previous Rs.16200/-<br>Final Rs.16200/- | English |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 17. | एमएससी-रसायन विज्ञान (M.Sc. Chemistry) | MScCH | Passed B.Sc. with Chemistry as a major subject in graduation degree/B.Sc. (Hons.) in Chemistry/passed equivalent Bachelor's degree in Science with Chemistry as a major subject in graduation degree. | 2 वर्ष | 4 वर्ष | Previous Rs.16200/- Final Rs.16200/- | English |
| 18. | एमएससी-भौतिक विज्ञान (M.Sc. Physics) | MPH | Passed B.Sc. with Physics as a major subject in graduation degree/B.Sc. (Hons.) in Physics/passed equivalent Bachelor's degree in Science with Physics as a major subject in graduation degree. | 2 वर्ष | 4 वर्ष | Previous Rs.16200/- Final Rs.16200/- | English |
| 19. | मास्टर ऑफ कॉमर्स Master of Commerce | M.COM | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) अथवा समकक्ष | 2 वर्ष | 4 वर्ष | पूर्वार्द्ध Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- | हिन्दी |
| 20. | मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन Master of Business Administration (इस कार्यक्रम में प्रवेश हेतु विवरणिका अलग से उपलब्ध है।) | MBA | Bachelor's Degree (minimum TDC) with 50% marks from any recognized University OR Master's Degree from any recognized University OR Bachelor's Degree from any recognized University with three years of supervisory/ Managerial/ Professional Experience OR Professional Degree in Engineering/ Technology Medicine/ Architecture/Law or Professional Qualification in ccountancy/Cost and Work Accountancy/Company Secretaryship etc. | 2 वर्ष | 4 वर्ष | Previous Rs. 16300/-- Final Rs. 16300/-- | English |

**नोट :-**विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक D.O. No. 1-15/2015 (CPP-II) दिनांक 17 अगस्त 2015 के क्रम में एवं विद्या परिषद के निर्णय संख्या 54/08 (T) के क्रम में त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के संबंध में निम्न व्यवस्था रहेगी :- जिन विद्यार्थियों ने "दिनांक 4 जून 1986 के पूर्व स्वयं को प्रथम वर्ष स्नातक कोर्स हेतु नामांकित किया है या 4 जून 1986 के पूर्व ही प्रथम स्नातक की डिग्री प्राप्त कर ली है वो समस्त विद्यार्थी त्रिवर्षीय स्नातक के समकक्ष समझे जाएगें एवं उन्हें एक वर्ष का अतिरिक्त ब्रिज कोर्स करने की आवश्यकता नहीं होगी।"

# एम.ए. अर्थशास्त्र (M. A. Economics)
## Programme Code : MAEC

**उद्देश्य (Objectives):**

- एम. ए. अर्थशास्त्र कार्यक्रम का उद्देश्य सरल एवं बोधगम्य भाषा में आर्थिक प्रक्रियाओं, नीतियों एवं समस्याओं की जानकारी प्रदान करना है जिससे विद्यार्थी घर बैठे आर्थिक जगत में हो रही हलचल को समझ सकें एवं उसकी सही व्याख्या कर सके।
- दूरस्थ शिक्षा के उद्देश्यों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता की अध्ययन सामग्री के साथ-साथ बहु माध्यमों का उपयोग कर शिक्षा से वंचित किन्तु इच्छुक विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराना।
- विद्यार्थी को बैंकिंग/बीमा/कम्पनियों सांख्यिकी आर्थिक विभाग एवं शिक्षण संस्थाओं में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के लिए योग्य बनाना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 72

**शुल्क (Fee)** : पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** एम.ए. अर्थशास्त्र के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तराद्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। एम.ए. उत्तराद्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम निबंध MAEC-09 के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। अध्ययन सामग्री केवल हिंदी माध्यम में ही दी जायेगी|

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | आर्थिक सिद्धान्त-प्रथम<br>Economic Theory -I | MAEC - 01 | 8 |
| 2. | आर्थिक सिद्धान्त-द्वितीय<br>Economic Theory - II | MAEC - 02 | 8 |
| 3. | सार्वजनिक अर्थशास्त्र<br>Public Economics | MAEC - 03 | 8 |
| 4. | परिमाणात्मक विधियाँ<br>Quantitative Methods | MAEC-04 | 8 |
| **एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final** | | | |
| 5. | अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र<br>International Economics | MAEC - 05 | 8 |
| 6. | भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास<br>Development of Indian Economy | MAEC - 06 | 8 |
| 7. | श्रम अर्थशास्त्र<br>Labour Economics | MAEC - 07 | 8 |
| 8. | क्षेत्रीय आर्थिक विकास एवं नियोजन<br>Regional Economic Development and Planning | MAEC-08 | 8 |
| 9. | * निबन्ध Essay | MAEC-09 | 8 |

* MAEC-09 की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय/आन्तरिक गृहकार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने है।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् एक वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48%एवं 60%से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48%से कम

# एम.ए. शिक्षा (M.A. Education)

## Programme Code : MAED

**उद्देश्य (Objectives):**

- शिक्षा के विभिन्न संप्रत्ययों को दार्शनिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं अन्य आधारों के सन्दर्भ में समझना ।
- सरल एवं सुबोधगम्य भाषा में विद्यार्थी को शिक्षा सम्बन्धित विभिन्न पक्षों की जानकारी देना है ताकि विद्यार्थी शिक्षा जगत में होने वाले नवीन परिवर्तनों से भली भाँति परिचित हो सके।
- रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के माध्यम से रोजगार अवसरों का सृजन करना।
- दूरस्थ शिक्षा के उद्देश्यों के अनुरूप गुणवत्ता युक्त अध्ययन सामग्री के साथ साथ बहु माध्यमों का उपयोग एवम शिक्षा से वंचित किन्तु इच्छुक विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 72

**शुल्क (Fee)** : पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):** एम.ए. शिक्षा पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र)होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार<br>Philosophical and Sociological Bases of Education | MAED 01 | 8 |
| 2. | शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार<br>Psychological Bases of Education | MAED 02 | 8 |
| 3. | शिक्षा की अनुसंधान पद्धतियाँ<br>Research Methods in Education | MAED 03 | 8 |
| 4. | शैक्षिक तकनीकी<br>Educational Technology | MAED 04 | 8 |

**एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final**

**निम्नांकित विषयों में से किन्हीं पांच विषयों का चयन करें।**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | कम्प्यूटर शिक्षा<br>Computer Education | MAED 05 | 8 |
| 6. | दूरस्थ शिक्षा<br>Distance Education | MAED 06 | 8 |
| 7. | तुलनात्मक शिक्षा<br>Comparative Education | MAED 07 | 8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8. | मापन एवं मूल्यांकन<br>Measurement and Evaluation | MAED 08 | 8 |
| 9. | शैक्षिक प्रबंध<br>Educational Management | MAED 09 | 8 |
| 10. | निर्देशन एवं परामर्श<br>Guidance and Counselling | MAED 10 | 8 |
| 11. | पाठ्यक्रम विकास<br>Curriculum Development | MAED 11 | 8 |
| 12. | महिला शिक्षा<br>Women Education | MAED 12 | 8 |
| 13. | प्राथमिक शिक्षा<br>Elementary Education | MAED 14 | 8 |
| 14. | माध्यमिक शिक्षा<br>Secondary Education | MAED 15 | 8 |
| 15. | शिक्षक शिक्षा<br>Teacher Education | MAED 17 | 8 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

# एम.ए. राजनीति विज्ञान (M. A. Political Science)
## Programme Code : MAPS

**उद्देश्य (Objectives):**

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- अखिल भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवाओं में चयन के सामर्थ्य का विकास।
- विविध गैर-सरकारी संगठनों (N.G.Os) में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं का अभिज्ञान।
- विश्व बैंक सहित विविध अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण।
- व्यापक सामाजिक-राजनीतिक विचारों तथा प्रक्रियाओं के प्रति व्यावहारिक समझ एवं कर्म-कौशल का विस्तार और उस आधार पर परिपक्व राजनीतिक विश्लेषण की क्षमता का विकास।

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | हिन्दी |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 72 |
| **शुल्क (Fee)** | : | पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- |

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** एम.ए. राजनीति विज्ञान के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी। एम. ए. उत्तरार्द्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम एमएपीएस-09 के लिये कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं करवायी जाएगी।

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | राजनीतिक चिन्तन<br>Political Thought | MAPS-01 | 8 |
| 2. | तुलनात्मक राजनीति<br>Comparative Politics | MAPS-02 | 8 |
| 3. | अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति<br>International Politics | MAPS-03 | 8 |
| 4. | भारतीय राजनीति-I<br>Indian Politics-I | MAPS-04 | 8 |

**एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | विकसित राजनीतिक सिद्धांत<br>Advanced Political Theory<br>**अथवा (Or)** मोहनदास से महात्मा गाँधी<br>From Mohandas to Mahatma Gandhi | MAPS-05<br><br>MAGP-01 | 8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | भारतीय राजनीति-II<br>Indian Politics-II<br>**अथवा (Or)**<br>गाँधी के राजनीतिक विचार<br>Political Thought of Mahatma Gandhi | MAPS-06<br><br>MAGP-06 | 8 |
| 7. | भारत के विशेष संदर्भ में तुलनात्मक विदेश नीति अध्ययन<br>Comparative Foreign Policy Studies with Special Reference to India<br>**अथवा (Or)**<br>गाँधी के बाद उनके विचार एवं प्रयोग<br>Gandhian Ideas and Practices after Gandhi | MAPS-07<br><br>MAGP-07 | 8 |
| 8. | सार्वजनिक नीति<br>Public Policy<br>**अथवा (Or)**<br>समकालीन समस्याएं और गाँधी<br>Gandhi and Contemporary Problems | MAPS-08<br><br>MAGP-08 | 8 |
| 9. | निबंध<br>Essay* | MAPS-09 | 8 |

* MAPS-09 की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय/आन्तरिक गृहकार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय / आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48%एवं 60%से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48%से कम

# एम. ए. पुलिस प्रशासन (M. A. Police Administration)
## Programme Code : MAPST

**उद्देश्य (Objectives):**

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- पुलिस सेवाओं में चयन के सामर्थ्य का विकास।
- विविध सुरक्षा एजेंसियों में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं का अभिज्ञान।
- अपराध परिशोधन संबंधी परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण।
- व्यापक समसामयिक सुरक्षात्मक विचारों तथा प्रक्रियाओं के प्रति व्यावहारिक समझ एवं कर्म कौशल का विस्तार और उस आधार पर परिपक्व राजनीतिक विश्लेषण की क्षमता का विकास।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 72

**शुल्क (Fee)** : पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** एम.ए. पुलिस प्रशासन के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र)होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। एम.ए. उत्तरार्द्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम निबंध MAPST-09 के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाएगी।

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | पुलिसिंग : सिद्धान्त एवं व्यवहार<br>Policing : Theory and Practice | MAPST-01 | 8 |
| 2. | पुलिस का विधिक परिप्रेक्ष्य<br>Legal Perspective on Police | MAPST-02 | 8 |
| 3. | अपराध शास्त्र: पुलिस का परिप्रेक्ष्य<br>Criminology: The Police Perspectives | MAPST-03 | 8 |
| 4. | लोकतंत्र में पुलिसिंग<br>Policing in Democracy | MAPST-04 | 8 |
| **एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final)** | | | |
| 5. | पुलिस और सुरक्षा | MAPST-05 | 8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | Police and Security | | |
| 6. | पुलिस और प्राविधिक<br>Police and Technology | MAPST-06 | 8 |
| 7. | पुलिस और प्रबन्ध<br>Police and Management | MAPST-07 | 8 |
| 8. | पुलिस - संघर्ष निवारण<br>Police – Conflict Resolution | MAPST-08 | 8 |
| 9. | निबंध<br>Essay* | MAPST-09 | 8 |

* MAPST-09 की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय/आन्तरिक गृहकार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ"में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय / आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

# एम.ए. हिन्दी (M. A. Hindi)

## Programme Code : MAHD

**उद्देश्य (Objectives):**

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- हिन्दी काव्य, काव्यशास्त्र, गद्य व समालोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों से अन्तरंगता और उसके आधार पर व्यवहार्य साहित्यिकी का विकास।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास के संबंध में दक्षता का निर्धारण।
- नाटक व कथेतर गद्य विधाएँ, कथा साहित्य व भाषा विज्ञान के सम्बन्ध में दक्षता का निर्धारण।
- उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा लेखक के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वाह।
- जनसंचार माध्यम व पत्रकारिता तथा लोकसाहित्य के स्वरूप व प्रवृत्तियों से अन्तरंगता का निर्धारण।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा-दक्षता के आधार पर सफलता का सूत्रपात।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 72

**शुल्क (Fee)** : पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):** एम.ए. पूर्वार्द्ध हिन्दी में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि एम.ए उत्तरार्द्ध हिन्दी में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा।

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)

| **क्र.सं.** (S. No.) | **पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course) | **पाठ्यक्रम कोड** (Course Code) | **श्रेयांक** (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य | MAHD-01 | 8 |
| 2. | आधुनिक काव्य | MAHD-02 | 8 |
| 3. | हिन्दी साहित्य का इतिहास | MAHD-03 | 8 |
| 4. | काव्यशास्त्र व समालोचना | MAHD-04 | 8 |

**एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ | MAHD-05 | 8 |
| 6. | कथा साहित्य | MAHD-06 | 8 |
| 7. | भाषा विज्ञान | MAHD-07 | 8 |
| 8. | आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा | MAHD-08 | 8 |
| **क्र.सं.** | **वैकल्पिक प्रश्न-पत्र (कोई एक चुनें)** | **पाठ्यक्रम कोड** | **श्रेयांक** |
| 1. | लोक साहित्य | MAHD-09 | 8 |
| 2. | जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता | MAHD-10 | 8 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय /आन्तरिक गृहकार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृहकार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/ आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग-अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

# एम.ए. इतिहास (M. A. History)

## Programme Code : MAHI

**उद्देश्य (Objectives):**

- समाज विज्ञान के व्यापक परिवेश में ऐतिहासिक विचारों, संस्थाओं एवं प्रक्रियाओं का ज्ञान सम्बोधन।
- समाज विज्ञान के रूप में इतिहास की व्यावहारिक विधाओं एवं शैलियों का संयोजन।
- विश्व एवं भारतीय इतिहास के गहन अध्ययन का प्रवर्तन।
- इतिहास की समसामयिक प्रवृत्तियों के ज्ञान का संयोजन।

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | हिन्दी |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 72 |
| **शुल्क (Fee)** | : | पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- |

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)**: एम. ए. इतिहास के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | विश्व इतिहास (मध्यकालीन समाज एवं क्रांति का युग)<br>World History (Medieval Society and Era of Revolution) | MAHI-01 | 8 |
| 2. | विश्व इतिहास-(1815-1918) (राष्ट्रवाद, पूंजीवाद एवं समाजवाद)<br>World History-(1815-1918) (Nationalism, Capitalism and Socialism) | MAHI-02 | 8 |
| 3. | आधुनिक विश्व का इतिहास (1919-1945) (युद्ध एवं औद्योगिक समाज)<br>History of Modern World-(1919-1945) (War and Industrial Society) | MAHI-03 | 8 |
| 4. | ऐतिहासिक चिंतन<br>Historical Thoughts | MAHI-04 | 8 |

## एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final)

विद्यार्थी निम्नलिखित तालिका में दिये गये पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में से किन्ही पाँच पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) का चयन कर आवेदन पत्र में यथा स्थान पर अंकित करे।

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | प्राचीन भारत में राज्य एवं राजनीति<br>State and Polity in Ancient India | MAHI-05 | 8 |
| 6. | प्राचीन भारत में व्यापार एवं शहरीकरण<br>Trade and Urbanisation in Ancient India | MAHI-06 | 8 |
| 7. | भारत में भक्ति आन्दोलन एवं सूफीवाद<br>Bhakti Movement and Sufism in India | MAHI-09 | 8 |
| 8. | मध्यकालीन भारत में प्रशासकीय संस्थाओं का विकास<br>Growth of Administrative Institutions in Medieval India | MAHI-10 | 8 |
| 9. | भारत में किसान आन्दोलन (1818-1951)<br>Peasant Movement in India (1818-1951) | MAHI-13 | 8 |
| 10. | भारत में स्वतंत्रता आन्दोलन (1920-1947)<br>Freedom Movements in India (1920-1947) | MAHI-14 | 8 |
| 11. | आधुनिक राजस्थान में समाज एवं अर्थवयवस्था<br>Society and Economy in Modern Rajasthan | MAHI-15 | 8 |

**सत्रीय गृहकार्यः** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय / आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः** एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

# एम.ए. समाजशास्त्र (M. A. Sociology)
## Programme Code : MASO

**उद्देश्य (Objectives):**

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- अखिल भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवाओं में चयन के सामर्थ्य का विकास।
- विविध गैर-सरकारी संगठनों (N.G.Os) में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं का अभिज्ञान।
- विश्व बैंक सहित विविध अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण।
- व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रक्रियाओं के प्रति सहज बोध और उसके आधार पर सामाजिक आदर्श व सामाजिक यथार्थ से अन्तरंगता।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 72

**शुल्क (Fee)** : पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):** एम.ए. समाजशास्त्र के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे । जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी। एम.ए. उत्तरार्द्ध के अन्तिम पाठ्यक्रम निबन्ध लेखन एमएएसओ-09 के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं करवायी जाएगी।

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | समाजशास्त्र के मूलतत्व<br>Foundations of Sociology | MASO-01 | 8 |
| 2. | समाजशास्त्रीय अनुसंधान का तर्क<br>Logic of Sociological Enquiry | MASO-02 | 8 |
| 3. | भारतीय सामाजिक व्यवस्था<br>Indian Social System | MASO-03 | 8 |
| 4. | ग्रामीण समाजशास्त्र<br>Rural Sociology | MASO-04 | 8 |

**एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धान्त<br>Contemporary Sociological Theory | MASO-05 | 8 |
| 6. | समाजशास्त्रीय विचारक<br>Sociological Thinkers | MASO-06 | 8 |
| 7. | भारत में समाजशास्त्र का विकास<br>Development of Sociology in India | MASO-07 | 8 |
| 8. | अपराधशास्त्र<br>Criminology | MASO-08 | 8 |
| 9. | निबन्ध<br>Essay* | MASO-09 | 8 |

* MASO-09 की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय/आन्तरिक गृहकार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ"में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय / आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

# एम. ए. मनोविज्ञान (M. A. Psychology)

## Programme Code : MAPSY

**उद्देश्य (Objectives):**

- मनोवैज्ञानिक संप्रत्ययों में दक्षता हासिल कर मानवीय व्यवहार के मनोवैज्ञानिक पहलू को सम्पूर्णता से समझना।
- मनोवैज्ञानिक कौशल को परामर्शदाता के रूप में प्रयोग करने की क्षमता हासिल करना।
- मनोवैज्ञानिक निर्देशन एवं परामर्श की योग्यता अर्जित करना।
- मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों का व्यावहारिक उपयोग करने की क्षमता अर्जित करना।

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | हिन्दी |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 80 |
| **शुल्क (Fee)** | : | पूर्वार्द्ध: Rs. 8400/- उत्तरार्द्ध Rs 8400/- |

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):** एम. ए. मनोविज्ञान के पूर्वार्द्ध तथा उत्तरार्द्ध में पाँच- पाँच पाठ्यक्रम होंगे। इनमें से चार पाठ्यक्रम सैद्धान्तिक तथा एक पाठ्यक्रम प्रायोगिक का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | मनोवैज्ञानिक शोध विधियां (Psychological Research Methods) | MAPSY 01 | 8 |
| 2. | सांख्यिकीय एवं मनोवैज्ञानिक मापन (Statistics and Psychological Measurement) | MAPSY 02 | 8 |
| 3. | संज्ञानात्मक मनोविज्ञान : मौलिक प्रक्रियाएं (Cognitive Psychology: Basic Processes) | MAPSY 03 | 8 |
| 4. | सामाजिक एवं सांस्कृतिक मनोविज्ञान (Social and Cultural Psychology) | MAPSY 04 | 8 |
| 5. | प्रयोगात्मक (Practical) | MAPSY 05 | 8 |

**एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | व्यक्तित्व: सिद्धांत एवं मूल्यांकन (Personality: Theories and Assessment) | MAPSY 06 | 8 |
| 7. | नैदानिक मनोविज्ञान (Clinical Psychology) | MAPSY 07 | 8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8. | विकासात्मक मनोविज्ञान<br>(Developmental Psychology) | MAPSY 08 | 8 |
| 9. | निर्देशन एवं परामर्श मनोविज्ञान<br>(Guidance and Counselling Psychology) | MAPSY 09 | 8 |
| 10. | *प्रयोगात्मक**<br>(Practical) | MAPSY 10 | 8 |

*** संपर्क शिविर (Contact camp):** MAPSY 05 व MAPSY 10 पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) हेतु प्रत्येक वर्ष बीस दिवसीय शिविर का प्रावधान है। **:** MAPSY 05 व MAPSY 10 के प्रायोगिक परीक्षा हेतु अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से होगा|

| क्र.सं. | प्रायोगिक परीक्षा | एम.ए पूर्वार्द्ध | एम.ए. उत्तरार्द्ध |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रायोगिक लिखित परीक्षा | 40 अंक | 40 अंक |
| 2. | रिकार्ड वर्क एवं मौखिक परीक्षा | 30 अंक | 30 अंक |
| 3. | प्रोजेक्ट (सामाजिक /मनोवैज्ञानिक/ क्लीनिकल / परीक्षण/ सर्वेक्षण/फिल्ड विजिट एवं मौखिक परीक्षा) | 30 अंक | 30 अंक |

इस शिविर में तीन चौथाई उपस्थिति अनिवार्य होगी अन्यथा विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा।
यदि कोई विद्यार्थी अपने निर्धारित संपर्क शिविर में अपनी तीन चौथाई उपस्थिति पूरा नहीं कर पाता है तो वह अगले वर्ष के संपर्क शिविर में डिफाल्टर शुल्क जमा कराकर अपनी तीन चौथाई उपस्थिति पूरा कर प्रायोगिक परीक्षा में शामिल हो सकता है। एम.ए. मनोविज्ञान में प्रवेशित विद्यार्थियों को प्रायोगिक शिविर एवं प्रायोगिक परीक्षा केंद्र शहर में परिवर्तन का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा|

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :-**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा (MAPSY 05 व MAPSY 10) को छोड़कर)। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधितक्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी। नोट – MAPSY-02 की परीक्षा हेतु साधारण कैलकुलेटर ले जाने की अनुमति रहेगी।
अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

# एम. ए. अंग्रेजी (M. A. English)

## Programme Code : MAEG

**Objectives:**

- Further expansion of understanding related to various streams of literary trends and linguistics.
- Development of better expressive skills leading to self development as a literary persona.
- Capacity to discern the literary trends across continents so as to inculcate pertinent "global" mental make up.
- Exploring better prospects for higher education in the chosen literature by contributing to it as a teacher, researcher or writer.

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | Bachelor's Degree ( minimum TDC) from any recognized University or its equivalent. |
| **अवधि (Duration)** | : | minimum 2 year and maximum 4 year |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | English |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 72 |
| **शुल्क (Fee)** | : | Previous Rs. 5400/- Final Rs. 5650/- |

**Programme Structure :** There will be four courses in M.A. (Previous) and five courses in M.A.(Final). Each course will be of 8 credits.

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | English Language Usage and Communication Skills | MAEG-01 | 8 |
| 2. | Renaissance to Jacobean Age | MAEG-02 | 8 |
| 3. | Caroline to Reformation Age | MAEG-03 | 8 |
| 4. | The Romantic Age | MAEG-04 | 8 |
| | **एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final)** | | |
| 5. | Principles of Criticism | MAEG-05 | 8 |
| 6. | Victorian Age | MAEG-06 | 8 |
| 7. | Twentieth Century | MAEG-07 | 8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8. | Indian Writing in English and in Translation | MAEG-08 | 8 |
| ***Choose any one Course from the table given below:*** | | | |
| 9. | Post Colonial Literature | MAEG-09 | 8 |
| 10. | American Literature | MAEG-10 | 8 |
| 11. | Canadian Literature | MAEG-11 | 8 |

**Examination Pattern :**

**Internal /Home Assignment:** In each course (paper) Internal Assignment will be of 20 marks. The Internal Assignments shall be submitted to the Concerned Regional on or before the date prescribed by the university.

**Term-end Examination:** On the completion of the prescribed minimum duration for previous as well as for final year i.e. one year; a candidate will be examined by the means of written examination of 3 hours duration in each course (paper). The maximum marks for each course (paper) shall be 80. To pass in Examination, a candidate shall be required to score 36% marks in each course (paper) as well as in aggregate. However, it is compulsory to secure 36% marks in each component i.e. Internal /home Assignment and Term End Examination otherwise he/she may reappear in the next examination after six months to clear the due papers within prescribed maximum duration of that programme. This is also to note that no Division shall be awarded for the M.A. Previous examination.

The marks obtained in internal assignment and term end examination shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

| | | |
|---|---|---|
| First Division | - | 60% and above |
| Second Division | - | 48% and above but below 60% |
| Pass | - | 36% and above but below 48% |

# एम. ए. संस्कृत (M. A. Sanskrit)

## Programme Code : MASA

**उद्देश्य (Objectives):**

- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- संस्कृत काव्य,काव्यशास्त्र, गद्य व समालोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों से अन्तरंगताऔर उसके आधार पर व्यवहार्य साहित्यिकी का विकास।
- भारतीय संस्कृति तथा वैदिक साहित्य के व्यापक अनुक्रम में संस्कृत वाङ्गमयका विशद् पारायण।
- संस्कृत साहित्य के इतिहास के संबंध में दक्षता का निर्धारण।
- उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा लेखक के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वाह।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा-दक्षता के आधार पर सफलता का सूत्रपात।

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | हिन्दी |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 72 |
| **शुल्क (Fee)** | : | पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- |

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):** एम.ए. संस्कृत के पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का है। एम.ए. उत्तरार्द्ध के पाठ्यक्रम एमएएसए -09 (MASA-09) के लिए कोई अध्ययन सामग्री उपलब्ध नहीं करवायी जाएगी।

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषा विज्ञान | MASA-01 | 8 |
| 2. | ललित साहित्य एवं नाटक | MASA-02 | 8 |
| 3. | भारतीय दर्शन | MASA-03 | 8 |
| 4. | भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण | MASA-04 | 8 |

**एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | गद्य तथा काव्य | MASA-05 | 8 |
| 6. | नाटक तथा नाटकशास्त्र | MASA-06 | 8 |
| 7. | साहित्यशास्त्र | MASA-07 | 8 |
| 8. | आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास | MASA-08 | 8 |
| 9. | *निबंध | MASA-09 | 8 |

* MASA-09 की सत्रान्त परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में प्रश्नपत्र 100 अंकों का होता है। इस पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय/आन्तरिक गृहकार्य नहीं दिया जायेगा। इसमें दो खण्ड होते हैं। खण्ड "अ" में एम.ए. पूर्वार्द्ध के चारों पाठ्यक्रमों में दी गई पाठ्यसामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से आपको 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम के खण्ड "ब" में एम.ए. उत्तरार्द्ध की अध्ययन सामग्री में से पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इनमें से किसी एक शीर्षक पर 1000 शब्दों का एक निबन्ध लिखना होता है। इस प्रकार आपको अपनी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबन्ध लिखने हैं।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्यः** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय / आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः** एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

# एम. ए. राजस्थानी (M.A. Rajasthani)
## Programme Code : MARJ

**उद्देश्य (Objectives):**

- राजस्थानी विषय में गहराई सूं ज्ञान अरजण करण सारू भविस रा गुणीजन री खोज करणो।
- राजस्थानी भाषा, काव्य, साहित्यशास्त्र, गद्य साहित्य अर आलोचना री खास-खास धारावां रो परिचै करावणो अर उणारै आधार सूं व्यावहारिक ज्ञान नै आगै बढ़ाणो।
- राजस्थानी साहित्य री सांगोपांगजाणकारी करावणी।
- नाटक, एकांकी अर कथेतर गद्य विधावां, कहाणी, उपन्यास अर भासा विज्ञान रै संबंधमें उच्च कोटि रो ज्ञान विद्यार्थी ने देवणो।
- विश्वविद्यालय शिक्षा में ज्ञान री संभावना री पड़ताल करणी अर उणनै आधार बणा र जोगा प्राध्यापक, सोध-खोज करणवाला अर लेखक तैयार करणा।
- प्रांत अर राष्ट्र में हूवणवाली प्रतियोगी परीक्षावां खातर राजस्थानी भासा अर साहित्य रा ज्ञान री जाणकारी देवणो।
- राजस्थानी भाषा अर साहित्य रा ज्ञान नै बढावणो।
- राजस्थानी लोक साहित्य अर संस्कृति री पूरी जाणकारी करावणी।

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | पाठ्यक्रम सामग्री केवल राजस्थानी में उपलब्ध कराई जायेगी |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 72 |
| **शुल्क (Fee)** | : | पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- |

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** एम. ए. राजस्थानी रा पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम हुवैला। हरैक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक रौ हुवैला अर कुल 32 श्रेयांक रा पाठ्यक्रम है। एम. ए. (उत्तरार्द्ध) में कुल पांच पाठ्यक्रम हुवैला। हरैक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक रा अर कुल 40 श्रेयांक रा पाठ्यक्रम है। विद्यार्थियों को अध्ययन री सामग्री राजस्थानी भाषा में ही दी जावैला।

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य | MARJ-01 | 8 |
| 2. | आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य | MARJ-02 | 8 |
| 3. | राजस्थानी साहित्य रो इतिहास | MARJ-03 | 8 |
| 4. | राजस्थानी लोक साहित्य | MARJ-04 | 8 |

| एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final) | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य | MARJ-05 | 8 |
| 6. | प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य | MARJ-06 | 8 |
| 7. | साहित्य शास्त्र अर पाठालोचन | MARJ-07 | 8 |
| 8. | राजस्थानी भक्ति साहित्य | MARJ-08 | 8 |
| 9. | *निबंध (राजस्थानी भाषा में लिखणो जरूरी) | MARJ-09 | 8 |

* MARJ-09 री सत्रांत परीक्षा (मुख्य परीक्षा) 100 अंका की हुवैला। इण में सत्र रो कोई काम नहीं दियो जावैला। इण में दो भाग हुवैला। भाग 'अ' में एम.ए. पूर्वार्द्ध में दियोड़ा चारों पाठ्यक्रमां री पाठ्यसामग्री माय सूं कोई पांचशीर्षक दिया जावैला। इणा माय सूं आप नै 1000 सबद रो कोई एक निबंध लिखणौ हुवैला। इण ही तरै पाठ्यक्रम रा भाग 'ब' में एम.ए. उत्तरार्द्ध री पाठ्यसामग्री माय सूंकोई पांच शीर्षक दिया जावेला जिणा माय किण ही एक शीर्षक पर 1000 सबद रो कोई एक निबंध लिखणौ हुवैला। इणी तेरे आप नै सगरी पाठ्यक्रम माय सूं कोई दो निबंध लिखणा हुवैला।

**परीक्षा रो तरीको (Examination Pattern) :**

**सत्र रै हिसाब सूं काम :** हरैक पाठ्यक्रम में सत्र रै हिसाब सूं घर रो काम (आंतरिक गृहकार्य) 20 अंक रो करायौ जावैला। हरैक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य दिया जावैला। सत्र रा इण काम नै सत्रांत परीक्षा सूं पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र /अध्ययन केन्द्र पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक सूं पूर्व जमा कराणौ हुवैला।

**संत्रात री परीक्षा :**

पढ़ाई रो एक साल पूरो हुयां पछै विद्यार्थी री हरैक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) में तीन घण्टा री लिखित परीक्षा हुवैला। हरैक पाठ्यक्रम खातर 80 अंक तय (निर्धारित) हैं। । हरैक पाठ्यक्रम में दोनों भागों अर्थात् सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आंतरिक गृह कार्य में विद्यार्थी रै कम सूं कम 36% अंक (आंतरिक कार्य 20 अंक अर सत्र रै अंत री परीक्षा 80 अंक में जोड़कर) आवण सूं ही उणनै उत्तीर्ण (Pass) मान्यौ जावैला। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम(प्रश्न पत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर सकै है तो उस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए छ: माह बाद होवण वाली आगामी परीक्षा में पुन: बैठ सकै है। अंक तालिका में आंतरिक कार्य तथा सत्रांक रा अंक अलग अलग लिख्या जावैला। परीक्षा रो माध्यम हिन्दी या राजस्थानी भाषा दोन्या माय कोई एक ले सकै है। एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जावैला।

उत्तीर्ण विद्यार्थियां रो श्रेणी निर्धारण इण भाँत है -

| | |
|---|---|
| प्रथम श्रेणी (First Devision) | 60% या ज्यादा |
| द्वितीय श्रेणी (Second Division) | 40% या 60% सूं कम |
| उत्तीर्ण (Pass) | 36% या 48% सूं कम |

## एम. ए. भूगोल (M. A. Geography)
## Programme Code : MAGE

**उद्देश्य (Objectives):**

- भूगोल के आधारभूत सिद्धान्तों को परिचित करवाना।
- वर्तमान विश्व में भूगोल की महत्ता स्पष्ट करना।
- वैश्विक पर्यावरणीय समस्याओं की भूगोल के माध्यम से निदान की संभावनायें खोजना।
- नवीन भौगोलिक तकनीकों से परिचित करवाना।
- भूगोल में उच्च अकादमिक विकास हेतु दक्षता विकसित करना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 80

**शुल्क (Fee)** : पूर्वार्द्ध: Rs. 8400/- उत्तरार्द्ध Rs. 8400/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** एम.ए. भूगोल के पूर्वार्द्ध तथा उत्तरार्द्ध में पाँच-पाँच पाठ्यक्रम होंगे। इनमें से चार पाठ्यक्रम सैद्धान्तिक तथा एक पाठ्यक्रम प्रायोगिक का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी। प्रायोगिक पाठ्यक्रम MAGE-05 एवं MAGE-10 पाठ्यक्रम में कोई सत्रीय कार्य नहीं होगा। प्रायोगिक कार्य निष्पादन हेतु प्रति वर्ष 20 दिवस के एक प्रायोगिक संपर्क / प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा। प्रायोगिक परीक्षा में शामिल होने हेतु प्रायोगिक संपर्क शिविर में 75 % उपस्थिति अनिवार्य है।

**एम.ए.(पूर्वार्द्ध) M.A. (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | भौगोलिक चिन्तन का विकास<br>Evolution of Geographical Thought | MAGE-01 | 8 |
| 2. | भौतिक भूगोल<br>Physical Geography | MAGE-02 | 8 |
| 3. | आर्थिक भूगोल के सिद्धांत<br>Principles of Economic Geography | MAGE-03 | 8 |
| 4. | पर्यावरण भूगोल<br>Geography of Environment | MAGE-04 | 8 |
| 5. | प्रायोगिक भूगोल<br>Practical Geography* | MAGE-05 | 8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | **एम.ए. (उत्तरार्द्ध) M.A. (Final)** | | |
| 6. | भारत का वृहद भूगोल<br>Advanced Geography of India | MAGE-06 | 8 |
| 7. | कृषि भूगोल<br>Geography of Agriculture | MAGE-07 | 8 |
| 8. | राजनीतिक भूगोल<br>Political Geography | MAGE-08 | 8 |
| 9. | नगरीय भूगोल<br>Urban Geography | MAGE-09 | 8 |
| 10. | प्रायोगिक भूगोल<br>Practical Geography* | MAGE-10 | 8 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय / आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय / आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** एम.ए.जी.ई. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए.जी.ई. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

***सत्रांत (मुख्य) प्रायोगिक परीक्षा:**

एम.ए.जी.ई. पूर्वार्द्ध व उत्तरार्द्ध एम.ए.जी.ई. -05 व 10 (भूगोल) की प्रायोगिक परीक्षा में कोई सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य नहीं दिया जायेगा। एम.ए. भूगोल की प्रायोगिक परीक्षा में अंकों का वितरण निम्न प्रकार से होगा। प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए अलग से 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है।

| **क्र.सं.** | **प्रायोगिक परीक्षाऐं** | **एम.ए.जी.ई. -05 (पूर्वार्द्ध) भूगोल** | **एम.ए. जी.ई. 10 (उत्तरार्द्ध) भूगोल** |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रयोगशाला कार्य पर लिखित परीक्षा | 40 अंक | 40 अंक |
| 2. | रिकॉर्ड वर्क एवं मौखिक परीक्षा | 20+10 (30 अंक) | 15+5 (20 अंक) |
| 3. | फील्ड सर्वे एवं मौखिक परीक्षा | Not Applicable | 15+5 (20 अंक) |
| 4. | प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं मौखिक परीक्षा | 20+10 (30 अंक) | 15+5 (20 अंक) |

अंक तालिका में आंतरिक कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। विद्यार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्र अलग-अलग उत्तीर्ण करने होंगे। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - | 60% एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - | 48% एवं 60% से कम |
| उत्तीर्ण | - | 36% एवं 48% से कम |

# एम.एससी. गणित (M.Sc. Mathematics)

## Programme Code : MScMT

**Objectives**

- To cultivate a Mathematical attitude and nurture the interests.
- To provides an excellent foundation for students planning to follow a Ph.D program in Mathematics.
- To motivate for research in Mathematical Sciences.
- To train computational scientists who can work on real life challenging problems.
- To train professional Mathematicians capable of promoting the teaching.

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | English |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 80 |
| **शुल्क (Fee)** | : | पूर्वार्द्ध: Rs. 6900/- उत्तरार्द्ध Rs. 6900/- |

**Programme Structure :** There will be total 10 courses in M.Sc. Mathematics, 5 courses in M.Sc. Mathematics (Previous) and 5 courses in M.Sc. Mathematics Final**. Study material will be provided in English Medium only.**

**एम.एससी. (पूर्वार्द्ध) MSCMT ( Previous)**

| **क्र.सं. (S. No.)** | **पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)** | **पाठ्यक्रम कोड (Course Code)** | **श्रेयांक (Credit)** |
|---|---|---|---|
| 1. | Advanced Algebra | MSCMT-01 | 8 |
| 2. | Real Analysis and Topology | MSCMT-02 | 8 |
| 3. | Differential Equations, Calculus of Variations & Special Functions | MSCMT-03 | 8 |
| 4. | Differential Geometry and Tensors | MSCMT-04 | 8 |
| 5. | Mechanics | MSCMT-05 | 8 |

| एम.एससी. (उत्तरार्द्ध) MSCMT (Final) | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | Analysis and Advanced Calculus | MSCMT-06 | 8 |
| 7. | Viscous Fluid Dynamics | MSCMT-07 | 8 |
| 8. | Numerical Analysis | MSCMT-08 | 8 |
| 9. | Integral Transforms and Integral Equations | MSCMT-09 | 8 |
| 10. | Mathematical Programming | MSCMT-10 | 8 |

## Examination Pattern:

**Internal /Home Assignment:** In each course (paper) Internal/home Assignment will be of 20 marks. The Internal Assignments shall be submitted to the Concerned Regional Centre or as per notified by University on or before the date prescribed by the university. (See academic calendar for prescribed dates)

**Term-end Examination: On** the completion of the prescribed minimum duration for previous as well as for final year i.e. one year; a candidate will be examined by the means of written examination of 3 hours duration in each course (paper). The maximum marks for each course (paper) shall be 80. To pass in Examination, a candidate shall be required to score 36% marks in each course (paper) as well as in aggregate. However, it is compulsory to secure 36% marks in each component i.e. Internal /home Assignment and Term End Examination otherwise he/she may reappear in the next examination after six months to clear the due papers within prescribed maximum duration of that programme. This is also to note that no division shall be awarded for the M.Sc. Previous examination.

The marks obtained in internal/home assignment and term end examination shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

| | | |
|---|---|---|
| First Division | - | 60% and above |
| Second Division | - | 48% and above but below 60% |
| Pass | - | 36% and above but below 48% |

# कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि

# Master of Science (Computer Science) Programme Code : MScCS

**Objectives:**

- To give the learners knowledge of advanced computer subjects including software and hardware.
- To enable the learners get a better job in computer industry. The jobs may include-System Analysts, Programmers, and Technical Facilitators in the industries and teaching posts in colleges and universities.
- To enable the learners to work as system managers and hardware engineers in IT industry.

**Admission Eligibility** : Bachelor's Degree (minimum TDC) from any recognized University in any discipline with at least Second Division or equivalent.

**Lateral Entry** : A student shall be admitted to MSc.CS (final year) if he/she satisfies either of the following condition:

(i) Passed PGDCA from V.M. Open University. **OR**

(ii) Passed PGDCA from any recognised university with at least second division in Bachelor's degree provided that 70% of the syllabi are common with that of V.M. Open University.

**Duration** : Minimum 2 years, maximum 4 years

**Medium study material** : English

**Credit** : 72

**Fee** : Previous Rs. 15900/- Final Rs. 18700/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):** There will be six course (papers) in MSCCS Previous and six course (papers) in MSCCS final.

**MScCS (Previous) Computer Science**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | Computer Fundamental and System Software | MScCS - 101 | 6 |
| 2. | Application Software & Web Designing | MScCS - 102 | 6 |
| 3. | OOPS Programming with C++ and Java | MScCS - 103 | 6 |
| 4. | Programming in VB and Dot Net | MScCS - 104 | 6 |
| 5. | Computer Networking & Network & Internet | MScCS - 105 | 6 |
| 6. | Practical -I | MScCS - 106 | 6 |
| **M.Sc. (Final) Computer Science** | | | |
| 7. | Data Structure and Algorithm | MScCS - 201 | 6 |
| 8. | Computer Architecture & Microprocessors | MScCS - 202 | 6 |
| 9. | Software Engineering | MScCS - 203 | 6 |
| 10. | Operating System | MScCS - 204 | 6 |
| 11. | Data Communication and Networks | MScCS - 205 | 6 |
| 12. | Practical-II | MScCS - 206 | 6 |

Course MSCCS-106 and MScCS-206 will have practical examination and rest of all will have theory examination.

MScCS-106 is composition of MSCCS-102, MSCCS-103 and MSCCS-104.

MSCCS-206 is composition of MSCCS-201, MSCCS-203 and MSCCS-204.

20 days practical camp will be organized each for MSCCS -106 & MSCCS – 206.

**Examination Pattern :**

**Internal /Home Assignment:** In each course (paper) Internal Assignment will be of 20 marks. There will be no Internal Assignment in Practical Courses/papers (MSCCS -106 & MSCCS--206). The Internal Assignments shall be submitted to the Concerned Regional/study Centre on or before the date prescribed by the university. The internal/home assignment will be English language only.

**Term-end Examination (Theory) :** On the completion of the prescribed minimum duration for Previous as well as for final year i.e. one year; a candidate will be examined by the means of written examination of 3 hours duration in each course (paper). The maximum marks for each course (paper) shall be 80. The Term-end examination (Theory) will be in English Language only.

**Term End Examination (Practical):**

The maximum marks for term end examination of each practical course shall be 100. Minimum 75% attendance in Practical Counseling Camp is mandatory to appear in practical Examination.

To pass in Examination, a candidate shall be required to score 36% marks in each course (paper) as well as in aggregate. However, it is compulsory to secure 36% marks in each component i.e. Internal /home Assignment, Term End Examination Theory and Term End Examination Practical separately otherwise he/she may reappear in the next examination after six months to clear the due papers within prescribed maximum duration of that programme. This is also to note that no Division shall be awarded for the M.Sc. Previous examination.

The marks obtained in Internal/home assignment and term end examination (Theory and Practical) shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

| | | |
|---|---|---|
| First Division | - | 60% and above |
| Second Division | - | 48% and above but below 60% |
| Pass | - | 36% and above but below 48% |

# वनस्पति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (M.Sc. Botany)

## Programme Code : MBO

**Objectives :**

- To provide quality education in Botany at post-graduate level through Open Distance Learning and to enable the learners to take certification of Master's degree in Botany.
- To provide opportunities of continuing education and professional development, to widen the scope of the learners for careers in different sectors of employment.
- To enable the learners to avail career opportunities in teaching, industry and research.

**Admission Eligibility** : Passed B.Sc. with Botany as a major subject in graduation degree/B.Sc. (Hons.) in Botany/passed equivalent Bachelor's degree in Science with Botany as a major subject in graduation degree.

**Duration** : Minimum 2 years, maximum 4 years

**Medium of Study material** : English

**Credit** : 80

**Fee** : Previous Rs.16200/- Final Rs. 16200/-

**Programme Structure :**

Admission in M.Sc. Botany programe will be allowed only once in a year.

Promotee Admission in M.Sc. Botany Final will be allowed only once in a year.

Programme Structure : There will be 5 courses in M.Sc. Botany (Previous) and M.Sc. Botany (Final) each.

M.Sc. (Previous) Botany

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | Biology and Diversity of Microbes and Non-Vascular Cryptogams | MBO-01 | 8 |
| 2. | Pteridophytes, Gymnosperms and Paleobotany | MBO -02 | 8 |
| 3. | Cell Biology, Genetics, Biostatistics & Computational Biology | MBO -03 | 8 |
| 4. | Plant Physiology & Metabolism | MBO -04 | 8 |
| 5. | Practical Botany I | MBO -05 | 8 |

**Note:** Practical contact camp of 80 counselling days (3 hours per day) will be organized for MBO-05. Total Practical work will be 240 hours. Minimum 75% attendance in practical contact classes is compulsory in practical contact camp to appear in Practical Examination.

**M.Sc. (Final) Botany**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | Biosystematics of Angiosperms, Plant Development and Reproduction | MBO -06 | 8 |
| 7. | Plant Ecology, Plant Resource Utilization and Biodiversity Conservation | MBO -07 | 8 |
| 8. | Biotechnology , Molecular Biology and Genetic Engineering of Plants | MBO -08 | 8 |
| 9. | Plant Pathology | MBO -09 | 8 |
| 10. | Practical Botany II | MBO -10 | 8 |

**Note:** Practical contact camp of 80 counselling days (3 hours per day) will be organized for MBO-10. Total Practical work will be 240 hours. Minimum 75% attendance in practical contact classes is compulsory in practical contact camp to appear in Practical Examination.

**Examination Pattern:**

**Internal /Home Assignment:** In each course (paper) Internal Assignment will be of 20 marks. There will be no Internal Assignment in Practical Courses(papers) (MBO-05 & MBO -10). The Internal Assignments shall be submitted to the Concerned Regional/Study Centre on or before the date prescribed by the University.

**Term-end Examination (Theory) :** On the completion of the prescribed minimum duration for Previous as well as for Final "i.e. one year separately for each" a candidate will be examined by the means of written examination of 3 hours duration in each course (paper) as per prevailing university rules from time to time. The maximum marks for each course (paper) shall be 80.

**Term End Examination (Practical):**

The maximum marks for term end examination of each practical course shall be 100.

Distribution of marks will be as follows:

| S. No. | Particulars | Marks |
|---|---|---|
| 1 | Lab Work | 40 |
| 2 | Records | 30 |
| 3 | Viva | 30 |

- Attendance of student in a practical camp will be valid only for that particular practical camp.
- If student does not attend the practical camp or does not appear in practical exam or does not pass the practical exam, then student has to again appear in practical camp with at least 75% attendance to appear in that practical exam.
- If student becomes defaulter in exams, he should fill the defaulter form for that exams.
- Practical Exam Defaulter form will be filled only once in a year as per notification on the University website: April. (Tentative)
- Theory Exam Defaulter form applying month as per notifications on the University website :
    - October for Term End December Examination
    - April for Term End June Examination

University has right to change the practical schedule and all the practical related rules from time to time. Before taking the admission in M.Sc., student should well ensure that he has to follow the rules for that program framed by the University. University has right to take any information related to student employment etc. from time to time. Student has to give that information as and when required by the University. Student must be vigilant to visit the University website regarding practical camps and other informations.

To pass in Examination, a candidate shall be required to score 36% marks in each course (paper) as well as in aggregate. However, it is compulsory to secure 36% marks in each component i.e. Internal /home Assignment, Term End Examination Theory and Term End Examination Practical separately. This is also to note that no Division shall be awarded for the M.Sc. Previous examination.

The marks obtained in Internal/home assignment and term end examination (Theory and Practical) shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

| | | |
|---|---|---|
| First Division | - | 60% and above |
| Second Division | - | 48% and above but below 60% |
| Pass | - | 36% and above but below 48% |

# प्राणी विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (M.Sc. Zoology)
## Programme Code : MZO

**Objectives :**

- To develop interest in Zoology at post graduate level through Open and Distance Learning and to enable the learners to take certification of Master's degree in Zoology.
- To provide oppurtunities of continuing education in Zoology for serving, remote area students and educationally backward blocks.
- To enable the learners avail career oppurtunities in teaching, industry and research.

**Admission Eligibility** : Passed B.Sc. with Zoology as a major subject in graduation degree/B.Sc. (Hons.) in Zoology/passed equivalent Bachelor's degree in Science with Zoology as a major subject in graduation degree.

**Duration** : Minimum 2 years, maximum 4 years

**Medium of study material** : English

**Credit** : 80

**Fee** : Previous Rs. 16200/- Final Rs. 16200/-

**Programme Structure :** There will be 5 courses in M.Sc. Zoology (Previous) and M.Sc. Zoology (Final) each.

Admission in MSc Zoology program will be allowed only once in a year.

Promotee Admission in MSc Zoology Final will be allowed only once in a year.

**M.Sc. (Previous) Zoology**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | Biosystematics, Structure and functions of Invertebrates | MZO-01 | 8 |
| 2. | Cell, Molecular Biology and Biotechnology | MZO-02 | 8 |
| 3. | Biochemistry ,Physiology and Immunology | MZO-03 | 8 |
| 4. | Evolution ,Biostatistics and Computer Application in Zoology | MZO-04 | 8 |
| 5. | Practical Zoology-I | MZO-05 | 8 |

**Note:** Practical contact camp of 80 counselling days (3 hours per day) will be organized for MZO-05. Total Practical work will be 240 hours. Minimum 75% attendance in practical contact classes is compulsory in practical contact camp to appear in Practical Examination.

**M.Sc. (Final) Zoology**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | Biology of Chordates ,Genetics and Microbiology | MZO-06 | 8 |
| 7. | Ecology , Ethology and Developmental Biology | MZO-07 | 8 |
| 8. | Entomology I | MZO-08 | 8 |
| 9. | Entomology II | MZO-09 | 8 |
| 10. | Practical Zoology II | MZO-10 | 8 |

**Note:** Practical contact camp of 80 counselling days (3 hours per day) will be organized for MZO-10. Total Practical work will be 240 hours. Minimum 75% attendance in practical contact classes is compulsory in practical contact camp to appear in Practical Examination.

**Internal /Home Assignment:** In each course (paper) Internal Assignment will be of 20 marks. There will be no Internal Assignment in Practical Courses/papers (MZO-05 & MZO-10). The Internal Assignments shall be submitted to the Concerned Regional/Study Centre on or before the date prescribed by the University.

**Term-end Examination (Theory) :** On the completion of the prescribed minimum duration for Previous as well as for Final "i.e. one year separately for each" a candidate will be examined by the means of written examination of 3 hours duration in each course (paper) as per prevailing university rules from time to time. The maximum marks for each course (paper) shall be 80.

**Term End Examination (Practical):**

The maximum marks for term end examination of each practical course shall be 100.

Distribution of marks will be as follows:

| S. No. | Particulars | Marks |
|---|---|---|
| 1. | Lab Work | 40 |
| 2. | Records | 30 |
| 3. | Viva | 30 |

- Attendance of student in a practical camp will be valid only for that particular practical camp.
- If student does not attend the practical camp or does not appear in practical exam or does not pass the practical exam, then student has to again appear in practical camp with at least 75% attendance to appear in that practical exam.
- If student becomes defaulter in exam, he should fill the defaulter form for that exams.
- Practical Exam Defaulter form applying month only once in a year as per notification on the university website: April. (Tentative)
- Theory Exam Defaulter form applying month as per notifications on the University website :

  October for Term End December Examination

  April for Term End June Examination

  University has right to change the practical schedule and all the practical related rules from time to time.. Before taking the admission in M.Sc., student should well ensure that he has to follow the rules for that program framed by the University. University has right to take any information related to student employment etc. from time to time. Student has to give that information as and when required by the University. Student must be vigilant to visit the University website regarding practical camps and other information.

To pass in Examination, a candidate shall be required to score 36% marks in each course (paper) as well as in aggregate. However, it is compulsory to secure 36% marks in each component i.e. Internal /home Assignment, Term End Examination Theory and Term End Examination Practical separately. This is also to note that no Division shall be awarded for the M.Sc. Previous examination.

The marks obtained in Internal/home assignment and term end examination (Theory and Practical) shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

First Division - 60% and above

Second Division - 48% and above but below 60%

Pass - 36% and above but below 48%

# रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (M.Sc. Chemistry)
## Programme Code : MScCH

**Objectives:**

- To develop interest in Chemistry at post graduate level through Open and Distance Learning and to enable the learners to take certification of Master's degree in Chemistry.
- To provide opportunities of continuing education in Chemistry for serving, remote area students and educationally backward blocks.
- To enable the learners to avail career opportunities in teaching, industry and research.

| | | |
|---|---|---|
| **Admission Eligibility** | : | Passed B.Sc. with Chemistry as a major subject in graduation degree/B.Sc. (Hons.) in Chemistry/passed equivalent Bachelor's degree in Science with Chemistry as a major subject in graduation degree. |
| **Duration** | : | Minimum 2 years, maximum 4 years |
| **Medium of study material** | : | English |
| **Credit** | : | 80 |
| **Fee** | : | Previous Rs. 16200/- Final Rs. 16200/- |

**Programme Structure:** There will be 5 courses each in M.Sc. Chemistry (Previous) and M.Sc. Chemistry (Final) each.

Admission in M.Sc. Chemistry program will be allowed only once in a year.

Promotee Admission in M.Sc. Chemistry Final will be allowed only once in a year.

**M.Sc. (Previous) Chemistry**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | Inorganic Chemistry | MSCCH-01 | 8 |
| 2. | Organic Chemistry | MSCCH -02 | 8 |
| 3. | Physical Chemistry | MSCCH -03 | 8 |
| 4. | Spectroscopy, Computers and Mathematics*/ Biology** | MSCCH -04 | 8 |
| 5. | Practical Chemistry I | MSCCH -05 | 8 |

**Note:** Practical contact camp of 80 counselling days (3 hours per day) will be organized for MSCCH-05. Total Practical work will be 240 hours. Minimum 75% attendance in practical contact classes is compulsory in practical contact camp to appear in Practical Examination.

* for B.Sc Mathematics candidates

** for B.Sc. Biology candidates

**M.Sc. (Final) Chemistry**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | Reaction Mechanisms, Pericyclic Reactions, Organic Photochemistry & Stereochemistry | MSCCH -06 | 8 |
| 7. | Synthetic Organic Chemistry | MSCCH -07 | 8 |
| 8. | Natural Products, Heterocycles , Biogenesis and Spectroscopy | MSCCH -08 | 8 |
| 9. | Drugs and Pharmaceuticals | MSCCH -09 | 8 |
| 10. | Practical Chemistry II | MSCCH -10 | 8 |

**Note:** Practical contact camp of 80 counselling days (3 hours per day) will be organized for MSCCH-10. Total Practical work will be 240 hours. Minimum 75% attendance in practical contact classes is compulsory in practical contact camp to appear in Practical Examination.

**Examination Pattern:**

**Internal /Home Assignment:** In each course (paper) Internal Assignment will be of 20 marks. There will be no Internal Assignment in Practical Courses/Papers (MSCCH-05 & MSCCH -10). The Internal Assignments shall be submitted to the Concerned Regional/Study Centre on or before the date prescribed by the University.

**Term-end Examination (Theory) :** On the completion of the prescribed minimum duration for Previous as well as for Final "i.e. one year separately for each" a candidate will be examined by the means of written examination of 3 hours duration in each course (paper) as per prevailing University rules from time to time. The maximum marks for each course (paper) shall be 80.

**Term End Examination (Practical):** The maximum marks for term end examination of each practical course shall be 100.

Distribution of marks will be as follows:

| S. No. | **Particulars** | **Marks** |
|---|---|---|
| 1. | Lab Work | 60 |
| 2. | Records | 20 |
| 3. | Viva | 20 |

- Attendance of student in a practical camp will be valid only for that particular practical camp.
- If student does not attend the practical camp or does not appear in practical exam or does not pass the practical exam, then student has to again appear in practical camp with at least 75% attendance to appear in that practical exam.
- If student becomes defaulter in exams, he should fill the defaulter form for that exams.
- Practical Exam Defaulter form applying month only once in a year as per notification on the university website: April. (Tentative)
- Theory Exam Defaulter form applying month as per notifications on the university website :
  October for Term End December Examination
  April for Term End June Examination
  University has right to change the practical schedule and all the practical related rules from time to time. Before taking the admission in M.Sc., student should well ensure that he has to follow the rules for that program framed by the University. University has right to take any information related to student employment etc. from time to time. Student has to give that information as and when required by the University. Student must be vigilant to visit the University website regarding practical camps and other information's.

To pass in Examination, a candidate shall be required to score 36% marks in each course (paper) as well as in aggregate. However, it is compulsory to secure 36% marks in each component i.e. Internal /home Assignment, Term End Examination Theory and Term End Examination Practical separately. This is also to note that no Division shall be awarded for the M.Sc. Previous examination.

The marks obtained in Internal/home assignment and term end examination (Theory and Practical) shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

| | | |
|---|---|---|
| First Division | - | 60% and above |
| Second Division | - | 48% and above but below 60% |
| Pass | - | 36% and above but below 48% |

# भौतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (M.Sc. Physics)

## Programme Code : MPH

**Objectives :**

- To develop in the students, systematic knowledge of fundamental principles and analytical techniques of physics.
- To provide opportunities of continuing education in physics.
- To prepare personnel for career opportunities in teaching industry and research.

**Admission Eligibility :** Passed B.Sc. with Physics as a major subject in graduation degree/B.Sc. (Hons.) in Physics/passed equivalent Bachelor's degree in Science with Physics as a major subject in graduation degree.

**Duration** : Minimum 2 years, maximum 4 years

**Medium of study material** : English

**Credit** : 80

**Fee** : Previous Rs. 16200/- Final Rs. 16200/-

Admission in MSc Physics program will be allowed only once in a year.

Promotee Admission in MSc Physics Final will be allowed only once in a year.

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):** There will be five course (papers) in MSC Physics(Previous) and Five course (Papers) in MSC Physics final.

**M.Sc. (Previous) Physics**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | Classical Mechanics and Statistical Physics | MPH-01 | 8 |
| 2. | Mathematical Physics and Numerical Analysis | MPH-02 | 8 |
| 3. | Quantum Mechanics | MPH-03 | 8 |
| 4. | Classical Electrodynamics and Special Theory of Relativity | MPH-04 | 8 |
| 5. | Physics Lab-I | MPH-05 | 8 |

**Note:** Practical contact camp of 80 counselling days (3 hours per day) will be organized for MPH-05. Total Practical work will be 240 hours. Minimum 75% attendance in practical contact classes is compulsory in practical contact camp to appear in Practical Examination.

**M.Sc. (Final) Physics**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | Applied Electronics | MPH-06 | 8 |
| 7. | Solid State Physics | MPH-07 | 8 |
| 8. | Nuclear Physics , Atomic and Molecular Spectroscopy | MPH-08 | 8 |
| 9. | Plasma Physics and Lasers | MPH-09 | 8 |
| 10. | Physics Lab-II | MPH-10 | 8 |

**Note:** Practical contact camp of 80 counselling days (3 hours per day) will be organized for MPH-10. Total Practical work will be 240 hours. Minimum 75% attendance in practical contact classes is compulsory in practical contact camp to appear in Practical Examination.

**Examination Pattern : Internal /Home Assignment:** In each course (paper) Internal Assignment will be of 20 marks. There will be no Internal Assignment in Practical Courses/papers (MPH-05 & MPH-10). The

Internal Assignments shall be submitted to the Concerned Regional/Study Centre on or before the date prescribed by the University.

**Term-end Examination (Theory) :** On the completion of the prescribed minimum duration for Previous as well as for Final "i.e. one year separately for each" a candidate will be examined by the means of written examination of 3 hours duration in each course (paper) as per prevailing university rules from time to time. The maximum marks for each course (paper) shall be 80.

**Term End Examination (Practical):** The maximum marks for term end examination of each practical course shall be 100. Distribution of marks will be as follows:

| S. No. | **Particulars** | **Marks** |
|---|---|---|
| 1. | Lab Work | 50 |
| 2. | Records | 30 |
| 3. | Viva | 20 |

- Attendance of student in a practical camp will be valid only for that particular practical camp.
- If student does not attend the practical camp or does not appear in practical exam or does not pass the practical exam, then student has to again appear in practical camp with at least 75% attendance to appear in that practical exam.
- If student becomes defaulter in exams, he should fill the defaulter form for that exams.
- Practical Exam Defaulter form applying month only once in a year as per notification on the university website: April. (Tentative) or As per practical notification on the University website.
- Theory Exam Defaulter form applying month as per notifications on the university website :
  October for Term End December Examination. April for Term End June Examination
  University has right to change the practical schedule and all the practical related rules from time to time. Depending upon various aspects of practical's such as less number of students etc. University may shift students from one practical center to another practical center as decision taken by University from time to time. Before taking the admission in M.Sc., student should well ensure that he has to follow the rules for that program framed by the University. University has right to take any information related to student employment etc. from time to time. Student has to give that information as and when required by the University. Student must be vigilant to visit the University website regarding practical camps and other information's.

To pass in Examination, a candidate shall be required to score 36% marks in each course (paper) as well as in aggregate. However, it is compulsory to secure 36% marks in each component i.e. Internal /home Assignment, Term End Examination Theory and Term End Examination Practical separately. This is also to note that no Division shall be awarded for the M.Sc. Previous examination.

The marks obtained in Internal/home assignment and term end examination (Theory and Practical) shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

| | | |
|---|---|---|
| First Division | - | 60% and above |
| Second Division | - | 48% and above but below 60% |
| Pass | - | 36% and above but below 48% |

# मास्टर ऑफ कॉमर्स (Master of Commerce)

## Programme Code : M.COM

**उद्देश्य (Objectives):**

- वाणिज्य विषयक स्नातकोत्तर स्तरीय ज्ञान की विशेषज्ञता का विकास।
- अखिल भारतीय स्तर पर व्याख्याता/प्रशासनिक सेवा के लिए सामर्थ्य का विकास।
- सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों के लिए रोजगार संभावनाओं का निर्माण करना।
- वाणिज्य विषयक लेखा एवं वित्त सेवाओं हेतु योग्यता संवर्धन।

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | हिन्दी |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 72 |
| **शुल्क (Fee)** | : | पूर्वार्द्ध: Rs. 5400/- उत्तरार्द्ध Rs. 5650/- |

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):** एम. कॉम. पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे। जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थी को हिन्दी माध्यम की पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

**एम.कॉम.(पूर्वार्द्ध) M. Com (Previous)**

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | संगठन एवं प्रबन्ध<br>Organization and Management | MCom - 01 | 8 |
| 2. | व्यावसायिक वातावरण<br>Business Environment | MCom – 02 | 8 |
| 3. | वित्तीय एवं निगम लेखांकन<br>Financial and Corporate Accounting | MCom - 03 | 8 |
| 4. | वित्तीय प्रबन्ध<br>Financial Management | MCom - 04 | 8 |
| | | | |

## एम.कॉम. (उत्तरार्द्ध) M. Com (Final)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | शोध प्रविधि<br>Research Methodology | MCom - 05 | 8 |
| 6. | प्रबंधकीय अर्थशास्त्र<br>Managerial Economics | MCom – 06 | 8 |
| 7. | अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय<br>International Business | MCom - 07 | 8 |
| 8. | लागत एवं प्रबंध लेखांकन<br>Cost and Management Accounting | MCom - 08 | 8 |
| 9. | लागत एवं प्रबन्ध अंकेक्षण<br>Cost and Management Audit | MCom - 09 | 8 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करना होगा सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/Online विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** एम. कॉम. (पूर्वार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद एवं एम. कॉम. (उत्तरार्द्ध) की न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि एम. कॉम. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।

अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

## Master of Business Administration (MBA)

## Programme Code : MP

**Objectives :**

- The MBA Programme offered by VMOU, Kota is aimed to offer need based professional and vocational orientation to the present and potential managers working in Government and Non-government sectors. It has a provision of learning at one's pace, place and time through face to face and distance counseling whereever and whenever needed.

**Admission eligibility :** Bachelor's Degree (TDC) or its equivalent with 50% marks from any recognized University OR Master's Degree from any recognized University OR Bachelor's Degree (TDC) or its equivalent from any recognized University with three years of supervisory/Managerial/Professional Experience OR Professional Degree in Engineering/Technology/ Medicine/Architecture/Law OR Professional Qualification in Accountancy/Cost and Work Accountancy/Company Secretaryship etc.

**Duration :** Minimum 2 years and Maximum 4 years.

**Medium of Instruction :** English

**Medium of Examination :** Hindi or English

**Credits :** 132

**Fee :** MBA I Year- Rs. 16300/- MBA II Year- Rs. 16300/-

**Programme Structure :**

MBA-I Year

| क्र.सं. (S. No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | Management & Organizational Behaviour | MP 101 | 6 |
| 2. | Managerial Economics | MP 102 | 6 |
| 3. | Accounting for Managers | MP 103 | 6 |
| 4. | Fundamentals of Information Technology | MP 104 | 6 |
| 5. | Business Ethics | MP 105 | 6 |
| 6. | Marketing Management | MP 106 | 6 |
| 7. | Financial Management | MP 107 | 6 |
| 8. | Human Resource Management | MP 108 | 6 |
| 9. | Operations Management | MP 109 | 6 |
| 10. | Entrepreneurship & Small Business Management | MP 110 | 6 |
| 11. | Global Business Management | MP 111 | 6 |

## MBA-II Year

| | | | |
|---|---|---|---|
| 12. | Business Environment | MP 201 | 6 |
| 13. | Research Methodology | MP 202 | 6 |
| 14. | Management Information System | MP 203 | 6 |
| 15. | Quantitative Techniques | MP 204 | 6 |
| 16. | Strategic Management | MP 205 | 6 |
| | Specialisation Stream : Five Courses of each Stream and MP- 100 Dissertation<br>**17-21 Specialisation in any one of the following:**<br>**Human Resource Management** | | |
| 17. | Human Resource Development | MP 401 | 6 |
| 18. | Organizational Development & Training | MP 402 | 6 |
| 19. | Performance Management& Compensation | MP 403 | 6 |
| 20. | Indian Labour Legislation | MP 404 | 6 |
| 21. | Collective Bargaining & Negotiation Skills | MP 405 | 6 |
| 22. | Dissertation & Viva Voce<br>(Equivalent to one Course of 100 Marks) | MP 100 | 6 |
| | **Financial Management** | | |
| 23. | Security Analysis & Portfolio Management | MP 501 | 6 |
| 24. | Financial Services | MP 502 | 6 |
| 25. | Capital Market & SEBI Regulations | MP 503 | 6 |
| 26. | International Financial Management | MP 504 | 6 |
| 27. | Project Management | MP 505 | 6 |
| 28. | Dissertation & Viva Voce<br>(Equivalent to one Course of 100 Marks) | MP 100 | 6 |
| | **Marketing Management** | | |
| 29. | Consumer Behaviour & Market Research | MP 601 | 6 |
| 30. | Retail Management | MP 602 | 6 |
| 31. | Product & Brand management | MP 603 | 6 |
| 32. | Advertising & Sales Promotion | MP 604 | 6 |
| 33. | Sales & Logistics Management | MP 605 | 6 |
| 34. | Dissertation & Viva Voce<br>(Equivalent to one Course of 100 Marks) | MP 100 | 6 |

**Examination and Evaluation pattern:**

(I)The evaluation system of the programme is based on two components

(a) **Continuous Evaluation/Internal Assignment:** It carries a weightage of 20% marks which consists of internal home assignment should be submitted before the prescribed date of the university.

(b) **Term-end-examination (TEE)** : It carries a weightage of 80% marks. Term-end-examination will be held after completion of one year in the months of June and December every year. The students are at liberty to appear in any of the examinations conducted by the University during the year subject to the completion of the minimum time frame prescribed for the programme pursued.

**(II) Submission of Dissertation**

One typed copy of the Dissertation after approval of synopsis is to be submitted to Examiners at the time of Viva-voce organized by VMOU, Kota

**(III) Viva Voce and Evaluation Dissertation**

The viva voce is complimentary for evaluation of the Dissertation. The student will be asked to appear for viva voce. The student will be duly intimated about it by the controller of examinations. Viva voce will be conducted jointly by Head, Department of Management studies or his nominee and one external examiner at headquarter or Regional Centre concerned.

Note: For more details you may see the programme guide for MBA programme available on the website ( www.vmou.ac.in)

The successful candidate shall be classified as per the following table-

| | | |
|---|---|---|
| First Division | - | 60% and above |
| Second Division | - | 48% and above but below 60% |
| Pass | - | 36% and above but below 48% |

# स्नातक उपाधि कार्यक्रम
# (Bachelor Degree Programmes)

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कला में स्नातक कार्यक्रम<br>भाग - I, II एवं III<br>Bachelor of Arts Programme<br>Part-I, II & III | BA | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकेण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण अथवा किसी भी मान्यता प्राप्त खु.वि से बीएपी/बीसीपी / बीएससीपी परीक्षा उत्तीर्ण अथवा समकक्ष। | 3 वर्ष | 6 वर्ष | I year Rs.5200/<br>II year Rs. 5200/<br>III year Rs. 4900/<br>वैकल्पिक विषय के रूप में निम्न में से कोई एक लेने पर भूगोल, मनोविज्ञान एवं कंप्यूटर विज्ञान<br>I year Rs. 7100/<br>II year Rs. 7100/<br>III year Rs. 6900/ | हिन्दी |
| 2. | विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम<br>भाग- I, II एवं III<br>Bachelor of Science Programme Part-I, II & III | BSc | मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण अथवा किसी मान्यता प्राप्त विवि /व.म.खु.वि से बीएपी/बीसीपी / बीएससीपी परीक्षा उत्तीर्ण अथवा समकक्ष। | 3 वर्ष | 6 वर्ष | चयनित विषय के अनुसार | हिन्दी |
| 3. | पत्रकारिता में स्नातक<br>Bachelor of Journalism | BJ | मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय) अथवा समकक्ष उपाधि। | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs. 10100/ | हिन्दी |
| 4. | पत्रकारिता में स्नातक (लेटरल )<br>Bachelor of Journalism (Lateral) | BJ(L) | व.म.खु. विश्वविद्यालय से पत्रकारिता में स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय) अथवा समकक्ष उपाधि। | 6 माह | 1 वर्ष | Rs. 10000/ (लेटरल चार्ज/शुल्क अतिरिक्त) | हिन्दी |
| 5. | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक<br>Bachelor of Library and Information Science | BLIS | मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय) अथवा समकक्ष; एवं ST/SC/OBC/PH के लिए 45% अथवा किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि अथवा स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय) के साथ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा; अथवा स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय) के साथ पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र में दो वर्ष का कार्यानुभव; अथवा प्रोफेशनल विषयों में स्नातक उपाधि (जैसे –LLB; B Pharma; B.Tech; B.E. आदि | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs. 9000/ | हिन्दी |
| 6. | शिक्षा में स्नातक<br>Bachelor of Education (B.Ed) | B.Ed | वे अभ्यर्थी जो निम्नलिखित तीनों योग्यताऐ एक साथ रखते हो-<br>i. किसी भी राजकीय/गैर राजकीय (मान्यता प्राप्त) विद्यालय में वर्तमान में प्राइमरी कक्षाओं (कक्षा 1 से 5 अथवा कक्षा 1 से 8) को पढ़ाने वाले अध्यापक हों।<br>ii. नियमित रीति से बी.एस.टी.सी. (B.S.T.C.)/ डी.एल.एड. (D.El.Ed.) इत्यादि द्विवर्षीय प्राइमरी अध्यापक शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम जो एन.सी.टी.ई. से मान्यता प्राप्त है उत्तीर्ण किया हुआ हो।<br>iii.स्नातक/स्नातकोत्तर (कला/विज्ञान/वाणिज्य) परीक्षा सामान्य वर्ग न्यूनतम 50 प्रतिशत , बी.टेक स्नातक (विज्ञान गणित विशेषज्ञता के साथ) सामान्य वर्ग न्यूनतम 55 प्रतिशत से उत्तीर्ण हों। | 2 वर्ष | 5 वर्ष | **प्रथम वर्ष शुल्क** – Rs. 26,880 रु.<br>**द्वितीय वर्ष शुल्क -** 26,880 रु. (प्रथम वर्ष के उपरांत) द्वितीय वर्ष के प्रमोटी के रूप में ऑनलाइन फार्म भरते समय शुल्क की द्वितीय किश्त ली जायेगी। यदि राज्य सरकार द्वारा शुल्क में कोई वृद्धि होती है तो उक्तानुसार शुल्क लिया जाएगा। | |

## कला में स्नातक कार्यक्रम (Bachelor of Arts Programme)
## Programme Code : BA

उद्देश्य (**Objectives):**

- स्तानक उपाधि कार्यक्रम में चयनित विषयों में अर्जित दक्षता द्वारा ज्ञान और कर्म-कौशल का विस्तार।
- बेहतर ज्ञान और कर्म-कौशल के आधार पर वांछनीय सामाजिक उपयोगिता का सूत्रपात।
- भावी विशेषज्ञ के अध्ययन की भूमिका का निर्धारण।
- बेहतर व्यावसायिक एवं रोजगार परक स्थितियों का उन्नयन।

### कला में स्नातक कार्यक्रम भाग –I (Bachelor of Arts Programme Part-I)

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकेण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण अथवा व.म.खु.वि से बीएपी/बीसीपी /बीएससीपी परीक्षा उत्तीर्ण अथवा समकक्ष। |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 3 वर्ष एवं अधिकतम 6 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | हिन्दी |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 108 |
| **शुल्क (Fee)** | : | I year- Rs. 5200, II year- Rs. 5200, III year- Rs. 4900 ,वैकल्पिक विषय के रूप में निम्न में से कोई एक लेने पर भूगोल, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान एवं कम्प्यूटर विज्ञान- I year Rs. 7100, II year- Rs. 7100 , III year- Rs. 6900. |

**नोट :** कला में स्नातक कार्यक्रम में केवल एक ही प्रायोगिक विषय लिया जा सकता है।

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** :

बी.ए. कार्यक्रम में निम्नलिखित दो प्रकार के पाठ्यक्रम होंगे। विद्यार्थी को हिन्दी माध्यम की पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

**अनिवार्य पाठ्यक्रम (Compulsory Courses)**

प्रथम वर्ष में निम्नलिखित दो अनिवार्य पाठ्यक्रम होंगे। इन दोनों पाठ्यक्रमों (प्रश्न पत्रों) में श्रेयांक लागू नहीं है। लेकिन इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक(Credit) |
|---|---|---|---|
| 1 | सामान्य हिन्दी<br>General Hindi | QHD | लागू नहीं |
| 2 | पर्यावरण अध्ययन<br>Environmental Studies | QES | लागू नहीं |

इन अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विद्यार्थी द्वारा चयन किये जाने वाले प्रथम वर्ष के लिए उपलब्ध 36 श्रेयांकों के 6 ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची नीचे दी गई है-

**ऐच्छिक विषय पाठ्यक्रम ; (Optional Subjects):**

विद्यार्थी को कला में स्नातक हेतु भाग - **I** अर्थात् प्रथम वर्ष में तीन ऐच्छिक विषय चुनने होंगे। इन विषयों में बाद में भाग **II** एवं **III** में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

**निम्नलिखित विषयों में से किन्ही तीन विषयों का चयन करना है।**

| | |
|---|---|
| विद्यार्थी अधिकतम एक ही विषय का चयन कर सकता है। | हिंदी / अंग्रेजी/संस्कृत / राजस्थानी / उर्दू |
| विद्यार्थी कम से कम एक विषय एवं अधिकतम तीन विषय ले सकता है | इतिहास / लोक प्रशासन / राजनीति विज्ञान / अर्थशास्त्र/ समाजशास्त्र |
| विद्यार्थी अधिकतम एक ही विषय का चयन कर सकता है। | गणित/पत्रकारिता एवं जनसंचार/ शिक्षा / गाँधी एवं शांति अध्यन/समाज कार्य |
| विद्यार्थी अधिकतम एक ही विषय का चयन कर सकता है। | *कंप्यूटर विज्ञान (CS) /गृह- विज्ञान/ भूगोल/मनोविज्ञान |

नोट — कला में स्नातक कार्यक्रम में केवल एक ही प्रायोगिक विषय लिया जा सकता है।

* **कंप्यूटर विज्ञान** (CS) की पाठ्य सामग्री केवल अंग्रेजी माध्यम में उपलब्ध होगी।

**टिप्पणी:-**भूगोल, गृह- विज्ञान में प्रायोगिक कार्य सम्पादन हेतु प्रतिवर्ष 10 दिन का शिविर आयोजित किया जाएगा। मनोविज्ञान विषय में केवल स्नातक तृतीय वर्ष में 20 दिन का प्रायोगिक सम्पर्क शिविर आयोजित किया जायेगा। कंप्यूटर विज्ञान (CS) के प्रायोगिक कार्य हेतु 20 दिन का प्रायोगिक शिविर होगा।

**नोट** — भूगोल, कम्प्यूटर विज्ञान एवं गृह विज्ञान के पाठ्यक्रम I, II, III क्रमशः 75 (55 में सैद्धान्तिक परीक्षा +20 आन्तरिक गृह कार्य) के होगे तथा पाठ्यक्रम III की प्रायोगिक परीक्षा 50 अंकों की होगी।

तीनों वैकल्पिक विषयों में जो प्रश्न पत्र (पाठ्यक्रम) उपलब्ध है उनकी सूची एवं श्रेयांक उनके सामने अंकित है

| **क्रं-सं. (S.No.)** | **विषय का नाम (Name of Subject)** | **प्रश्नपत्र (Paper)** | **पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)** | **पाठ्यक्रम कोड (Course Code)** | **श्रेयांक (Credit)** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अर्थशास्त्र<br>Economics | I<br><br>II | व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त<br>Micro Economic Theory<br>भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास के मुद्दे<br>Issues in Indian Economic Development | EC – 01<br><br>EC – 02 | 6<br><br>6 |
| 2. | अंग्रेजी साहित्य<br>English Literature | I<br>II | Poetry and Drama<br>Prose and Fiction | EG-01<br>EG-02 | 6<br>6 |
| 3. | भूगोल<br>Geography | I<br><br>II<br><br>III | भौतिक भूगोल<br>Physical Geography<br>राजस्थान का भूगोल<br>Geography of Rajasthan<br>प्रायोगिक भूगोल<br>Practical Geography | GE-01<br><br>GE-02<br><br>GE-03 | 4<br><br>4<br><br>4 |
| 4. | कम्प्यूटर विज्ञान | I | Computer Applications in Corporate | CS-01 | 4 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | Computer Science | <br>II<br>III | World<br>Web Authoring Tools<br>Practical in Web Authoring Tools | <br>CS-02<br>CS-03 | <br>4<br>4 |
| 5. | हिन्दी साहित्य<br>Hindi Literature | I<br>II | हिन्दी पद्य भाग-I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)<br>हिन्दी गद्य भाग–I (कथा साहित्य) | HD-01<br>HD-02 | 6<br>6 |
| 6. | इतिहास<br>History | I<br><br><br>II | भारत का इतिहास (प्रारम्भ से 1200 ई० तक)<br>History of India (Earliest Time to 1200 AD)<br>राजस्थान का इतिहास (प्रारम्भ से 1956 तक)<br>History of Rajasthan (From Earliest Time to 1956 AD) | HI-01<br><br><br>HI -02 | 6<br><br><br>6 |
| 7. | गणित<br>Mathematics | I<br><br>II<br><br>III | विविक्त गणित<br>Discrete Mathematics<br>कलन एवं अवकलन समीकरण<br>Calculus and Differential Equations<br>निर्देशांक ज्यामिति एवं गणितीय प्रोग्रामिंग<br>Co-ordinate Geometry and Mathematical Programming | MT-01<br><br>MT-02<br><br>MT-03 | 4<br><br>4<br><br>4 |
| 8. | राजनीति विज्ञान<br>Political Science | I<br><br>II | राजनीति विज्ञान के आधार<br>Foundations of Political Science<br>भारतीय राजनीतिक विचारक<br>Indian Political Thinkers | PS-01<br><br>PS-02 | 6<br><br>6 |
| 9. | लोक प्रशासन<br>Public Administration | I<br><br>II | लोक प्रशासन के सिद्धान्त<br>Principles of Public Administration<br>भारत में लोक प्रशासन<br>Public Administration in India | PA-01<br><br>PA-02 | 6<br><br>6 |
| 10 | समाजशास्त्र<br>Sociology | I<br><br>II | परिचयात्मक समाजशास्त्र<br>Introductory Sociology<br>भारत में समाज<br>Society in India | SO-01<br><br>SO-02 | 6<br><br>6 |
| 11. | संस्कृत<br>Sanskrit | I<br>II | नाटक, कथा साहित्य, छन्द एवं अलंकार<br>भारतीय संस्कृति के तत्त्व , पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण | SA-01<br>SA-02 | 6<br><br>6 |
| 12. | पत्रकारिता एवं | I | कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं साइबर मीडिया | JM-01 | 6 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | जनसंचार<br>Journalism and Mass Communication | II | Computer Application and Cyber Media<br>संचार एवं विकासात्मक संचार<br>Communication and Developmental Communication | JM-02 | 6 |
| 13. | शिक्षा<br>Education | I<br><br>II | शिक्षा अवबोध<br>Understanding Education<br>शिक्षार्थी अवबोध<br>Understanding Learner | ED-01<br><br>ED-02 | 6<br><br>6 |
| 14. | गाँधी एवं शान्ति अध्ययन<br>Gandhi and Peace Studies | I<br><br>II | महात्मा गाँधी : जीवन एवं कार्य<br>Mahatma Gandhi : His Life and Work<br>शान्ति अध्ययन<br>Peace Studies | GP- 01<br><br>GP- 02 | 6<br><br>6 |
| 15. | राजस्थानी<br>Rajasthani | I<br>II | आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य<br>आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य | RJ- 01<br>RJ-02 | 6<br>6 |
| 16. | समाज कार्य<br>Social Work | I<br><br>II | समाज कार्य ,अवधारणा : अर्थ एवं दर्शन<br>Social Work : Concept, Meaning and Philosophy<br>समाज कार्य का ऐतिहासिक एवं व्यावसायिक विकास<br>Historical and Professional Development of Social Work | SW-01<br><br>SW-02 | 6<br><br>6 |
| 17. | उर्दू<br>Urdu | I<br>II | गैर अफसानवी नस्र<br>उर्दू गजल | UD-01<br>UD-02 | 6<br>6 |
| 18. | मनोविज्ञान<br>Psychology | I<br><br>II | मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएं<br>Psychological Processes<br>मनोविकृति विज्ञान<br>Psychopathology | PSY -01<br><br>PSY -02 | 6<br><br>6 |
| 19. | गृह विज्ञान<br>(Home Science) | I<br><br>II<br><br>III | शरीर संरचना एवं क्रिया विज्ञान<br>Anatomy and Physiology<br>वस्त्र और कपड़ो की देखभाल<br>Textile and Clothing Care<br>प्रायोगिक<br>Practical | HM-01<br><br>HM-02<br><br>HM-03 | 4<br><br>4<br><br>4 |

## कला में स्नातक कार्यक्रम भाग –II (Bachelor of Arts Programme Part- II)

**अनिवार्य पाठ्यक्रम (Compulsory Course) :**

द्वितीय वर्ष में विद्यार्थियों द्वारा लिये जाने वाले दो अनिवार्य पाठ्यक्रमों की सूची इस प्रकार है। इन दोनों पाठ्यक्रमों (प्रश्न पत्रों) में श्रेयांक लागू नहीं है। लेकिन इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | सामान्य अंग्रेजी<br>General English | QEG | लागू नहीं |
| 2. | प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग<br>Elementary Computer Application | QCA | लागू नहीं |

**ऐच्छिक विषय पाठ्यक्रम (Optional Subject):**

विद्यार्थी द्वारा प्रथम वर्ष में जिन तीन ऐच्छिक विषयों का चयन किया गया है, उन तीनो ऐच्छिक विषयों में कोई परिवर्तन नहीं होगा। द्वितीय वर्ष में उन्हीं तीन विषयों में जो पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) पढ़ाये जाएंगे उनके नाम एवं श्रेयांक की सूची निम्नांकित तालिका में दी गई है

| क्र.-सं. (S.No.) | विषय का नाम (Name of Subject) | प्रश्नपत्र (Paper) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अर्थशास्त्र<br>Economics | I | समष्टि अर्थशास्त्र<br>Macro Economics | EC – 03 | 6 |
| | | II | राजस्थान की अर्थव्यवस्था<br>Economy of Rajasthan | EC – 04 | 6 |
| 2. | English Literature | I | Poetry and Drama Part-II | EG-03 | 6 |
| | | II | Prose and Fiction Part-II | EG-04 | 6 |
| 3. | भूगोल<br>Geography | I | संसाधन भूगोल<br>Geography of Resource | GE-04 | 4 |
| | | II | मानव भूगोल<br>Human Geography | GE-05 | 4 |
| | | III | प्रायोगिक भूगोल<br>Practical Geography | GE-06 | 4 |
| 4. | कम्प्यूटर विज्ञान<br>Computer Science | I | Operating System | CS-04 | 4 |
| | | II | Programming in C | CS-05 | 4 |
| | | III | Practical in Programming in C | CS-06 | 4 |
| 5. | हिन्दी साहित्य<br>Hindi Literature | I | हिन्दी गद्य भाग -II (नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ) | HD-03 | 6 |
| | | II | हिन्दी साहित्य का इतिहास | HD-04 | 6 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 6. | इतिहास<br>History | I<br><br>II | भारत का इतिहास ((1200-1740 ई०)<br>History of India (1200-1740 A.D.)<br>भारत का इतिहास (1740-1947 ई०)<br>History of India (1740-1947 A.D) | HI-03<br><br>HI -04 | 6<br><br><br>6 |
| 7. | गणित<br>Mathematics | I<br><br>II<br><br>III | वास्तविक विश्लेषण एवं दूरीक समष्टि<br>Real Analysis & Metric Space<br>अवकलन समीकरण<br>Dfferential Equation<br>संख्यात्मक विश्लेषण एवं सदिश कलन<br>Numerical Analysis & Vector Calculus | MT-04<br><br>MT- 05<br><br>MT-06 | 4<br><br>4<br><br><br>4 |
| 8. | राजनीति विज्ञान<br>Political Science | I<br><br>II | तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाएँ एवं सुशासन<br>Comparative Political Institutions and Good Governance<br>भारतीय राजनीति : एक परिचय<br>Indian Politics - An Introduction | PS-03<br><br>PS-04 | 6<br><br>6 |
| 9. | लोक प्रशासन<br>Public Administration | I<br><br>II | भारतीय प्रशासनिक संस्थाएँ<br>Indian Administrative Institutions<br>भारत में राज्य प्रशासन<br>State Administration in India | PA-03<br><br>PA-04 | 6<br><br>6 |
| 10. | समाजशास्त्र<br>Sociology | I<br><br>II | सामाजिक अनुसन्धान<br>Social Research<br>भारत की सामाजिक समस्याएँ<br>Social Problems of India | SO-03<br><br>SO-04 | 6<br><br>6 |
| 11. | संस्कृत<br>Sanskrit | I<br>II | काव्य तथा संस्कृत साहित्य का इतिहास<br>गद्य समास प्रकरण तथा निबन्ध | SA-03<br>SA-04 | 6<br>6 |
| 12. | पत्रकारिता एवं जनसंचार<br>Journalism and Mass Communication | I<br><br>II | जनसंचार माध्यमों का इतिहास<br>History of Mass Communication Media<br>मीडिया लेखन<br>Media Writing | JM-03<br><br>JM-04 | 6<br><br>6 |
| 13. | शिक्षा<br>Education | I<br><br>II | शिक्षा और समाज<br>Education and Society<br>शिक्षा और विकास<br>Education and Development | ED-03<br><br>ED-04 | 6<br><br>6 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 14. | गाँधी एवं शान्ति अध्ययन<br>Gandhi and Peace Studies | I<br><br>II | गाँधी चिन्तन<br>Gandhian Thought<br>शान्ति आन्दोलन शान्ति उपागम तथा शान्ति प्रक्रिया<br>Peace Movements, Peace Approaches and Peace Process | GP-03<br><br>GP-04 | 6<br><br>6 |
| 15. | राजस्थानी<br>Rajasthani | I<br>II | मध्यकालीन राजस्थानी गद्य<br>मध्यकालीन राजस्थानी पद्य | RJ-03<br>RJ-04 | 6<br>6 |
| 16. | समाज कार्य<br>Social Work | I<br><br>II | भारतीय सामाजिक संरचना एवं सामाजिक समस्याए Indian Social Structure & Social Problems<br>वैयक्तिक समाज कार्य एवं सामूहिक समाज कार्य<br>Social Case work & Social Group work | SW-19<br><br>SW-20 | 6<br><br>6 |
| 17. | उर्दू<br>Urdu | I<br>II | अफसानवी नस्र और तुजुर्मा<br>उर्दू शायरी और बलागत | UD-03<br>UD-04 | 6<br>6 |
| 18. | Psychology<br>मनोविज्ञान | I<br><br>II | मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी एवं मापन<br>Psychological Statistics and Measurement<br>सामाजिक मनोविज्ञान<br>Social Psychology | PSY -03<br><br>PSY -04 | 6<br><br>6 |
| 19. | गृह विज्ञान<br>(Home Science) | I<br><br>II<br><br>III | वृद्धि और विकास<br>Growth and Development<br>आहार प्रबंधन<br>Diet Management<br>प्रायोगिक<br>Practical | HM-04<br><br>HM-05<br><br>HM-06 | 4<br><br>4<br><br>4 |

## कला में स्नातक कार्यक्रम भाग –III (Bachelor of Arts Programme Part- III)

विद्यार्थी द्वारा प्रथम वर्ष में जिन तीन ऐच्छिक विषयों का चयन किया गया है उन तीनों विषयों में कोई परिवर्तन नहीं होगा। तृतीय वर्ष में उन्हीं तीन विषयों में जो पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) पढ़ाए जाएंगे उनके नाम एवं श्रेयांक की सूची नीचे तालिका में दी गई है

| क्रं.सं. (S.No.) | विषय का नाम (Name of Subject) | प्रश्नपत्र (Paper) | पाठ्यक्रम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अर्थशास्त्र<br>Economics | I | परिमाणात्मक विधियाँ<br>Quantitative Methods | EC–05 | 6 |
| | | II | मुद्रा, बैंकिंग व राजस्व<br>Money, Banking & Public Finance | EC-06 | 6 |
| 2. | English Literature | I | Poetry and Drama Part-III | EG-05 | 6 |
| | | II | Prose and Fiction Part-III | EG-06 | 6 |
| 3. | भूगोल<br>Geography | I | एशिया का भूगोल<br>Geography of Asia | GE-07 | 4 |
| | | II | भारत का भूगोल<br>Geography of India | GE-08 | 4 |
| | | III | प्रायोगिक भूगोल<br>Practical Geography | GE-09 | 4 |
| 4. | कम्प्यूटर विज्ञान<br>Computer Science | I | Database Management System | CS-07 | 4 |
| | | II | Programming in JAVA | CS-08 | 4 |
| | | III | Practical in JAVA | CS-09 | 4 |
| 5. | हिन्दी साहित्य<br>Hindi Literature | I | आधुनिक काव्य | HD–05 | 6 |
| | | II | हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी | HD–06 | 6 |
| 6. | इतिहास<br>History | I | समकालीन भारत<br>(1947-2000 A.D.)<br>Contemporary India<br>(1947-2000 A.D.) | HI-05 | 6 |
| | | II | आधुनिक विश्व का इतिहास<br>(1453-1950 A.D.)<br>History of Modern World<br>(1453-1950 A.D.) | HI-06 | 6 |
| 7. | गणित<br>Mathematics | I | बीज गणित<br>Algebra | MT-07 | 4 |
| | | II | सम्मिश्र विश्लेषण<br>Complex Analysis | MT-08 | 4 |
| | | III | यान्त्रिकी<br>Mechanics | MT-09 | 4 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 8. | राजनीति विज्ञान<br>Political Science | I<br><br>II | राजनीतिक सिद्धान्त एवं चिन्तन<br>Political Theory & Thought<br>समसामयिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध<br>Contemporary International Relations | PS-05<br><br>PS-06 | 6<br><br>6 |
| 9. | लोक प्रशासन<br>Public Administration | I<br><br>II | तुलनात्मक लोक प्रशासन<br>Comparative Public Administration<br>स्थानीय स्वशासन<br>Local Self Government | PA-05<br><br>PA-06 | 6<br><br><br>6 |
| 10. | समाजशास्त्र<br>Sociology | I<br><br>II | सामाजिक विचारक<br>Social Thinkers<br>सामाजिक मानवशास्त्र<br>Social Anthropology | SO-05<br><br>SO-06 | 6<br><br>6 |
| 11. | संस्कृत | I<br>II | नाटक तथा व्याकरण<br>वेद उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन | SA-05<br>SA-06 | 6<br>6 |
| 12. | पत्रकारिता एवं जनसंचार<br>Journalism and Mass Communication | I<br><br>II | जनसम्पर्क एव विज्ञापन<br>Public Relation and Advertising<br>सम्पादन, पृष्ठसज्जा तथा मुद्रण<br>Editing, Layout and Printing | JM-05<br><br>JM-06 | 6<br><br>6 |
| 13. | शिक्षा<br>Education | I<br><br>II | शिक्षा के भारतीय प्रयोग<br>Indian experiment in Education<br>पाश्चात्य शैक्षिक विचार एवं विचारक<br>Western Educational Thought and Thinkers | ED-05<br><br>ED-06 | 6<br><br>6 |
| 14. | गाँधी तथा शान्ति अध्ययन<br>Gandhi and Peace Studies | I<br><br>II | गाँधी एवं अन्य विचारक<br>Gandhi and Other Thinkers<br>गाँधी एव समकालीन विश्व<br>Gandhi and Contemporary World | GP-05<br><br>GP-06 | 6<br><br>6 |
| 15. | राजस्थानी<br>Rajasthani | I<br>II | प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य (काव्य तथा गद्य)<br>राजस्थानी भाषा अर साहित्य रो इतिहास | RJ-05<br>RJ-06 | 6<br>6 |
| 16. | समाज कार्य<br>Social Work | I<br><br><br>II | मानव विकास एवं विभिन्न मानसिक प्रकियाएँ<br>Human Development & Various Mental Processes<br>समाज कार्य के प्रचलन<br>Patterns of Social Work | SW-21<br><br><br>SW-15 | 6<br><br>6 |
| 17. | उर्दू | I<br>II | तारीख तनकीद और इलेक्ट्रोनिक मीडिया ,<br>उर्दू शायरी और बलागत | UD-05<br>UD-06 | 6<br>6 |
| 18. | Psychology<br>मनोविज्ञान | I<br><br>II | मनोविज्ञान के सिद्धांत एवं प्रणालियाँ<br>(Theories and System of Psychology)<br>प्रायोगिक कार्य (Practical) | PSY -05<br><br>PSY -06 | 6<br><br>6 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 19. | गृह विज्ञान<br>(Home Science) | I<br><br><br>II<br><br><br>III | संचार प्रबंधन : प्रसार शिक्षा<br>Communication Management : Extension Education<br>परिवार संसाधन प्रबंधन एवं आन्तरिक सज्जा<br>Family Resource Management and Interior Designing<br>प्रायोगिक Practical | HM-07<br><br><br>HM-08<br><br>HM-09 | 4<br><br><br>4<br><br>4 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

**सत्रीय गृहकार्य -** प्रत्येक विषय के प्रत्येक सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य होंगे। गणित, भूगोल, कम्प्यूटर विज्ञान एवं गृह विज्ञान में प्रत्येक पाठ्यक्रम में **20** अंकों के सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य होगें। अन्य सभी विषयों में प्रत्येक पाठ्यक्रम में **30** अंकों का सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य होगा। प्रायोगिक पाठ्यक्रमों में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य नहीं है। **PSY-06** में कोई सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य नहीं दिया जायेगा।

सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य को पूर्ण करके विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अन्तिम तिथि से पूर्व सम्बन्धित क्षेत्रीय केंद्र/Online जमा कराना होगा।

**सत्रांत प्रायोगिक (मुख्य) परीक्षा** – न्यूनतम अवधि अर्थात् एक वर्ष के पश्चात् प्रत्येक विषय के प्रायोगिक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) की प्रायोगिक परीक्षा होगी। प्रायोगिक परीक्षा के लिए **4** घंटे निर्धारित है। प्रायोगिक परीक्षा **50** अंकों की होगी। मनोविज्ञान (केवल स्नातक तृतीय वर्ष ) में प्रायोगिक परीक्षा कुल **100** अंकों की होगी। मनोविज्ञान (केवल स्नातक तृतीय वर्ष ), गृह विज्ञान, भूगोल, कम्प्यूटर विज्ञान में यदि विद्यार्थी प्रायोगिक सम्पर्क शिविर एवं परीक्षा में उपस्थित नहीं हो पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए आगामी प्रायोगिक सम्पर्क शिविर में **75** प्रतिशत उपस्थिति के उपरांत परीक्षा में बैठ सकता है।

**सत्रांत सैद्धान्तिक (मुख्य) परीक्षा** – न्यूनतम अवधि अर्थात् एक वर्ष के पश्चात प्रत्येक विषय के सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) की लिखित परीक्षा होगी। सैद्धान्तिक परीक्षा के लिए **3** घंटे निर्धारित है।

गृह विज्ञान, भूगोल एवं कम्प्यूटर विज्ञान के प्रत्येक सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **(I, II)** की परीक्षा के लिए अधिकतम **55** अंक निर्धारित हैं।

गणित के पाठ्यक्रम **(I, II,III)**की परीक्षा के लिए अधिकतम क्रमश: **47, 47, 46** अंक निर्धारित हैं।

अन्य सभी विषयों में प्रत्येक सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **(I, II)** की परीक्षा के लिए अधिकतम **70** अंक निर्धारित हैं।

विद्यार्थी को स्नातक कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए आन्तरिक गृह कार्य, सत्रांत सैद्धान्तिक परीक्षा एवं सत्रांत प्रायोगिक परीक्षा(यदि किसी पाठ्यक्रम में प्रायोगिक प्रश्न पत्र है) में पृथक-पृथक रूप से **36%** अंक लाने होगे।

**प्रायोगिक (Practical)**

गृह विज्ञान, भूगोल, कम्प्यूटर विज्ञान एवं मनोविज्ञान (Psychology) (केवल स्नातक तृतीय वर्ष) में प्रायोगिक पाठ्यक्रमों हेतु प्रायोगिक शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसमें विद्यार्थी की **75** प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। प्रायोगिक विषयों के प्रायोगिक कार्य का समय अवधि एवं शिविर अवधि निम्नानुसार होगा।

| **विषय** | **प्रायोगिक कार्य अवधि** | **शिविर अवधि** |
|---|---|---|
| गृह विज्ञान (Home Science) | **120** घंटे | **10** दिन |
| भूगोल (Geography) | **120** घंटे | **10** दिन |
| कम्प्यूटर विज्ञान (Computer Science) | **120** घंटे | **20** दिन |
| मनोविज्ञान (Psychology)<br>(केवल स्नातक तृतीय वर्ष) | **180** घंटे | **20** दिन |

प्रायोगिक कक्षाओं में प्रति पाठ्यक्रम **75** प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। यदि कोई विद्यार्थी किसी पाठ्यक्रम की प्रायोगिक कक्षाओं में किसी कारणवश भाग नहीं ले सका अथवा **75** प्रतिशत उपस्थिति नहीं होने के कारण परीक्षा नहीं दे पाया अथवा **75** प्रतिशत उपस्थिति होने के उपरांत भी परीक्षा में अनुपस्थित रहा अथवा प्रायोगिक परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाया तो उस विद्यार्थी को अगले सत्र में उस प्रायोगिक परीक्षा में शामिल होने के लिए उसे पुनः उस पाठ्यक्रम के प्रायोगिक शिविर में न्यूनतम **75%** उपस्थिति के साथ भाग लेना होगा एवं पुनः प्रति पाठ्यक्रम प्रायोगिक शुल्क **1000/-**जमा करवाना अनिवार्य होगा । प्रायोगिक शिविर एवं प्रायोगिक परीक्षा स्थल के बारे में विश्वविद्यालय द्वारा लिया गया निर्णय ही अंतिम होगा। विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोगिक पाठ्यक्रम के बारे में समय समय पर लिए गए निर्णय ही मान्य होंगे।

ध्यातव्य है कि प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी। तृतीय वर्ष के परीक्षा परिणाम के साथ श्रेणी की घोषणा की जायेगी। अंक तालिका में आन्तरिक गृह कार्य, सत्रांत सैद्धान्तिक परीक्षा एवं सत्रांत प्रायोगिक परीक्षा के अंकों को अलपअलग दर्शाया जायेगा। श्रेणी की गणना में अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अंकों को शामिल नहीं किया जायेगा परन्तु इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

| | |
|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - **60%** एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - **48%** एवं **60%** से कम |
| उत्तीर्ण | - **36%** एवं **48%** से कम |

**नोट -** श्रेणी की गणना में अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अंकों को शामिल नहीं किया जायेगा। परन्तु इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

प्रायोगिक शिविर के लिए विद्यार्थी समय — समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाईट अवश्य देखे।

# विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम (Bachelor of Science Programme)
# Programme Code : B.Sc.

**उद्देश्य (Objectives):**

- स्नातक उपाधि कार्यक्रम में चयनित विषयों में अर्जित दक्षता द्वारा ज्ञान और कर्म कौशल का विस्तार।
- बेहतर ज्ञान और कर्म कौशल के आधार पर वांछनीय सामाजिक उपयोगिता का सूत्रपात।
- भावी विषय विशेषज्ञ के अध्ययन की भूमिका का निर्धारण।
- बेहतर व्यावसायिक एवं रोजगारपरक स्थितियों का उन्नयन।

## विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम भाग –I (Bachelor of Science Programme Part-I)

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकेण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण अथवा व.म.खु.वि से बीएपी/बीसीपी /बीएससीपी परीक्षा उत्तीर्ण अथवा समकक्ष।

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 3 वर्ष एवं अधिकतम 6 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 108

**नोट :** — जुलाई 2019 से B.Sc. कार्यक्रम में **प्रतिवर्ष एक बार ही** प्रवेश दिया जायेगा एवं इसके तहत जुलाई 2019 सत्र में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए B.Sc. कार्यक्रम में प्रमोटी प्रवेश केवल जुलाई सत्र में ही दिया जायेगा। इसी प्रकार जुलाई 2024 सत्र में नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए B.Sc. कार्यक्रम में प्रमोटी प्रवेश केवल जुलाई सत्र में ही दिया जायेगा।

बीएससी कार्यक्रम में दो प्रकार के पाठ्यक्रम होंगे -

(अ) अनिवार्य पाठ्यक्रम (Compulsory Courses) : (कोई श्रेयांक नहीं) केवल उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

(ब) ऐच्छिक विषय (Optional Subjects) :

**अनिवार्य पाठ्यक्रम (Compulsory Courses) :** प्रथम वर्ष में दो अनिवार्य पाठ्यक्रम होंगे :

| **क्र. सं. (S.No.)** | **पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)** | **पाठ्यक्रम कोड (Course Code)** | **श्रेयांक(Credit)** |
|---|---|---|---|
| 1. | सामान्य हिन्दी<br>General Hindi | QHD | लागू नहीं |
| 2. | पर्यावरण अध्ययन<br>Environmental Studies | QES | लागू नहीं |

इन अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विद्यार्थी को तीन ऐच्छिक विषयों के **36** श्रेयांक के पाठ्यक्रम लेने होंगे। गणित विषय के प्रत्येक पाठ्यक्रम **4** श्रेयांक के होगें जबकि अन्य सभी विषयों के प्रत्येक पाठ्यक्रम **3** श्रेयांक के होंगे। ऐच्छिक विषयों के प्रथम वर्ष के लिये उपलब्ध **36** श्रेयांक के पाठ्यक्रमों की निम्न है।

**विषय समूह (Subject Combination)**

विद्यार्थियों को निम्नांकित विषय समूहों में से किसी एक समूह का चयन अनिवार्य रूप से करना होगा। विद्यार्थियों ने निम्नांकित विषयों समूहों (वर्गो) में से प्रथम वर्ष में जिस विषय का वर्ग का चयन किया है वह द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष में भी समान रूप से होगा।

| Group | Subjects | | | Fees (in Rupees) |
|---|---|---|---|---|
| समूह - I<br>Group - I | भौतिक विज्ञान<br>Physics | रसायन विज्ञान<br>Chemistry | गणित<br>Mathematics | I Year-13400/-<br>II Year-13400/-<br>III Year-13300/- |
| समूह –III<br>Group –III | वनस्पति विज्ञान<br>Botany | रसायन विज्ञान<br>Chemistry | प्राणी विज्ञान<br>Zoology | I Year-14000/-<br>II Year-14000/-<br>III Year-13800/- |
| समूह -VII<br>Group -VII | जैव प्रौद्योगिकी<br>Biotechnology | प्राणी विज्ञान<br>Zoology | रसायन विज्ञान<br>Chemistry | I Year-17300/-<br>II Year-17300/<br>III Year-17100/- |

**ऐच्छिक विषय (Optional Subject):**

विद्यार्थी को विज्ञान में स्नातक भाग-I अर्थात प्रथम वर्ष उपरोक्त समूहों (Group) के आधार पर तीन ऐच्छिक विषय चुनने होंगे। इन विषयों में बाद में भाग II एवं भाग III में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

| **क्र .सं (S.No.)** | **विषय का नाम (Name of subject)** | **प्रश्न पत्र (Paper)** | **पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)** | **पाठ्यक्रम कोड (Course Code)** | **श्रेयांक (Credit)** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | जैव प्रौद्योगिकी Biotechnology | I | आधारभूत भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान Fundamentals of Physics Chemistry and Biological Sciences | BT -01 | 3 |
| | | II | आण्विक जैविकी, सूक्ष्म जैविकी तथा जैव रसायन विज्ञान Molecular Biology, Microbiology and Biochemistry | BT -02 | 3 |
| | | III | परिवर्धन जैविकी एवं जैव सांख्यिकी Developmental Biology and Biostatistics | BT -03 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक जैव प्रौद्योगिकी Practical Biotechnology | BT -04 | 3 |
| 2. | वनस्पति विज्ञान Botany | I | शैवाल, लाइकेन एवं ब्रायोफाइटा Algae, Lichens and Bryophytes | BO -01 | 3 |
| | | II | सूक्ष्म जैविकी, कवक विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान Microbiology, Mycology and Plant Pathology | BO -02 | 3 |
| | | III | टेरिडोफाइटा, जिम्नोस्पर्म एवं पुरावनस्पति विज्ञान Pteridophytes, Gymnosperms & Paleobotany | BO -03 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक वनस्पति शास्त्र Practical Botany | BO -04 | 3 |
| 3. | रसायन विज्ञान Chemistry | I | अकार्बनिक विज्ञान Inorganic Chemistry | CH -01 | 3 |
| | | II | कार्बनिक रसायन Organic Chemistry | CH -02 | 3 |
| | | III | भौतिक रसायन | CH -03 | 3 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | IV | Physical Chemistry<br>प्रायोगिक रसायन<br>Practical Chemistry | CH -04 | 3 |
| 4. | गणित<br>Mathematics | I<br><br>II<br><br><br>III<br><br><br> | विविक्त गणित<br>Discrete Mathematics<br>कलन एवं अवकलन समीकरण<br>Calculus and Differential Equations<br>निर्देशांक ज्यामिति एवं गणितीय प्रोग्रामिंग<br>Co-ordinate Geometry and Mathematical Programming | MT-01<br><br><br><br>MT-02<br><br>MT-03 | 4<br><br><br><br>4<br><br>4 |
| 5. | भौतिक विज्ञान<br>Physics | I<br><br>II<br><br>III<br><br>IV | यान्त्रिकी<br>Mechanics<br>दोलन एवं तरंगे<br>Oscillations and Waves<br>विद्युतचुम्बकीकी<br>Electromagnetism<br>प्रायोगिक भौतिकी<br>Practical Physics | PH-01<br><br>PH-02<br><br>PH-03<br><br>PH-04 | 3<br><br>3<br><br>3<br><br>3 |
| 6. | प्राणी विज्ञान<br>Zoology | I<br><br><br>II<br><br><br>III<br><br><br>IV | प्राणी विविधता तथा उद्विकास<br>Diversity of Animals and Evolution<br>कोशिका विज्ञान तथा अनुवांशिकी<br>Cell Biology and Genetics<br>युग्मक एवं परिवर्धन जैविकी<br>Gametes and Developmental Biology<br>प्रायोगिक प्राणिशास्त्र<br>Practical Zoology | ZO-01<br><br><br>ZO-02<br><br><br>ZO-03<br><br><br>ZO-04 | 3<br><br><br>3<br><br><br>3<br><br><br>3 |

## विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम भाग –II (Bachelor of Science Programme Part-II)

**अनिवार्य पाठ्यक्रम (Compulsory Course)**

विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष में दो अनिवार्य पाठ्यक्रम लेने होंगे। इन दोनों पाठ्यक्रमों (प्रश्न पत्रों) में श्रेयांक लागू नहीं है। लेकिन इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

**अनिवार्य पाठ्यक्रम ( Compulsory Courses )**

| क्रं सं ( S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक |
|---|---|---|---|
| 1. | सामान्य अंग्रेजी (General English) | QEG | लागू नहीं |
| 2. | प्रारंभिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग<br>Elementary Computer Application | QCA | लागू नहीं |

इन अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विद्यार्थी को तीन ऐच्छिक विषयों में **36** श्रेयांक के पाठ्यक्रम लेने होंगे। [ अर्थशास्त्र विषय का प्रत्येक पाठ्यक्रम **6** श्रेयांक का होगा ] गणित, विषय के प्रत्येक पाठ्यक्रम **4** श्रेयांक के होंगे जबकि अन्य सभी विषयों के प्रत्येक पाठ्यक्रम **3** श्रेयांक के होंगे। चयनित ऐच्छिक विषयों के द्वितीय वर्ष के लिये उपलब्ध **36** श्रेयांक के पाठ्यक्रम की सूची निम्न है:

**ऐच्छिक विषय (पाठ्यक्रम) (Optional Subject):**

प्रथम वर्ष में जिन तीन ऐच्छिक विषयों का चयन किया है। उन तीनों ऐच्छिक विषयों में कोई परिवर्तन नहीं होगा। द्वितीय वर्ष में उन्हीं तीन विषयों में पाठ्यक्रम पढ़ाये जायेंगे। उनके नाम एवं श्रेयांककी सूची निम्नांकित तालिका में दी गई है :-

| क्र .सं (S.No.) | विषय का नाम (Name of subject) | प्रश्न पत्र (Paper) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | जैवप्रौद्योगिकी<br>Biotechnology | I | प्राणी जैव प्रौद्योगिकी<br>Animal Biotechnology | BT -05 | 3 |
| | | II | पादप जैवप्रौद्योगिकी<br>Plant Biotechnology | BT -06 | 3 |
| | | III | सूक्ष्म जैविक जैवप्रौद्योगिकी<br>Microbial Biotechnology | BT -07 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक जैवप्रौद्योगिकी<br>Practical Biotechnology | BT -08 | 3 |
| 2. | वनस्पति विज्ञान<br>Botany | I | पादप आकारिकी एवं आन्तरिकी<br>Plant Morphology & Anatomy | BO -05 | 3 |
| | | II | कोशिका विज्ञान, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन<br>Cell Biology, Genetics & Plant Breeding | BO -06 | 3 |
| | | III | पादप कायिकी एवं जैव रसायन<br>Plant Physiology & Biochemistry | BO -07 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक वनस्पति विज्ञान<br>Practical Botany | BO -08 | 3 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 3. | रसायन विज्ञान<br>Chemistry | I | अकार्बनिक रसायन<br>Inorganic Chemistry | CH -05 | 3 |
| | | II | कार्बनिक रसायन<br>Organic Chemistry | CH -06 | 3 |
| | | III | भौतिक रसायन<br>Physical Chemistry | CH -07 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक रसायन<br>Practical Chemistry | CH -08 | 3 |
| 4. | गणित<br>Mathematics | I | वास्तविक विश्लेषण एवं दूरीक समष्टि<br>Real Analysis & Metric Space | MT-04 | 4 |
| | | II | अवकलन समीकरण<br>Differential Equation | MT-05 | 4 |
| | | III | संख्यात्मक विश्लेषण एवं सदिश कलन<br>Numerical Analysis & Vector Calculus | MT-06 | 4 |
| 5. | भौतिक विज्ञान<br>Physics | I | उष्मागतिकी तथा सांख्यिकीय भौतिकी<br>Thermodynamics and Statistical Physics | PH-05 | 3 |
| | | II | प्रकाशिकी<br>Optics | PH-06 | 3 |
| | | III | इलेक्ट्रानिकी<br>Electronics | PH-07 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक भौतिकी<br>Practical Physics | PH-08 | 3 |
| 6. | प्राणीविज्ञान<br>Zoology | I | अकशेरुकी<br>Invertebrates | ZO-05 | 3 |
| | | II | प्राणि कार्यिकी एवं प्रतिरक्षा विज्ञान<br>Animal Physiology & Immunology | ZO-06 | 3 |
| | | III | सूक्ष्म जैविकी एवं जैवप्रौद्योगिकी<br>Microbiology & Biotechnology | ZO-07 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक प्राणीविज्ञान<br>Practical Zoology | ZO-08 | 3 |

## विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम भाग -III

## Bachelor of Science Programme Part-III

**ऐच्छिक विषय पाठ्यक्रम (Optional Subject )**

प्रथम वर्ष में जिन तीन ऐच्छिक विषयों का चयन किया है। उन तीनों ऐच्छिक विषयों में कोई परिवर्तन नहीं होगा। तृतीय वर्ष में उन्हीं तीन विषयों में पाठ्यक्रम पढ़ाये जाऐंगे। उनके नाम एवं श्रेयांक की सूची निम्नांकित तालिका में दी गई है-

| क्रं .सं (S.No. | विषय का नाम (Name of subject) | प्रश्न पत्र (Paper) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | जैव प्रौद्योगिकी Biotechnology | I | बायोइनफोरमेटिक्स एवं बौद्धिक सम्पदा अधिकार Bioinformatics & Intellectual Property Rights | BT -09 | 3 |
| | | II | नैनो जैव प्रौद्योगिकी Nano Biotechnology | BT -10 | 3 |
| | | III | जैव प्रसंस्करण तकनीक Bioprocess Technology | BT -11 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक जैव प्रोद्योगिकी Practical Biotechnology | BT -12 | 3 |
| 2. | वनस्पति विज्ञान Botany | I | आवृतजीयों की वर्गिकी एवं भ्रौणिकी Taxonomy and Embryology of Angiosperm | BO -09 | 3 |
| | | II | आण्विक जीवविज्ञान एवं तकनीकी Molecular Biology and Technology | BO -10 | 3 |
| | | III | पादप पारिस्थितिकी एवं आर्थिक वनस्पति विज्ञान Plant Ecology & Economic Botany | BO -11 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक वनस्पतिशास्त्र Practical Botany | BO -12 | 3 |
| 3. | रसायन विज्ञान Chemistry | I | अकार्बनिक रसायन Inorganic Chemistry | CH -09 | 3 |
| | | II | कार्बनिक रसायन Organic Chemistry | CH -10 | 3 |
| | | III | भौतिक रसायन Physical Chemistry | CH -11 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक रसायन Practical Chemistry | CH -12 | 3 |
| 4. | गणित Mathematics | I | बीज गणित Algebra | MT-07 | 4 |
| | | II | सम्मिश्र विश्लेषण Complex Analysis | MT-08 | 4 |
| | | III | यान्त्रिकी Mechanics | MT-09 | 4 |
| 5. | भौतिक विज्ञान Physics | I | प्रारम्भिक क्वान्टम यान्त्रिकी एवं स्पेक्ट्रोस्कोपी Elementary Quantum Mechanics & Spectroscopy | PH-09 | 3 |
| | | II | ठोस अवस्था भौतिकी Solid State Physics | PH-10 | 3 |
| | | III | नाभिकीय भौतिकी | PH-11 | 3 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | IV | Nuclear Physics<br>प्रायोगिक भौतिकी<br>Practical Physics | PH-12 | 3 |
| 6. | प्राणीविज्ञान<br>Zoology | I | पृष्ठवंशियो की संरचना तथा कार्यिकी<br>Structure and Functions of Vertebrates | ZO-09 | 3 |
| | | II | पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण जैविकी<br>Ecology & Environmental Biology | ZO-10 | 3 |
| | | III | अनुप्रयुक्त प्राणिशास्त्र, व्यावहारिकी एवं जैव सांख्यिकी<br>Applied Zoology, Ethology and Biostatistics | ZO-11 | 3 |
| | | IV | प्रायोगिक प्राणीविज्ञान<br>Practical Zoology | ZO-12 | 3 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

**सत्रीय गृहकार्य** – प्रत्येक विषय के प्रत्येक सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य होंगे। वनस्पति विज्ञान, जैवप्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान में प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य **15** अंकों के होंगे। गणित में प्रत्येक पाठ्यक्रम में **20** अंकों के सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य होंगे। प्रायोगिक पाठ्यक्रमों में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य नहीं है। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य को पूर्ण करके विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अन्तिम तिथि से पूर्व सम्बन्धित अध्ययन केंद्र /क्षेत्रीय केंद्र पर जमा कराने होंगे।

**सत्रांत प्रायोगिक (मुख्य) परीक्षा** - प्रत्येक विषय के प्रायोगिक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) की प्रायोगिक परीक्षा होगी। प्रायोगिक परीक्षा के लिए **4** घंटे निर्धारित है। प्रायोगिक परीक्षा **50** अंकों की होगी (वनस्पति विज्ञान, जैवप्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, प्राणी विज्ञान)| यदि विद्यार्थी किन्हीं पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों)को उत्तीर्ण करने के लिए आगामी निर्धारित प्रायोगिक परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। ध्यातव्य है कि प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी। तृतीय वर्ष के परीक्षा परिणाम के साथ श्रेणी की घोषणा की जायेगी।

**सत्रांत सैद्धान्तिक (मुख्य) परीक्षा** –

न्यूनतम अवधि अर्थात् एक वर्ष के पश्चात प्रत्येक विषय के सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) की लिखित परीक्षा होगी। सैद्धान्तिक परीक्षा के लिए **3** घंटे निर्धारित है। वनस्पति विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, प्राणी विज्ञान, भौतिक विज्ञान के प्रत्येक सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **(I, II,III)** की परीक्षा अधिकतम **35** अंकों की होगी। गणित के सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम **(I, II,III)**की परीक्षा के लिए अधिकतम क्रमशः **47, 47, 46** अंक निर्धारित हैं। विद्यार्थी को स्नातक कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए आन्तरिक गृह कार्य, सत्रांत सैद्धान्तिक परीक्षा एवं सत्रांत प्रायोगिक परीक्षा (यदि किसी पाठ्यक्रम में प्रायोगिक प्रश्न पत्र है) में पृथक-पृथक रूप से **36%** अंक लाने होगे।

**प्रायोगिक (Practical)**

प्रत्येक विषय में प्रायोगिक पाठ्यक्रमों हेतु प्रायोगिक शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसमें विद्यार्थी की न्यूनतम **75** प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। प्रति पाठ्यक्रम **10** दिवस के प्रायोगिक शिविर होंगे|

| **विषय** | **प्रायोगिक कार्य अवधि** | **शिविर अवधि** |
|---|---|---|
| जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology | **90** घंटे | **10** दिन |
| वनस्पति विज्ञान (Botany) | **90** घंटे | **10** दिन |
| रसायन विज्ञान (Chemistry) | **90** घंटे | **10** दिन |
| भौतिक विज्ञान (Physics) | **90** घंटे | **10** दिन |
| प्राणीविज्ञान (Zoology) | **90** घंटे | **10** दिन |

यदि कोई विद्यार्थी किसी पाठ्यक्रम की प्रायोगिक कक्षाओं में किसी कारणवश भाग नहीं ले सका अथवा **75** प्रतिशत उपस्थिति नहीं होने के कारण परीक्षा नहीं दे पाया अथवा **75** प्रतिशत उपस्थिति होने के उपरांत भी परीक्षा में अनुपस्थित रहा अथवा प्रायोगिक परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाया तो उस विद्यार्थी को आगामी प्रायोगिक परीक्षा में शामिल होने के लिए उसे पुनः उस पाठ्यक्रम का प्रायोगिक शिविर में न्यूनतम **75%** उपस्थिति के साथ भाग लेना होगा एवं पुनः प्रति पाठ्यक्रम प्रायोगिक शुल्क **1000/-**जमा करवाना अनिवार्य होगा । प्रायोगिक शिविर एवं प्रायोगिक परीक्षा स्थल के बारे में विश्वविद्यालय द्वारा लिया गया निर्णय ही अंतिम होगा। विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोगिक पाठ्यक्रम के बारे में समय समय पर लिए गए निर्णय ही मान्य होंगे । B.Sc. प्रायोगिक पाठ्यक्रम **BT, BO, CH, PH, ZO** प्रायोगिक शिविर प्रति वर्ष एक बार ही होगा एवं प्रायोगिक शिविर की समय सारणी वेबसाइट पर समय—समय पर दर्शायी जायेगी।

जुलाई **2018** एवं इसके बाद वाले प्रवेश सत्रों से **B.Sc.** कार्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक विषयों **BT, BO, CH, PH, ZO** के प्रायोगिक डिफाल्टर फार्म वर्ष में एक बार नवम्बर माह से आरंभ किये जायेंगे (यथा प्रवेश सत्र जुलाई **2018** में **VMOU** में प्रथम बार **BSc** में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक डिफाल्टर फार्म नवम्बर **2019** में, प्रवेश सत्र जनवरी **2019** में **VMOU** में प्रथम बार प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक डिफाल्टर फार्म नवम्बर **2019** में)|

वे विद्यार्थी जिनका स्कालर सं. का स्वरूप 18XXXX-07XXXXया 19XXXX-01XXXX या 19XXXX-07XXXX या 20xxxx-07xxxx,21xxxx-07xxxx,22xxxx-07xxxx है तो ऐसे विद्यार्थियों का प्रायोगिक डिफाल्टर फार्म प्रायोगिक विषयों BT, BO, CH, PH, ZO में नवम्बर माह से आरम्भ होगा। वे विद्यार्थी जिनका स्कालर सं. 18XXXX-07XXXXया 19XXXX-01XXXX स्वरूप का है तथा वे प्रवेश सत्र जनवरी **2021** में प्रमोटी प्रवेश लेते है तथा वर्ष **2021** में एक बार आयोजित होने वाले संबंधित प्रायोगिक विषयों BT, BO, CH, PH, ZO के प्रायोगिक शिविर एवं प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित नहीं होता है तो वह नवम्बर माह में प्रारंभ होने वाले प्रायोगिक डिफाल्टर फार्म इन संबंधित प्रायोगिक विषयों में भर सकता है।

प्रायोगिक डिफाल्टर आवेदन फॉर्म के माह के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा एवं यदि इसमें कोई परिवर्तन होता है तो इसकी सूचना विश्वविद्यालय की website पर दशायी जायेगी|

प्रायोगिक परीक्षा का केन्द्र परिवर्तन हेतु आवेदन वेबसाईट पर दशायी गई सूचना अनुसार होगा।

प्रायोगिक विषयों में BT, BO, CH, PH, **ZO** के लिए प्रतिवर्ष एक बार आयोजित होने वाले प्रायोगिक शिविरों एवं प्रायोगिक परीक्षा के लिए tentative समय सारणी निम्नानुसार होगी — दिसम्बर, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जुलाई, अगस्त

प्रायोगिक शिविर के लिए विद्यार्थी समय — समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाईट अवश्य देखे।

अंक तालिका में आन्तरिक गृह कार्य, सत्रांत सैद्धान्तिक परीक्षा एवं सत्रांत प्रायोगिकपरीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा।

सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - | **60%** एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - | **48%** एवं अधिक परन्तु **60%** से कम |
| उत्तीर्ण | - | **36%** एवं अधिक परन्तु **48%** से कम |

**नोट -** श्रेणी की गणना में अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अंकों को शामिल नहीं किया जायेगा। परन्तु इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय का प्रायोगिक पाठ्यक्रम संबंधी समस्त नियम परिवर्तन करने का अधिकार है जैसे प्रायोगिक शिविर की अवधि परिवर्तन 15 दिवस प्रति प्रायोगिक विषय शिविर, प्रायोगिक डिफाल्टर फार्म के आवेदन के माह में परिवर्तन इत्यादि।

## पत्रकारिता में स्नातक कार्यक्रम (Bachelor of Journalism)
## Programme Code : BJ

**उद्देश्य (Objectives):**

- पत्रकारिता एवं जनसंचार की आरंभिक स्तर की जानकारी देना।
- सरकारी कंपनियों में जन संपर्क अधिकारी (PRO) पद हेतु छात्रों को तैयार करना।
- मीडिया के विभिन्न अंगों के लिए पत्रकार तैयार करना।
- नए परिवेश के मीडिया से परिचित करना और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (न्यूनतम त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि अथवा समकक्ष

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 1 वर्ष, अधिकतम 2 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक** : 48

**शुल्क** : रूपए 10100/-

**कार्यक्रम संरचना** : कुल 8 पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम 6 श्रेयांक का है।

| क्रम संख्या (S.No.) | पाठ्यक्रम का विवरण (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | क्रेडिट (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं साइबर मीडिया<br>Computer Application and Cyber Media | BJ -01 | **6** |
| 2. | संचार एवं विकासात्मक संचार<br>Communication & Developmental Communication | BJ -02 | **6** |
| 3. | जनसंचार माध्यमों का इतिहास<br>History of Mass Communication Media | BJ -03 | **6** |
| 4. | मीडिया लेखन<br>Media Writing | BJ -04 | **6** |
| 5. | जनसंपर्क एवं विज्ञापन<br>Public Relation & Advertising | BJ -05 | **6** |
| 6. | संपादन, पृष्ठ सज्जा एवं मुद्रण<br>Editing, Layout & Printing | BJ -06 | **6** |
| 7. | मीडिया संस्थान प्रबंधन एवं मीडिया कानून Management of Media Institutes and Media Laws | BJ -07 | **6** |
| 8. | * व्यावहारिक कार्य प्रश्नपत्र<br>Practical work Paper | BJ -08 | **6** |

* आठवां प्रश्नपत्र बीजे-**08** का प्रश्नपत्र व्यावहारिक कार्य का होगा। इसके लिए कोई पाठ्य सामग्री नहीं दी जाएगी। यह प्रश्न पत्र **100** अंकों का होगा। इसके लिए दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए जाएंगे। यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर देना होगा। इसमें समाचार पत्रों, चैनलों और समाचार वेबसाइटों से मिलने वाली जानकारियों के आधार पर सवाल पूछे जाएंगे। इसमें समाचार लेखन, अनुवाद, इंटरव्यू, फीचर, स्तंभ लेख, संस्मरण, यात्रा, खेल, भेंटवार्ता, मेले और प्रदर्शनियां तथा अखबारों-चैनलों में कामकाज की शब्दावली के अलावा सामयिक महत्व के विषयों पर सवाल आधारित होंगे। इसमें कोई भी सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य नहीं दिया जाएगा।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern):**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य **30** अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय / आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/**Online** विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा। **BJ-08** में कोई सत्रीय कार्य नहीं दिया जायेगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** न्यूनतम अवधि अर्थात् **1** वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम **70** अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक **36** प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

**प्रथम श्रेणी – 60%** एवं अधिक] **द्वितीय श्रेणी - 48%** एवं **60%** से कम] **उत्तीर्ण - 36%** एवं **48%** से कम

## पत्रकारिता में स्नातक (लेटरल)
## Bachelor in Journalism (Lateral), Programme Code : BJ(L)

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | व.म.खु. विश्वविद्यालय से पत्रकारिता में स्नातक अथवा समकक्ष उपाधि |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम छ: माह , अधिकतम 1 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | हिन्दी |
| **श्रेयांक** | : | 12 |
| **शुल्क** | : | रूपए 10000/- (रूपए 2500 अतिरिक्त लेटरल शुल्क) |

कार्यक्रम संरचना : कुल **2** पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम **6** श्रेयांक का है।

| **क्रम संख्या (S.No.)** | **पाठ्यक्रम का विवरण (Name of Course)** | **पाठ्यक्रम कोड (Course Code)** | **क्रेडिट (Credit)** |
|---|---|---|---|
| 1. | मीडिया संस्थान प्रबंधन एवं मीडिया कानून<br>Management of Media Institutes and Media Laws | BJ -07 | 6 |
| 2. | व्यावहारिक कार्य प्रश्नपत्र Practical work Paper | BJ -08 | 6 |

**नोट-** *यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र स्थित मॉडल अध्ययन केंद्र पर संचालित किया जायेगा I*

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern):** पत्रकारिता व जनसंचार विषय में बीए उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी अगर बीजे की पूरी फीस जमा करते हैं और बीजे-07 तथा बीजे-08 के प्रश्नपत्र छह माह के प्रवेश के दौरान उत्तीर्ण कर लेते हैं तो उन्हें डूवेल डिग्री प्रोग्राम के तहत बीजे की डिग्री दी जाएगी और वे एमजे में प्रवेश ले सकेंगे। इसमें बीजे-07 का पेपर 70 अंक का और उसमें 30 अंक के सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य होंगे। बीजे-08 का पेपर पूरे 100 अंकों का होगा। इसके लिए दिशा-निर्देश वेबसाइट पर दिए जाएंगे। यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर देना होगा। इसमें समाचार पत्रों, चैनलों और समाचार वेबसाइटों से मिलने वाली जानकारियों के आधार पर सवाल पूछे जाएंगे। इसमें समाचार लेखन, अनुवाद, इंटरव्यू, फीचर, स्तंभ लेख, संस्मरण, यात्रा, खेल, भेंटवार्ता, मेले और प्रदर्शनियां तथा अखबारों-चैनलों में कामकाज की शब्दावली के अलावा सामयिक महत्व के विषयों पर सवाल आधारित होंगे। इसमें कोई भी सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य नहीं दिया जाएगा। अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

**प्रथम श्रेणी – 60%** एवं अधिक] **द्वितीय श्रेणी - 48%** एवं **60%** से कम] **उत्तीर्ण - 36%** एवं **48%** से कम

# पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम
# Bachelor of Library and Information Science Programme
## Programme Code : BLIS

**उद्देश्य (Objectives):**

- पुस्तकालय एवं सूचना इकाइयों के प्रभावशाली संगठन एवं व्यवस्थापन की दक्षता एवं कौशल प्रदान करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना इकाइयों में कार्य कर रहे कर्मियों का व्यावसायिक विकास एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने में सहायता करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा धारकों को गहन ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में नवीन सूचना तकनीकी के अनुप्रयोग का ज्ञान प्रदान करना।
- नये स्नातकों को पुस्तकालय एवं सूचना व्यवसाय के प्रति आकर्षित करना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक उपाधि (न्यूनतम त्रिवर्षीय) अथवा समकक्ष एवं SC/ST/OBC/PH के लिये 45 प्रतिशत; अथवा किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि; अथवा स्नातक उपाधि (न्यूनतम त्रिवर्षीय) के साथ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा; अथवा स्नातक उपाधि (न्यूनतम त्रिवर्षीय) के साथ पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र में दो वर्ष का कार्यानुभव; अथवा प्रोफेशनल विषयों में स्नातक उपाधि (जैसे LLB; B.Pharma; B.Teach/B.E. आदि)।

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम एक वर्ष, अधिकतम 2 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 48

**शुल्क** : Rs. 9000/-

**कार्यक्रम संरचना :** पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नातक (BLIS) कार्यक्रम में कुल 8 पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम **6** श्रेयांक का है।

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | पुस्तकालय एवं समाज<br>Library and Society | BLIS-01 | 6 |
| 2. | पुस्तकालय वर्गीकरण एवं सूचीकरण - सिद्धान्त<br>Library Classification and Cataloguing-Theory | BLIS-02 | 6 |
| 3. | पुस्तकालय वर्गीकरण - प्रायोगिक<br>Library Classification-Practical | BLIS-03 | 6 |
| 4. | पुस्तकालय सूचीकरण - प्रायोगिक<br>Library Cataloguing-Practical | BLIS-04 | 6 |
| 5. | पुस्तकालय प्रबन्ध<br>Library Management | BLIS-05 | 6 |
| 6. | सूचना स्रोत<br>Information Sources | BLIS-06 | 6 |
| 7. | सन्दर्भ एवं सूचना सेवाएँ<br>Reference and Information Services | BLIS-07 | 6 |
| 8. | कम्प्यूटर : आधार एवं अनुप्रयोग<br>Computer : Basics and Applications | BLIS-08 | 6 |

नोट- यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभी सात क्षेत्रीय केंद्र स्थित मॉडल अध्ययन केंद्र पर संचालित किया जायेगा।

**परामर्श सत्र एवं सम्पर्क शिविर (Counselling Session/Contact Camp) :**

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के ज्ञान वर्धन एवं समस्या समाधान हेतु संपर्क शिविर, परामर्श सत्र आयोजित किये जाएंगे।

(क) बीएलआईएस **1,2,5,6** एवं **7** पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किये जाएंगे।

(ख) बीएलआईएस **3** एवं **4** पाठ्यक्रमों के लिए संपर्क शिविर आयोजित किये जाऐंगे। विद्यार्थियों की दो-तिहाई सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य होगी।

(ग) **BLIS-8** में सैद्धांतिक/प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा। प्रायोगिक सत्रों में विद्यार्थियों की दो-तिहाई उपस्थिति अनिवार्य होगी।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

**सत्रीय गृहकार्य:** प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य **30** अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) में एक सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य करना होगा। सत्रीय /आन्तरिक गृह कार्य पूर्ण करके सत्रांत परीक्षा से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र/**Online** विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिनांक से पूर्व जमा करवाना होगा।

**सत्रांत (मुख्य) परीक्षा:** न्यूनतम अवधि अर्थात् **1** वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम **70** अंक निर्धारित हैं । प्रत्येक पाठ्यक्रम(प्रश्नपत्र) के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग- अलग उत्तीर्णांक **36** प्रतिशत हैं। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उस पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में निर्धारित अधिकतम अवधि के अंदर पुनः बैठ सकता है। अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

**प्रथम श्रेणी** – 60% एवं अधिक**]** **द्वितीय श्रेणी** - *48*%एवं 60% से कम**]** **उत्तीर्ण** - 36% एवं 48% से कम

# शिक्षा में स्नातक (Bachelor of Education)

## Programme Code : B.ED

**उद्देश्य (Objectives):**

- सेवारत अध्यापकों में व्यावसायिक दक्षताओं का विकास करना।
- सेवारत अध्यापकों में उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों के विभिन्न प्रकार के अधिगम अनुभवों का विकास करना।
- सेवारत अध्यापकों में अधिगम प्रक्रिया के स्वभाव की समझ विकसित करना।
- सेवारत अध्यापकों में छात्रों के अकादमिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को समझने की दक्षताओं का विकास करना।
- सेवारत अध्यापकों में कक्षा में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं और गृह कार्य तकनीकों की समझ विकसित करना।
- सेवारत अध्यापकों में कक्षा में प्रयुक्त उपकरणों के चुनाव एवं प्रयोग का कौशल विकसित करना।
- सेवारत अध्यापकों में विद्यालय प्रबंधन विभिन्न पहलुओं की समझ को विकसित करना।
- सेवारत अध्यापकों में विभिन्न अनुदेशात्मक और छात्र सहायता गतिविधियों से संबंधित दक्षताओं का विकास करना।
- सेवारत अध्यापकों में कक्षा में प्रयोग होने वाले अधिगम संबंधित नवाचार की जानकारी प्राप्तकरना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility) :** वे अभ्यर्थी जो निम्नलिखित तीनों योग्यताऐ एक साथ रखते हो-

**i.** किसी भी राजकीय/गैर राजकीय (मान्यता प्राप्त) विद्यालय में वर्तमान में प्राइमरी कक्षाओं (कक्षा 1 से 5 अथवा कक्षा 1 से 8) को पढ़ाने वाले अध्यापक हों।

**ii.** जिन्होंने नियमित रीति से बी.एस.टी.सी.(**B.S.T.C.**)/ डी. एल.एड. (**D.El.Ed.**) इत्यादि द्विवर्षीय प्राइमरी अध्यापक शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम जो एन.सी.टी.ई. से मान्यता प्राप्त है उत्तीर्ण किया हुआ हो।

**iii.** स्नातक/स्नातकोत्तर (कला/विज्ञान/वाणिज्य) परीक्षा सामान्य वर्ग न्यूनतम 50 प्रतिशत , बी.टेक स्नातक (विज्ञान गणित विशेषज्ञता के साथ) सामान्य वर्ग न्यूनतम 55 प्रतिशत से उत्तीर्ण हों।

राजस्थान के अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग तथा विधवा एवमं तलाकशुदा महिला अभ्यर्थियों को उक्त स्नातक/स्नातकोत्तर अर्हता प्रतिशत में 5 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी।

**नोट -** आरक्षण राजस्थान राज्य के नियमानुसार उन्हीं विद्यार्थियों को देय होगा जो राजस्थान के मूल निवासी है।

**नोट** — शिक्षण अनुभव में न्यूनतम दो वर्ष के अनुभव की बाध्यता नहीं है केवल वर्तमान में अध्यापक होना पर्याप्त है, लेकिन पूरी बी.एड. के दौरान भी वह अध्यापक रहना चाहिए।

1. वही विद्यार्थी स्नात्कोत्तर विषय का उल्लेख करे जिनका स्नातक में वांछित प्रतिशत (सामान्य वर्ग 50 प्रतिशत, आरक्षित वर्ग 45 प्रतिशत) नहीं है और स्नातकोत्तर में है यह वांछित प्रतिशत है।

2. यदि किसी विद्यार्थी ने दो विषयों में स्नातकोत्तर कर रखा है तो उसी स्नातकोत्तर विषय का उल्लेख करें (जिससे संबंधित शिक्षण विषय बीएड. में लेना है।)

3. जिन विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंक तालिका में CGPA ग्रेड मिला है वे अपने विश्वविद्यालय से उस ग्रेड को प्रतिशत में बदलवाकर प्रेषित करें तथा इस आशय का प्रमाण पत्र काउंसिलिग के समय प्रस्तुत करें।

नोट - अभ्यर्थी प्रवेश फार्म भरने के समय से लगातार पूरी बी एड के दोरान अध्यापक होना चाहिए।

प्रवेश योग्यता NCTE द्वारा निर्धारित की जाती है, जो समय-समय पर परिवर्तित की जाती है। अतः प्रवेश से पहले विद्यार्थी अपनी योग्यता जाँच अवश्य कर लें।

**प्रवेश प्रक्रिया** (NCTE द्वारा निर्धारित 500 सीटों के लिए) : यू. जी. में प्राप्त प्रतिशत के आधार पर (**सत्र में केवल एक बार जुलाई अथवा जनवरी में** )

**अवधि (Duration) :** : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 5 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी।

**कुल क्रेडिट** : 75

**शुल्क** : प्रथम वर्ष शुल्क Rs. **26,880** द्वितीय वर्ष शुल्क : **26,880** (प्रथम वर्ष के उपरान्त। द्वितीय वर्ष के प्रमोटी के रूप में ऑन लाइन फार्म भरते समय शुल्क की द्वितीय किश्त ली जायेगी।) **यदि राज्य सरकार इस शुल्क में कोई वृद्धि करती है तो उक्तानुसार शुल्क लिया जायेगा।**

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):**

**BED I Year (प्रथम वर्ष)**

**अनिवार्य पाठ्यक्रम ( Compulsory Courses )**

| क्रं सं ( S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक |
|---|---|---|---|
| 1. | Childhood and Growing Up (बचपन एवं विकास) | BED 101 | 6 |
| 2. | Contemporary India and Education (शिक्षा समकालीन भारत और) | BED 102 | 6 |
| 3. | Language across the Curriculum (पाठ्यक्रम में भाषा) | BED 103 | 3 |
| 4. | Understanding Disciplines and Subjects (अनुशासन एवं विषयों का अवबोध) | BED 104 | 3 |
| 5. | Reading and Reflecting on Texts (EPC) (मूल पाठों का पठन एवं उनकी मीमांसा) | BED 105 | 3 |
| 6. | Learning and Teaching (अधिगम एवं शिक्षण) | BED 106 | 6 |
| 7. | Assessment for Learning (अधिगम प्रक्रिया का आकलन) | BED 113 | 6 |
| 8. | Drama and Art in Education (EPC) (शिक्षा में अभिनय एवं कला) | BED 114 | 3 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| (Select any one from BED - 107 to BED -112 & BED 131) जो अपने स्नातक स्तर पर रहा हो। कोई एक चयनित विषय BED - 107 to BED -112 & BED 131 | | | |
| 9. | Pedagogy of General Science (सामान्य विज्ञान का शिक्षण शास्त्र) | BED 107 | 6 |
| 10. | Pedagogy of Mathematics (गणित का शिक्षण शास्त्र) | BED 108 | 6 |
| 11. | Pedagogy of Social Science (सामाजिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र) | BED 109 | 6 |
| 12. | Pedagogy of Hindi (हिन्दी का शिक्षण शास्त्र) | BED 110 | 6 |
| 13. | Pedagogy of English (अंग्रेजी का शिक्षण शास्त्र) | BED 111 | 6 |
| 14. | Pedagogy of Sanskrit (संस्कृत का शिक्षण शास्त्र) | BED 112 | 6 |
| 15. | Pedagogy of Financial Accountancy (वित्तीय लेखांकन का शिक्षण शास्त्र) | BED 131 | 6 |

**BED II Year (द्वितीय वर्ष)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 16. | Knowledge and Curriculum (ज्ञान एवं पाठ्यक्रम) | BED 115 | 6 |
| 17. | School Internship (विद्यालयी प्रशिक्षण) | BED116* | 12 |
| 18. | Gender, School and Society (जेंडर, विद्यालय एवं समाज) | BED 117 | 3 |
| 19. | Creating an Inclusive School (समावेशित विद्यालय का निर्माण) | BED 118 | 3 |
| 20. | Critical Understanding of ICT (EPC)(सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का समालोचनात्मक अवबोध) | BED 133 | 3 |
| 21. | Understanding the Self (EPC)(स्व-अवबोध) | BED 134 | 3 |
| (Select any one from BED - 119 to BED -132) कोई एक चयनित विषय BED - 119 to BED -132 | | | |
| 22. | Vocational/Work Education (व्यावसायिक/ कार्य शिक्षा) | BED 119 | 3 |
| 23. | Health and Physical Education (स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा) | BED 120 | 3 |
| 24. | Peace Education (शान्ति शिक्षा) | BED 121 | 3 |
| 25. | Guidance and Counselling (निर्देशन एवं परामर्श) | BED 122 | 3 |
| 26. | Pedagogy of Physics (भौतिकी का शिक्षण शास्त्र) | BED 123 | 3 |
| 27. | Pedagogy of Chemistry (रसायनशास्त्र का शिक्षण शास्त्र) | BED 124 | 3 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 28. | Pedagogy of Biology<br>(जीवविज्ञान का शिक्षण शास्त्र) | BED 125 | 3 |
| 29. | Pedagogy of Geography<br>(भूगोल का शिक्षण शास्त्र) | BED 126 | 3 |
| 30. | Pedagogy of History<br>(इतिहास का शिक्षण शास्त्र) | BED 127 | 3 |
| 31. | Pedagogy of Civics<br>(नागरिकशास्त्र का शिक्षण शास्त्र) | BED 128 | 3 |
| 32. | Pedagogy of Economics<br>(अर्थशास्त्र का शिक्षण शास्त्र) | BED 129 | 3 |
| 33. | Pedagogy of Home Science<br>(गृहविज्ञान का शिक्षण शास्त्र) | BED 130 | 3 |
| 34. | Pedagogy of Business Organisation<br>व्यावसायिक संगठन का शिक्षण शास्त्र | BED 132 | 3 |

**संपर्क शिविर (Camp/Workshop):** NCTE के मानक के अनुसार बी.एड.पाठ्यक्रम में पंजीकृत विद्यार्थी को प्रति वर्ष में 6 दिनों की कार्यशाला में अपने आवंटित अध्ययन केंद्र पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। इस कार्यशाला में शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी अन्यथा विद्यार्थियों को सत्रांत परीक्षा में शामिल होने नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक वर्ष की कार्यशाला मई /जून माह में आयोजित की जाएगी अर्थात ग्रीष्मकालीन अवकाश में आयोजित की जाएगी। यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित कार्यशाला में अपनी शत-प्रतिशत उपस्थिति पूरी नहीं कर पाता है तो वह अगले वर्ष की कार्यशाला में डिफाल्टर फीस जमा कराकर अपनी शत-प्रतिशत उपस्थिति पूरी कर सत्रांत परीक्षा में शामिल हो सकता है।

**प्रेक्टिस टीचिंग : -**

BED 116 प्रश्न पत्र के अन्तर्गत प्रेक्टीस टीचींग एवं अन्य विद्यालयी प्रायोगिक कार्य द्वितीय वर्ष में अगस्त से दिसम्बर के मध्य विद्यार्थी को किसी उच्च प्राथमिक अथवा माध्यमिक विद्यालय में यह कार्य करना होगा। प्रथम विषय में 18 पाठ द्वितीय विषय में 12 पाठ देने होगें। विस्तृत विवरण BED 116 की संदर्शिका एवं बी.एड प्रवेश के दोरान online उपलब्ध की गई प्रवेश विवरणिका में दिया हुआ है।

**फाइनल लेसन** – वह विद्यार्थी जिन्होंने प्रथम शिक्षण विषय के 18 पाठ द्वितीय शिक्षण विषय के 12 पाठ आर्थात कुल 30 पाठ विधालयो में पढ़ा लिये हो एवं इंटर्नशिप के सभी घटक पूरे कर लिए हो उन्ही ही फाइनल लेसन देने दिया जाएगा जो की बी.एड. द्वितीय वर्ष के फरवरी एवं मार्च माह में सामान्तया: आयोजित होता है |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

**आंतरिक कार्य (सत्रीय कार्य ) :** प्रत्येक विषय ( BED 105, BED 114, BED 116, BED 133 तथा BED 134 को छोड़कर) जिनका पूर्णांक 100 है, उनमें आंतरिक कार्य 30 अंकों का तथा जिसका पूर्णांक 50 है उनमें आंतरिक कार्य 15 अंकों का होगा।
BED 105, BED 114, BED 116, BED 134 विद्यालयी गतिविधियों से संबंधित है, इन विषयों की उपलब्ध पुस्तकों में दिये निर्देशों के अनुरूप विद्यालय में गतिविधि करके प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनानी होगी जिसे उस विधालय के शाला प्रधान से अग्रेसित करना होगा तत्पश्चात 15 मई तक परीक्षा नियंत्रक वर्धमान महावीर खुला विश्वविधालय कोटा को बाह्य मूल्यांकन हेतु रजिस्टर्ड डाक अथवा स्पीड पोस्ट द्वारा भिजवाना होगा। BED 133 कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा द्वितीय वर्ष के संपर्क शिविर की समाप्ति के अगले दिन आयोजित होगी|
**सत्रांत (मुख्य परीक्षा)**: प्रत्येक सत्र के अंत में 100 पूर्णांक वाले विषय में 70 अंक तथा 50 पूर्णांक वाले विषय में 35 अंक के लिए विद्यार्थी को क्रमशः तीन घंटे की लिखित परीक्षा देनी होगी। विद्यार्थियों को दोनों परीक्षाओं में अलग-अलग (आंतरिक एवं सत्रांत) उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। किसी भी विषय में उतीर्ण होने के लिए न्यूनतम 36% अंक आंतरिक एवं सत्रांत परीक्षा दोनों में अलग-अलग लाना अनिवार्य होगा। परन्तु आंतरिक एवं सत्रांत दोनों को मिलाकर 36% अंक लाने वाला विद्यार्थी ही उत्तीर्ण माना जाएगा। अंक तालिका में

सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अला-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

## बी.एड. कार्यक्रम में डिफाल्टर विद्यार्थियों के लिए निर्देश

बी.एड. कार्यक्रम में प्रवेश लेने के उपरान्त प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष की परीक्षा होने के पश्चात् विद्यार्थी पिछले वर्ष के किसी घटक को नहीं कर पाता है तो अगले वर्ष वह उस घटक के लिए डिफाल्टर के रूप में परीक्षा देने के लिए पात्र माना जाता है।

1. **सम्पर्क शिविर डिफाल्टर:-** बी.एड. कार्यक्रम के सम्पर्क शिविर NCTE मानदण्डानुसार प्रतिवर्ष गीष्मावकाश मई माह में ही आयोजित होते हैं जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी को प्रति वर्ष अनिवार्यतः शत प्रतिशत उपस्थित होना अनिवार्य होता है। प्रथम वर्ष 16 मई से 21 मई, द्वितीय वर्ष 23 मई से 28 मई तिथि निश्चित है। इन सम्पर्क शिविर को अनिवार्य गतिविधि के रूप में करना है। इस हेतु डिफाल्टर विद्यार्थी 1000/- का चालान पंजाब नेशनल बैंक में जमा कराकर संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र से सम्पर्क शिविर आरम्भ होने से पूर्व अनुमति जारी करवा के अध्ययन केन्द्र पर पहुच कर सम्पर्क शिविर में भाग लेगा।

2. **बी.एड. 133 ICT प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) डिफाल्टर:-** चूंकि यह परीक्षा द्वितीय वर्ष के सम्पर्क शिविर की समाप्ति के उपरान्त अगले दिन 29 मई को ही आयोजित होना संभव है। अतः विद्यार्थी को प्रति वर्ष अप्रेल माह में आन लाइन पोर्टल पर 1000/- शुल्क जमा कराना अनिवार्य है। तभी विद्यार्थी को प्रायोगिक परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। बी.एड. 133 प्रश्न पत्र का आन लाइन पोर्टल दिसम्बर परीक्षा में खुला हो तो भी आवेदन नहीं करें। क्योंकि इसकी परीक्षा मई माह में अध्ययन केन्द्र पर ही होती है। अलग से परीक्षा शहर का चयन नहीं करें।

3 **(a) ईण्टर्नशीप बी.एड. 116 PJ डिफाल्टर:-** ईण्टर्नशीप की गतिविधि क्रम संख्या 1 से 10 विद्यालयों में आयोजित की जाती है। जिसकी प्रोजेक्ट फाईल बनाकर विद्यार्थी डाक द्वारा परीक्षा नियंत्रक को बाह्य मूल्यांकन हेतु भेजता है। इसके लिए 200/- डिफाल्टर शुल्क निर्धारित है। विद्यार्थी को अक्टूबर माह में आन लाइन पोर्टल पर बी.एड. 116 PJ कोड पर 200/- रूपये जमा कराना होगा। तभी प्रोजेक्ट का मूल्यांकन होगा। यद्यपि वह अपनी विद्यालयी गतिविधि प्रोमोटी फार्म भरने के पश्चात् 1 सितम्बर से प्रारम्भ कर सकता है। प्रोजेक्ट पूर्ण होने के पश्चात् विद्यार्थी उसे जनवरी माह में परीक्षा नियंत्रक को डाक के द्वारा भिजवायें।

**(b) बी.एड. ईण्टर्नशीप (पेपर कोर्ड BED 116 PT) डिफाल्टर:-** ईण्टर्नशीप की गतिविधि क्रम संख्या 11 एवं 12 प्रेक्टिस टीचिंग से संबंधित है विद्यार्थी विद्यालयों में प्रथम शिक्षण विषय के18 एवं द्वितीय शिक्षण विषय के 12 कुल 30 पाठ विद्यालय में पढ़ायेगे। इस गतिविधि का कोड BED 116 PT है। अतः विद्यार्थी अक्टूबर माह में आन लाइन पोर्टल पर BED116 PT कोड पर 1000/- रूपये डिफाल्टर शुल्क जमा करायेगा। तभी यह गतिविधि मान्य होगी तथा प्रधानाध्यापक द्वारा क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक को अग्रेषित 60 अंक परीक्षा रिकार्ड में इन्द्राज होंगे। इसे दिसम्बर परीक्षा के लिए इन्द्राज किया जाएगा।

**(c) फाइनल लेसन (पेपर कोर्ड BED 116F) डिफाल्टर:-** चूँकि यह परीक्षा फरवरी द्वितीय सप्ताह से मार्च माह तक अध्ययन केन्द्रों पर ही आयोजित की जाती है। इसमें भी परीक्षा शहर बदलने का प्रावधान नहीं है। अतः डिफाल्टर विद्यार्थी को इस हेतु अक्टूबर माह में आन लाइन पोर्टल पर पेपर कोड BED116F पर 1000/- जमा कराने होंगे, तभी इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। इस परीक्षा के अंक परीक्षा विभाग के रिकार्ड में दिसम्बर परीक्षा के रूप में इंद्राज किए जाएगे। फाइनल लेसन के लिए अलग से शहर का चुनने का प्रावधान नहीं है। यह आपके अध्ययन केन्द्र पर ही आयोजित होगी। अत: परीक्षा केन्द्र हेतु उसी शहर का चयन करें।

4. **सैद्धान्तिक प्रश्न पत्रों के डिफाल्टर :-** पिछले सत्र की सैद्धान्तिक परीक्षा के किसी प्रश्न पत्र में परीक्षा नहीं दे पाये हों या अनुत्तीर्ण हो गये हों तो उसे अगले सत्र में दो बार दिसम्बर परीक्षा के साथ अथवा जून परीक्षा के साथ दिया जा सकता है। जिनके आन लाइन परीक्षा आवेदन मय शुल्क क्रमश: अक्टूबर माह अथवा अप्रेल माह में भर कर ही परीक्षा में बैठा जा सकता है।

| डिप्लोमा कार्यक्रम (Diploma Programme) | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्र सं.** | **कार्यक्रम का नाम (Name of Programme)** | **कार्यक्रम कोड (Prog. Code)** | **प्रवेश योग्यता (Eligibility)** | **अवधि (Duration) न्यूनतम** | **अधिकतम** | **कार्यक्रम शुल्क (Prog. Fee)** | **SLM का माध्यम (Medium)** |
| 1. | संस्कृति एवं पर्यटन में डिप्लोमा Diploma in Culture and Tourism | DCT | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सैकैण्डरी उत्तीर्ण या वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा से सीसीटी उत्तीर्ण | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs.3900/- | हिन्दी |
| 2. | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा Diploma in Library and Information Science | DLIS | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष अथवा 1989 तक हायर सैकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण। किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण अथवा उसके समकक्ष; अथवा मान्यता प्राप्त विद्यालय से 8वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी जिसे किसी जिला या सार्वजनिक पुस्तकालय अथवा शैक्षणिक पुस्तकालय अथवा विशिष्ट पुस्तकालय में कार्य करने का 5 वर्ष का अनुभव है। | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs.4100/- | हिन्दी |
| 3. | राजस्थान की सामाजिक समस्याओं में डिप्लोमा Diploma in Social Problems of Rajasthan | DSPR | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण या 18 वर्ष की उम्र का व्यक्ति। | 1 वर्ष | 2 वर्ष | पुरूषों के लिए Rs.2500/- महिलाओं के लिए Rs.1500/- | हिन्दी |
| 4. | जल ग्रहण प्रबंध में डिप्लोमा Diploma in Watershed Management | DWSM | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs.3000/- | हिन्दी |
| 5 | अपभ्रंश भाषा में डिप्लोमा Diploma in Apabhransha Language | DAL | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण अथवा सीएएल उत्तीर्ण | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs.2500/- | हिन्दी |
| 6. | प्राकृत भाषा में डिप्लोमा Diploma in Prakrit Language | DPL | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs.2500/- | हिन्दी |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | बोर्ड से हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण अथवा सीपीएल उत्तीर्ण | | | | |
| 7. | डिप्लोमा इन मास कम्यूनिकेशन<br>Diploma Mass Communication | DMC | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs.4800/- | हिन्दी |
| 8. | योग विज्ञान में डिप्लोमा<br>Diploma in Yoga Science | DYS | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs.5800/- | हिन्दी |

## ऑनलाइन डिप्लोमा कार्यक्रम

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कंप्यूटर अनुप्रयोग में डिप्लोमा (ऑनलाइन)<br>Diploma in Computer Application (Online) | DCA-OL | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष अथवा 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण। | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs.8700/- | अंग्रेजी |
| 2. | पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा (ऑनलाइन)<br>Diploma in Library and Information Science (Online) | DLIS-OL | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकेण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष अथवा 1989 तक हायर सैकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण। खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण अथवा उसके समकक्ष; अथवा मान्यता प्राप्त विद्यालय से 8वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी जिसे किसी जिला या सार्वजनिक पुस्तकालय अथवा शैक्षणिक पुस्तकालय अथवा विशिष्ट पुस्तकालय में कार्य करने का 5 वर्ष का अनुभव है। | 1 वर्ष | 2 वर्ष | Rs.4100/- | अंग्रेजी / हिन्दी |

# संस्कृति एवं पर्यटन में डिप्लोमा
# (Diploma in Culture and Tourism) Programme Code : DCT

**उद्देश्य (Objectives):**

- संस्कृति व पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार अवसर।
- पर्यटन, इतिहास, कला एवं संस्कृति के विविध स्तरोंपर कार्यरत कार्मिकों तथा उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को समुचित शिक्षा व प्रशिक्षण।
- पर्यटन सेवाओं के विषय में बुनियादी तथा विशेषीकृत प्रशिक्षण का समावेश।
- भारतीय तथा राजस्थानी संस्कृति व परम्पराओं के क्षेत्र में जीविका आधारित पाठ्यक्रमों का व्यवहार्य संयोजन।
- भारतीय तथा राजस्थानी सांस्कृतिक विरासतें तथा पर्यटन के विषय में चेतना का सृजन।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकेण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उतीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सैकैण्डरी उत्तीर्ण या वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा से सीसीटी उत्तीर्ण

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 30

**शुल्क (Fee)** : Rs. 3900/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** इस कार्यक्रम में निम्नांकित पाँच पाठ्यक्रम हैं :

| **क्र. सं.** (S.No.) | **पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course) | **पाठ्यक्रम कोड** (Course Code) | **श्रेयांक** (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | भारत के निवासियों की परम्पराओं एवं संस्कृति की एक रूपरेखा | DCT -01 | 6 |
| 2. | राजस्थान के निवासियों की परम्पराएँ तथा संस्कृति पर्यटन विषयक परिप्रेक्ष्य (राज्य तथा समाज) | DCT -02 | 6 |
| 3. | राजस्थान के निवासियों की परम्पराएँ तथा संस्कृति पर्यटन विषयक परिप्रेक्ष्य (कला एवं शिल्प) | DCT -03 | 6 |
| 4. | राजस्थान में यात्रा एवं पर्यटन | DCT -04 | 6 |
| 5. | प्रोजेक्ट * | DCT -05 | 6 |

**प्रोजेक्ट (Project) -** पाठ्यक्रम संख्या डीसीटी -05 का प्रोजेक्ट 100 अंकों का होगा। प्रोजेक्ट प्रत्येक विद्यार्थी को तैयार करना होगा , जिसका उद्देश्य विद्यार्थी को पर्यटन व संस्कृति का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कराना है। विद्यार्थी विविध पाठ्यक्रमों (डीसीटी -01 से डीसीटी -04) में समाहित विषयों में से किसी एक विशिष्ट अध्ययनन क्षेत्र का चयन कर सकता हैI विषय चयन हेतु क्षेत्रीय परामर्शदातायों व विभागाध्यक्ष, भारतीय संस्कृति एवं परम्परा, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय , कोटा से प्रवेश सूचना प्राप्त होने के तुरंत बाद संपर्क कर परामर्श ले सकता हैI प्रोजेक्ट लगभग 10000 शब्दों का होना चाहिए, जो ए-4 साइज के पृष्ठ पर टंकित हो व स्पाइरल बाईंड हो। यह प्रोजेक्ट व्यक्तिगत रूप से या रजिस्टर्ड डाक से परीक्षा नियंत्रक को परीक्षा से एक माह पूर्व अनिवार्य रूप से पंहुच जाना चाहिए। इसके बाद प्राप्त होने वाले प्रोजेक्ट को अगले वर्ष के विद्यार्थियों के साथ शामिल किया जायेगा व उसे परीक्षा फार्म भी भरना पड़ेगा।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :** कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि अर्थात 1 वर्ष के बाद लिखित परीक्षा आयोजित की जायेगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी –

प्रथम श्रेणी- 60 % एवं अधिक] द्वितीय श्रेणी- 48 % या अधिक एवं 60 % से कम ] उत्तीर्ण- 36 % या अधिक एवं 48 % से कम

# पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा
# (Diploma in Library and Information Science)
# Programme Code : DLIS

**उद्देश्य (Objectives):**

- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र का प्रारंभिक ज्ञान प्रदान करना।
- पुस्तकालय संचालन संबंधी प्रक्रियाओं तथा नित्यचर्या का प्रशिक्षण प्रदान करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग का ज्ञान प्रदान करना।
- विद्यालय पुस्तकालयों के लिये पुस्तकालयाध्यक्ष तथा विभिन्न प्रकार के पुस्तकालयों में कार्य कर ने की क्षमता वाले अर्द्ध-व्यवसायी स्तर के कुशल तकनीशियन तैयार करना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष अथवा 1989 हायर सैकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण। किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण अथवा उसके समकक्ष; अथवा मान्यता प्राप्त विद्यालय से 8वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी जिसे किसी सार्वजनिक पुस्तकालय अथवा शैक्षणिक पुस्तकालय अथवा विशिष्ट पुस्तकालय में कार्य करने का 5 वर्ष का अनुभव है।

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 36

**शुल्क (Fee)** : Rs. 4100/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** इस कार्यक्रम में निम्नांकित छः पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) हैं।

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | पुस्तकालय वर्गीकरण एवं सूचीकरण -सिद्धांत | DLIS -01 | 6 |
| 2. | पुस्तकालय वर्गीकरण – प्रायोगिक | DLIS -02 | 6 |
| 3. | पुस्तकालय सूचीकरण - प्रायोगिक | DLIS -03 | 6 |
| 4. | पुस्तकालय नित्यचर्या एवं संदर्भकार्य | DLIS -04 | 6 |
| 5. | विद्यालय एवं सार्वजनिक पुस्तकालय | DLIS -05 | 6 |
| 6. | सूचना सेवाएँ एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग | DLIS -06 | 6 |

नोट- यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभी सात क्षेत्रीय केंद्र स्थित मॉडल अध्ययन केंद्र पर संचालित किया जायेगा।

परामर्श सत्र एवं सम्पर्क शिविर - परामर्श एवं सम्पर्क शिविर विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र पर आयोजित किये जायेंगे :

(I) DLIS-01,04,05,06 पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किये जाएंगे।

(II) DLIS-02 एवं 03 पाठ्यक्रमों के लिए संपर्क शिविर आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों की दो-तिहाई सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य होगी।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र ) 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - | 60% एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - | 48% एवं 60% से कम |
| उत्तीर्ण | - | 36% एवं 48% से कम |

# राजस्थान की सामाजिक समस्याओं में डिप्लोमा
# (Diploma in Social Problems of Rajasthan)
# Programme Code : DSPR

**उद्देश्य (Objectives):**

- राजस्थान में व्याप्त विभिन्न प्रकार की सामाजिक कुरीतियों एवं समस्याओं के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाना एवं उनसे होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- बालिकाओं से संबंधित समस्याओं जैसे कन्या भ्रूण हत्या -, बालविवाह, बालिकाओं के स्वास्थ्य इत्यादि के बारे में जागरूकता पैदा करना। बालिकाओं में अशिक्षा आदि से उत्पन्न दुष्परिणामों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाना।
- महिलाओं के पिछडेपन के कारण एवं परिणाम बताना और उन्हें दूर करने के बारे में जानकारी देना।
- राज्य में नशे की स्थिति से अवगत कराना और स्वयं व्यक्ति पर एवं समाज पर पड़ने वाले दुष्परिणामों एवं नशा मुक्ति के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाना।
- नशा मुक्ति के बारे में पारित कानूनों की जानकारी देना एवं सामाजिक समस्याओं के निवारण में राज्य, पुलिस, मीडिया एवं एन.जी.ओ. की भूमिका से अवगत करवाना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकेण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उतीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सैकेण्डरी उत्तीर्ण या 18 वर्ष की उम्र का व्यक्ति।

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 30

**शुल्क (Fee)** : पुरुषों के लिए Rs.2500/; महिलायों के लिए Rs.1500/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** इस कार्यक्रम में निम्नांकित चार पाठ्यक्रम हैं:

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | महिला प्रस्थिति: विविध आयाम | DSPR - 01 | 6 |
| 2. | सामाजिक समस्याएँ एवं व्यसन : नवीन प्रवृत्तियाँ एवं विकृत्तियाँ | DSPR - 02 | 6 |
| 3. | सामाजिक समस्याएँ : राज्य, प्रशासन एवं सामाजिक परिवर्तन | DSPR - 03 | 6 |
| 4. | व्यावहारिक एवं स्वजनित प्रस्तुतीकरण प्रायोगिक एवं व्यावहारिक कार्य (अपनी क्षेत्रीय समस्याओं में से किसी एक पर प्रतिवेदन) * | DSPR - 04 | 12 |

नोट- यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र स्थित मॉडल अध्ययन केंद्र पर संचालित किया जायेगा।

* DSPR-04 पाठ्यक्रम में विद्यार्थी को अपने क्षेत्र से संबंधित किसी सामाजिक समस्या जैसे कन्या भ्रूण हत्या, वृद्ध व्यक्तियों की समस्या, बालिका शिक्षा की समस्या, विधवा महिलाओं की समस्या, नशे की समस्या, नशे के कारण व्यक्ति, परिवार, समाज पर पड़ने वाले दुष्परिणाम आदि में से किसी भी एक समस्या पर 20—25 पेज की एक रिपोर्ट बनाकर परीक्षा नियंत्रक के यहां सत्रांत परीक्षा से एक माह पूर्व जमा करवानी होगी।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :** न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रथम तीन प्रश्न पत्रों की तीन घंटे की लिखित सत्रांत परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र) में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी - 60 % एवं अधिक, द्वितीय श्रेणी - 48 % या अधिक एवं 60 % से कम

उत्तीर्ण - 36 % या अधिक एवं 48 % से कम

# जल ग्रहण प्रबंध में डिप्लोमा
# (Diploma in Watershed Management)
# Programme Code : DWSM

**उद्देश्य (Objectives):**

- प्रत्येक चयनित जलग्रहण क्षेत्र में भूमि का संरक्षण करने के उपाय कर कृषि उत्पाद व आमदनी में वृद्धि करना।
- जल संसाधनों के विकास के लाभ के लिए जल ग्रहण प्रबंधन, संरक्षण व प्रगति को बढाना।
- जलग्रहण क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाएँ जैसे - सूखा आदि की रोकथाम के लिए प्राकृतिक संसाधनों को बढावा देना।
- जलग्रहण क्षेत्र के सामान्य आर्थिक विकास के संसाधनों एवं लाभान्वितों का स्तर बढाना ताकि क्षेत्र में रहने वाले विभिन्न समाज के लोगों में असमानता कम हो सके।
- प्राकृतिक संसाधनों के सक्षम उपयोग के लिए जलग्रहण क्षेत्र के सामुदायिक संगठन को मजबूत बनाना ।
- रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकेण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सैकेण्डरी उत्तीर्ण

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 30

**शुल्क (Fee)** : Rs. 3000/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** इस कार्यक्रम में निम्नांकित पांच पाठ्यक्रम हैं

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | जलग्रहण विकास-सिद्धान्त एवं रणनीति | DWSM - 01 | 6 |
| 2. | जलग्रहण विकास गतिविधियाँ-आयोजन चरण | DWSM --02 | 6 |
| 3. | जलग्रहण विकास क्रियान्वयन चरण | DWSM - 03 | 6 |
| 4. | जलग्रहण प्रबंधन एवं फील्ड वर्क | DWSM - 04 | 6 |
| 5. | प्रोजेक्ट* | DWSM - 05 | 6 |

**नोट- यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र स्थित मॉडल अध्ययन केंद्र पर संचालित किया जायेगा।**

* पांचवा पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट (पाठ्यक्रम कोड डीडब्ल्यूएसएम -05) 100 अंकों का होगा, जिसे विश्वविद्यालय में विद्यार्थी द्वारा जमा कराना होगा। विश्वविद्यालय द्वारा प्रोजेक्ट संबंधित विषय डीडब्ल्यूएसएम -01 से 04 पाठ्यक्रमों को ध्यान मे रखते हुए निर्धारित किया जायेगा। विषय सूची विश्वविद्यालय के वेबसाईट पर सत्रानुसार अपलोड कर दी जायेगी। विद्यार्थी को विषय सूची में से किसी एक विषय का चयन कर प्रोजेक्ट कार्य करना होगा। ये लगभग 5,000 शब्दो का होना चाहिए, जो ए-4 साईज के पृष्ठ पर अंकित हो व स्पाइरल बाइण्ड हो। यह प्रोजेक्ट रिपोर्ट व्यक्तिगत रूप से या रजिस्टर्ड डाक से परीक्षा नियत्रंक को परीक्षा से एक माह पूर्व अनिवार्य रूप से पहुँच जाना चाहिए।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :** न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम (DWSM-05 छोडकर) में तीन घंटे की लिखित सत्रांत परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।

सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी - 60% एवं अधिक, द्वितीय श्रेणी- 48% एवं 60% से कम, उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

# अपभ्रंश भाषा में डिप्लोमा (Diploma in Apabhransha Language)

## Programme Code : DAL

**उद्देश्य (Objectives):**

- अपभ्रंश भाषा एवं साह्त्यि के ज्ञान में अभिवृद्धि करते हुए प्रकाशित साहित्य का संपादन करना ।
- राष्ट्रभाषा हिन्दी की मूल उत्पत्ति, प्रकृति एवं प्रवृत्ति से परिचित होना।
- लोक चेतना को हृदयंगम करते हुए प्रांतीय भाषाओं के अध्ययन को पूर्णता प्रदान करना ।
- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान करना ।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसी पी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सैकेण्डरी उत्तीर्ण अथवा सीएएल उत्तीर्ण

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 30

**शुल्क (Fee)** : Rs. 2500/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** इस कार्यक्रम में निम्नांकित चार पाठ्यक्रम हैं-:

| **क्र. सं.** (S.No.) | **पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course) | **पाठ्यक्रम कोड** (Course Code) | **श्रेयांक** (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | अपभ्रंश का आदिकाव्य 'पउमचरिउ' | DAL - 01 | 06 |
| 2. | अपभ्रंश गद्य-पद्य एवं छन्द विवेचन | DAL - 02 | 06 |
| 3. | अपभ्रंश व्याकरण एव रचना | DAL - 03 | 06 |
| 4. | पाण्डुलिपि विज्ञान एवं अपभ्रंश पाण्डुलिपियाँ | DAL - 04 | 06 |
| 5. | प्रोजेक्ट* | DAL - 05 | 06 |

* पाँचवा पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट (पाठ्यक्रम कोड DAL-05) 100 अंकों का होगा, जिसे विश्वविद्यालय में विद्यार्थी द्वारा जमा कराना होगा। विश्वविद्यालय द्वारा प्रोजेक्ट संबंधित विषय DAL -01 से 04 पाठ्यक्रमों को ध्यान मे रखते हुए निर्धारित किया जायेगा। विषय सूची विश्वविद्यालय के वेबसाईट पर उपलब्ध है। विद्यार्थी को विषय सूची मे से किसी एक विषय का चयन कर प्रोजेक्ट कार्य करना होगा। ये लगभग 5,000 शब्दों का होना चाहिए, जो ए-4 साईज के पृष्ठ पर अंकित हो व स्पाइरल बाइण्ड हो। यह प्रोजेक्ट रिपोर्ट व्यक्तिगत रूप से या रजिस्टर्ड डाक से परीक्षा नियत्रंक को परीक्षा से एक माह पूर्व अनिवार्य रूप से पहुँच जानी चाहिए।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद विद्यार्थी को लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम (DAL-05 छोडकर) के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी -

प्रथम श्रेणी - 60 % एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48 % या अधिक एवं 60 % से कम उत्तीर्ण - 36 % या अधिक एवं 48 % से कम

# प्राकृत भाषा में डिप्लोमा (Diploma in Prakrit Language)

## Programme Code : DPL

**उद्देश्य (Objectives):**

- प्राकृत भाषा एवं साहित्य के ज्ञान में अभिवृद्धि करते हुए अप्रकाशित साहित्य का संपादन करना।
- प्राकृत से उद्भूत अपभ्रंश भाषा के विकास के प्रेरणा स्रोतों तथा राष्ट्रभाषा हिन्दी के आदि आधारों को समझना।
- प्रवेश प्राप्त विषय में सघन ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान करना ।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अपभ्रंश गद्य-पद्य एवं छन्द विवेचन अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी/बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सैकैण्डरी उत्तीर्ण अथवा सीपीएल उत्तीर्ण

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 30

**शुल्क (Fee)** : Rs. 2500/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** इस कार्यक्रम में निम्नांकित चार पाठ्यक्रम हैं-:

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रमुख प्राकृत भाषाएँ एवं प्राकृत साहित्य की विविध विधाऐं | DPL - 01 | 06 |
| 2. | प्राकृत गद्य-पद्य | DPL - 02 | 06 |
| 3. | प्राकृत व्याकरण एवं रचना | DPL - 03 | 06 |
| 4. | पाण्डुलिपि विज्ञान एवं प्राकृत पाण्डुलिपियां | DPL -04 | 06 |
| 5. | प्रोजेक्ट* | DPL - 05 | 06 |

* पाँचवा पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट (पाठ्यक्रम कोड DPL-05) 100 अंकों का होगा, जिसे विश्वविद्यालय में विद्यार्थी द्वारा जमा कराना होगा। विश्वविद्यालय द्वारा प्रोजेक्ट संबंधित विषय DPL-01 से 04 पाठ्यक्रमों को ध्यान मे रखते हुए निर्धारित किया जायेगा। विषय सूची विश्वविद्यालय के वेबसाईट पर पर उपलब्ध है। विद्यार्थी को विषय सूची में से किसी एक विषय का चयन कर प्रोजेक्ट कार्य करना होगा। ये लगभग 5,000 शब्दों का होना चाहिए, जो ए-4 साईज के पृष्ठ पर अंकित हो व स्पाइरल बाइण्ड हो। यह प्रोजेक्ट रिपोर्ट व्यक्तिगत रूप से या रजिस्टर्ड डाक से परीक्षा नियत्रंक को परीक्षा से एक माह पूर्व अनिवार्य रूप से पहुँच जानी चाहिए।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद विद्यार्थी को लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम (DPL-05 छोडकर) के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी -

प्रथम श्रेणी - 60 % एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48 % या अधिक एवं 60 % से कम उत्तीर्ण - 36 % या अधिक एवं 48 % से कम

# डिप्लोमा इन मास कम्यूनिकेशन
# (Diploma in Mass Communication)
# Programme Code : DMC

**उद्देश्य (Objectives):**

- मीडिया के आधारभूत ज्ञान की अभिवृद्धि करना।
- पत्रकारिता के विभिन्न आयामों की प्रारंभिक जानकारियां प्रदान करना।
- अखबार, पत्रिका, टीवी चैनलों और साइबर मीडिया में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से हायर सेकैण्डरी उत्तीर्ण

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 30

**शुल्क (Fee)** : Rs. 4800/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** इस कार्यक्रम में निम्नांकित पाँच पाठ्यक्रम हैं -:

| क्र.स. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | जनसंचार और पत्रकारिता : एक परिचय (Mass Communication & Journalism: An Introduction) | DMC-01 | 6 |
| 2. | विज्ञापन एवं जनसम्पर्क (Advertising & Public Relations) | DMC-02 | 6 |
| 3. | इलेक्ट्रानिक मीडिया (Electronic Media) | DMC-03 | 6 |
| 4. | मीडिया कानून (Media Laws) | DMC-04 | 6 |
| 5. | प्रायोगिक प्रश्नपत्र (Practical Paper) | DMC-05 | 6 |

**परीक्षा प्रणाली ( Examination Pattern ) :**

**सत्रांत मुख्य परीक्षा-** न्यूनतम अवधि यानी एक वर्ष के बाद विद्यार्थी को हर पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित परीक्षादेनी होगी। हर प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। हर पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए 36 % अंक सत्रांत परीक्षा में लाना अनिवार्य है DMC-05 का प्रश्नपत्र प्रायोगिक प्रश्नपत्र का होगा। इसके लिए कोई पाठ्य सामग्री नहीं दी जाएगी। यह प्रश्न पत्र **100** अंकों का होगा। इसके लिए दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए जाएंगे। यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर देना होगा। इसमें समाचार पत्रों, चैनलों और समाचार वेबसाइटों से मिलने वाली जानकारियों के आधार पर सवाल पूछे जाएंगे। इसमें समाचार लेखन, अनुवाद, इंटरव्यू, फीचर, स्तंभ लेख, संस्मरण, यात्रा, खेल, भेंटवार्ता, मेले और प्रदर्शनियां तथा अखबारों-चैनलों में कामकाज की शब्दावली के अलावा सामयिक महत्व के विषयों पर सवाल आधारित होंगे। इसमें कोई भी सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य नहीं दिया जाएगा। विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी। **प्रथम श्रेणी** - 60 % एवं अधिक, **द्वितीय श्रेणी** - 48 % एवं 60 % से कम, **उत्तीर्ण** - 36 % एवं 48 % से कम

# योग विज्ञान में डिप्लोमा
# (Diploma in Yoga Science)
# Programme Code : DYS

**उद्देश्य (Objectives):**

- जन सामान्य को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य वृद्धि में योग के महत्त्व की जानकारी प्रदान करना ।
- योग द्वारा जीवन शैली में सुधार की चेतना जागृत करना ।
- शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को योग द्वारा उन्नत करना।
- योग एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में रोजगार हेतु प्रशिक्षित करना आदि ।

**प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2 उत्तीर्ण अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 30

**शुल्क (Fee)** : Rs. 5800/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम निम्नलिखित है :

| **क्र. सं.** S.N. | **पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course) | **पाठ्यक्रम का कोड़** (Course Code) | **श्रेयांक** (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | सम्पूर्ण योग परिचय | DYS-01 | 6 |
| 2. | मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान | DYS -02 | 6 |
| 3. | आहार एवं पोषण विज्ञान | DYS -03 | 6 |
| 4 | हठ योग एवं योग विज्ञान | DYS -04 | 6 |
| 5 | प्रायोगिक (योग का व्यावहारिक एवं क्रियात्मक अभ्यास ) | DYS -05 | 6 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

प्रत्येक पाठ्यक्रम की 100 अंकों की परीक्षा होगी, जिसके अंतर्गत प्रथम चार प्रश्न पत्र DYS -01, DYS -02, DYS -03, DYS -04 की तीन घंटे की सैद्धांतिक लिखित परीक्षा होगी तथा DYS -05 की प्रायोगिक परीक्षा पांच दिवसीय (कुल 30 घंटे ) प्रायोगिक संपर्क शिविर के उपरांत होगी। प्रायोगिक संपर्क शिविर में विद्यार्थी की न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है।

सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जायेगी।

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - | 60 प्रतिशत एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - | 48 प्रतिशत या अधिक एवं 60 प्रतिशत से कम |
| उत्तीर्ण | - | 36 प्रतिशत या अधिक एवं 48 प्रतिशत से कम |

***विशेष** : यह कार्यक्रम किसी अन्य उपाधि BAMS, BNYS, MBBS के समकक्ष नहीं है।

**कंप्यूटर अनुप्रयोग में डिप्लोमा (ऑनलाइन)**

# Diploma in Computer Application (Online)

## Programme Code : DCA-OL

**Admission eligibility:** Senior Secondary 10+2 examination pass or equivalent from any recognised Board. Passed Higher Secondary from Rajasthan Board of Secondary Education, Ajmer by 1989

**Mode of delivery:** Online

**Duration:** Minimum 1 year and Maximum 2 years

**Medium:** English

**Fee:** Rs.8700/-

| DCA (Online) | | | |
|---|---|---|---|
| **S.No.** | **Name of Course** | **Course Code** | **Credit** |
| 1. | Introduction to Computer Science | DCA-101 | 6 |
| 2. | Operating System | DCA-102 | 6 |
| 3. | Database Management System | DCA-103 | 6 |
| 4 | Web Authoring Tools | DCA-104 | 6 |
| 5. | Computer Applications in Corporate World | DCA-105 | 6 |
| 6. | Practical of Computer Application | DCA-106 | 6 |

**Note**: - The maximum marks for each course will be 100. The student will have to obtain minimum 36% marks to pass the course.

Five courses (DCA-101 to DCA-105) will have theory examinations, while DCA-106 will be practical.

The Learning Management System (LMS) will be provided for every theory course. Students have to login to the LMS provided by the university. The LMS follows 4-Quadrands approach that are Quadrant-I (e-text), Quadrant-II (Learning Videos), Quadrant-III (Assessment), and Quadrant-IV (Discussion Forum). Students have to complete these quadrants. The student has minimum participation of 75% in all activities (quadrands) of Online Programme prior to term end examination. The login credentials of LMS shall be provided to the enrolled students instead of the hard copy of SLMs.

Students have to attend 10 days of practical camp followed by the practical examination. At least 75% attendance is compulsory in the practical camp otherwise students will not be permitted to appear in particle examination.

**Practical Paper Contents**: MS-Office, MS- PowerPoint, MS-Excel, MS-SQL/Access, HTML

**Examination Pattern:**

After the minimum period i.e. after 1 year, a three-hour written examination will be conducted in each course of the student. Each course (question paper) will be of 100 marks. To pass, it will be mandatory for the student to score 36 per cent marks in each course (question paper).

Successful students will be given category as per the following table-

First Division – 60% and above

Second Division – 48% and less than 60%

Pass – 36% and less than 48%

# पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में डिप्लोमा (ऑनलाइन)
# Diploma in Library and Information Science (Online)
# Programme Code : DLIS-OL

**Programme Code:** DLISOL
**Admission eligibility:** (Same as existing)
**Mode of delivery:** Online
**Duration:** Minimum 1 year and Maximum 2 years (Same as existing)
**Medium:** Hindi/English
**Fee:** 4100/-

इस कार्यक्रम में निम्नांकित छः पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) हैं।

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | पुस्तकालय वर्गीकरण एवं सूचीकरण -सिद्धांत | DLIS -01 | 6 |
| 2. | पुस्तकालय वर्गीकरण – प्रायोगिक | DLIS -02 | 6 |
| 3. | पुस्तकालय सूचीकरण - प्रायोगिक | DLIS -03 | 6 |
| 4. | पुस्तकालय नित्यचर्या एवं संदर्भकार्य | DLIS -04 | 6 |
| 5. | विद्यालय एवं सार्वजनिक पुस्तकालय | DLIS -05 | 6 |
| 6. | सूचना सेवाएँ एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग | DLIS -06 | 6 |

नोट- यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभी सात क्षेत्रीय केंद्र स्थित मॉडल अध्ययन केंद्र पर संचालित किया जायेगा।

परामर्श सत्र एवं सम्पर्क शिविर - परामर्श एवं सम्पर्क शिविर विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र पर आयोजित किये जायेंगे :

(I) DLIS-01,04,05,06 पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किये जाएंगे।

(II) DLIS-02 एवं 03 पाठ्यक्रमों के लिए संपर्क शिविर आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों की दो-तिहाई सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य होगी।

प्रत्येक सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के लिए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) प्रदान किया जाएगा। छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए एलएमएस पर लॉग इन करना होगा। एलएमएस 4-क्वाड्रैंड दृष्टिकोण का अनुसरण करता है जो क्वाड्रेंट-I (ई-टेक्स्ट), क्वाड्रेंट-II (लर्निंग वीडियो), क्वाड्रेंट-III (असेसमेंट), और क्वाड्रेंट-IV (Discussion Forum) हैं। छात्रों को इन क्वाड्रेंट को अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा। सत्रांत परीक्षा से पहले ऑनलाइन कार्यक्रम की सभी गतिविधियों (क्वाड्रैंड) में छात्र की न्यूनतम भागीदारी 75% अनिवार्य है। नामांकित छात्रों को एसएलएम की हार्ड कॉपी के बजाय एलएमएस की लॉगिन क्रेडेंशियल प्रदान की जाएगी।

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र ) 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।

सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी - 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

# प्रमाण पत्र कार्यक्रम
# (Certificate Programmes)

| क्र. सं (S.No.) | कार्यक्रम का नाम (Name of Programme) | कार्यक्रम कोड (Prog. Code) | प्रवेश योग्यता (Eligibility) | अवधि (Duration) न्यूनतम | अधिकतम | शुल्क (Fee) | SLM का माध्यम (Medium) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति में प्रमाण पत्र Certificate in Rajasthani Language and Culture | CRLC | साक्षर मात्र अथवा किसी भी मान्यता प्राप्त खुला विश्वविद्यालय से बीएपी/बीसीपी/ बीएससीपी परीक्षा उत्तीर्ण। | 6 माह | 2 वर्ष | Rs 1900/- | हिन्दी |
| 2. | गाँधीवादी पद्धति का जागरूकता प्रमाण-पत्र Certificate in Awareness of Gandhian Method | CPGM | साक्षर मात्र | 6 माह | 2 वर्ष | Rs 1600/- | हिन्दी |
| 3. | महात्मा गांधी नरेगा मेट प्रमाण-पत्र Certificate in Mahatma Gandhi NREGA Mate | CPNM | पुरूष : सैकेण्डरी एवं 18 वर्ष की आयु महिला: 8 वीं पास एवं 18 वर्ष की आयु | 6 माह | 2 वर्ष | Rs 2100/- | हिन्दी |
| 4. | अपभ्रंश भाषा में प्रमाण-पत्र Certificate in Apabhransha Language | CAL | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 वीं परीक्षा उत्तीर्ण या इसके समकक्ष अथवा बीएपी/ बीसीपी/ बीएससीपी उत्तीर्ण अथवा 18 वर्ष की आयु एवं साक्षर | 6 माह | 2 वर्ष | Rs 1900/- | हिन्दी |
| 5. | प्राकृत भाषा में प्रमाण-पत्र Certificate in Prakrit Language | CPL | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 वीं परीक्षा उत्तीर्ण या इसके समकक्ष अथवा बीएपी/ बीसीपी/ बीएससीपी उत्तीर्ण अथवा 18 वर्ष की आयु एवं साक्षर | 6 माह | 2 वर्ष | Rs 1900/- | हिन्दी |
| 6. | व्यावहारिक अंग्रेजी में प्रमाण-पत्र Certificate in Functional English | CFE | Senior Secondary (10+2) from any recognized Board or its equivalent or BAP/BCP/ BScP from any Open University or Higher Secondary from Rajasthan Board of Secondary Education, Ajmer (before 1989) | 6 माह | 2 वर्ष | Rs 6300 | English |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7. | सृजनात्मक अंग्रेजी लेखन में प्रमाण पत्र<br>Certificate in Creative Writing in English | CCE | Bachelor's Degree (Minimum TDC) from any recognised University or its equivalent. | 6 माह | 2 वर्ष | Rs 4100 | English |
| 8. | अंग्रेजी शिक्षण में प्रमाण पत्र<br>Certificate Course in Teaching of English | CTE | Bachelor's Degree (Minimum TDC) from any recognised University or its equivalent. | 6 माह | 2 वर्ष | Rs 4100 | English |
| 9. | फलित ज्योतिष में प्रमाण पत्र<br>Certificate in Falit Jyotish | CIJ | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी (10+2) अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या सत्र 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सैकैण्डरी उत्तीर्ण | 6 माह | 2 वर्ष | Rs 4500/- | हिन्दी |

# राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति में प्रमाण-पत्र
# (Certificate in Rajasthani Language and Culture)
# Programme Code : CRLC

**उद्देश्य (Objectives):**

- प्राचीन तथा समृद्ध राजस्थानी भाषा का ज्ञान कराना।
- राजस्थानी भाषा के शौर्य, भक्ति, नीति और Ük`a`aगार से युक्त वैभवशाली साहित्य से परिचय कराना।
- राजस्थान की गौरवशाली एवं वैविध्य पूर्ण संस्कृति और उसकी परम्पराओं की जानकारी कराना।
- राजस्थानी भाषा तथा संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं से परिचय कराना।
- राष्ट्रभक्ति, समता, स्वतंत्रता, समन्वय, विश्व बंधुत्व एवं लोक चेतना जगाने वाले राजस्थानी साहित्य का परिचय देना।

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | साक्षर मात्र अथवा किसी मान्यता प्राप्त खुला विश्वविद्यालय से बीएपी/बीसीपी/बीएससीपी परीक्षा उत्तीर्ण। |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 6 माह एवं अधिकतम 2 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | हिन्दी |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 18 |
| **शुल्क (Fee)** | : | Rs 1900/- |

**कार्यक्रम संरचना** (Programme Structure) **:** इस कार्यक्रम में निम्नांकित तीन पाठ्यक्रम हैं-

| **क्र. सं.** (S.No.) | **पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course) | **पाठ्यक्रम कोड** (Course Code) | **श्रेयांक** (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | राजस्थानी भाषा | CRLC - 01 | 06 |
| 2. | राजस्थानी साहित्य | CRLC - 02 | 06 |
| 3. | राजस्थानी संस्कृति एवं परम्पराएं | CRLC - 03 | 06 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद विद्यार्थी को लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी -

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - | 60 % एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - | 48 % या अधिक एवं 60 % से कम |
| उत्तीर्ण | - | 36 % या अधिक एवं 48 % से कम |

# गाँधीवादी पद्धति का जागरूकता प्रमाण-पत्र
# (Certificate in Awareness of Gandhian Methods)
# Programme Code : CPGM

**उद्देश्य (Objectives):**

- गांधी के बारे में जागरूकता का अभिवर्द्धन करना।
- युवा, विद्यार्थी, पुलिस, कार्मिक, कैदी, संघर्ष की परिस्थितियों में कार्यरत व्यक्ति एवं स्वयं सेवी संस्थाओं में कार्यरत व्यक्तियों में गांधी के बारे में जागरूकता का अभिवर्द्धन करना।
- अहिंसात्मक तकनीकों के माध्यम से व्यक्तिगत एवं सामाजिक संघर्षों के समाधान हेतु व्यक्ति को प्रशिक्षित करना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : साक्षर मात्र

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 6 माह एवं अधिकतम 2 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : लागू नहीं

**शुल्क (Fee)** : Rs 1600/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** इस कार्यक्रम में निम्नांकित तीन पाठ्यक्रम हैं:

| **क्र. सं.<br>(S.No.)** | **पाठ्यक्रम का नाम<br>(Name of Course)** | **पाठ्यक्रम कोड<br>(Course Code)** | **श्रेयांक<br>(Credit)** |
|---|---|---|---|
| 1. | गाँधी: जीवन एवं विचार<br>Gandhi : Life and Thought | CPGM-01 | लागू नहीं |
| 2. | गाँधी: पद्धति<br>Gandhi : Techniques | CPGM-02 | लागू नहीं |
| 3. | व्यावहारिक कार्य<br>Practicals | CPGM-03 | लागू नहीं |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र)100 अंकों का होगा। तीनों पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को आंतरिक गृहकार्य दिया जायेगा। विद्यार्थियों को आन्तरिक गृहकार्य को हल करके संबंधित अध्ययन /क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा। CPGM-03 (व्यावहारिक कार्य) की कोई पाठ्यसामग्री उपलब्ध नहीं करवायी जायेगी। इस पाठ्यक्रम के आन्तरिक गृहकार्य को आपके अनुभव अथवा सामान्य समझ के आधार पर हल करना होगा। इस कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) में न्यूनतम 36 प्रतिशत लाना अनिवार्य होगा। सफल विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

# महात्मा गांधी नरेगा मेट में प्रमाण-पत्र
# (Certificate in Mahatma Gandhi NREGA Mate)
# Programme Code : CPNM

**उद्देश्य (Objectives):**

- महा नरेगा अधिनियम की सामान्य जानकारी उपलब्ध करवाना।
- मेट के कार्यों एवं दायित्वों के बारे में जानकारी प्रदान करवाना।
- महा नरेगा से संबंधित विभिन्न एजेन्सियों के बारे में जानकारी प्रदान करवाना।
- महा नरेगा के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्यों की प्राथमिकतायें, उनका मापन एवं अंकन के बारे में व्यावहारिक जानकारी देना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : पुरूष: सैकेण्डरी एवं 18 वर्ष की आयु; महिला :8 वीं पास एवं 18 वर्ष की आयु

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 6 माह एवं अधिकतम 2 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 12

**शुल्क (Fee)** : Rs 2100/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** इस कार्यक्रम में निम्नांकित तीन पाठ्यक्रम हैं:

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | महात्मा गांधी नरेगा अधिनियम | CPNM-01 | 4 |
| 2. | मेट: कार्य एवं दायित्व | CPNM-02 | 4 |
| 3. | व्यावहारिक प्रशिक्षण | CPNM-03 | 4 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)**

प्रथम दो पाठ्यक्रम, अर्थात् CPNM-01, CPNM-02 की 100 अंकों की सत्रांत परीक्षा होगी। तृतीय पाठ्यक्रम CPNM-03 व्यावहारिक प्रशिक्षण का होगा, जिसके अन्तर्गत दो चरण पूर्ण करने होंगे।

**प्रथम -** 15 दिन का कार्य अनुभव प्रमाण-पत्र लाना होगा। यह प्रमाण-पत्र पंचायत समिति प्रधान/पंचायत समिति सदस्य/बी.डी.ओ./वार्ड पंच/ग्राम सेवक/सरपंच से जारी होना चाहिए। अनुभव प्रमाण पत्र का प्रारूप विवरणिका में उपलब्ध है।

**द्वितीय -**एक व्यावहारिक अनुभव प्रतिवेदन लिखना होगा, जिसमें नरेगा से संबंधित किसी भी कार्य स्थल का 15-20 पृष्ठों का विवरण प्रस्तुत करना होगा, जिसमें कार्य स्थल, मेट, किये जाने वाले कार्य, परिसम्पत्तियों का निर्माण एवं उपलब्ध सुविधाओं पर आलेख तैयार करना होगा ।यह व्यावहारिक प्रतिवेदन भी 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण होने के लिए 36 अंक लाना अनिवार्य है।

सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी।

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | : | 60 प्रतिशत एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | : | 48 प्रतिशत या अधिक एवं 60 प्रतिशत से कम |
| उत्तीर्ण | : | 36 प्रतिशत या अधिक एवं 48 प्रतिशत से कम। |

# अपभ्रंश भाषा में प्रमाण-पत्र
# (Certificate in Apabhransha Language)
# Programme Code : CAL

**उद्देश्य (Objectives):**

- अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य का अध्ययन करना॥
- राष्ट्र भाषा हिन्दी की मूल प्रकृति एवं प्रवृत्ति से परिचित होना॥
- प्रान्तीय भाषाओं के अध्ययन को पूर्णता प्रदान करना।
- राष्ट्रीय एकता की भावना को साकार करना।
- लोक जीवन को गरिमा प्रदान करना।
- अपभ्रंश भाषा में अप्रकाशित साहित्य का सम्पादन।
- शोध के नये आयाम उजागर करना।

**प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 वीं परीक्षा उत्तीर्ण या इसके समकक्ष अथवा बीएपी/ बीसीपी/ बीएससीपी उत्तीर्ण अथवा 18 वर्ष की आयु एवं साक्षर

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 6 माह एवं अधिकतम 2 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 18

**शुल्क (Fee)** : Rs. 1900/-

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) : इस कार्यक्रम में निम्नांकित तीन पाठ्यक्रम हैं:

| **क्र. सं.** (S.No.) | **पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course) | **पाठ्यक्रम कोड** (Course Code) | **श्रेयांक** (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | अपभ्रंश साहित्य का इतिहास | CAL --01 | 6 |
| 2. | अपभ्रंश काव्य, छंद एवं अलंकार (मात्रिक) | CAL -02 | 6 |
| 3. | अपभ्रंश व्याकरण एवं रचना (प्रारंभिक) | CAL -03 | 6 |

**परीक्षा पद्धति (Examination pattern) :**

न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद विद्यार्थी को लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा॥ उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी -

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - | 60 % एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - | 48 % या अधिक एवं 60 % से कम |
| उत्तीर्ण | - | 36 % या अधिक एवं 48 % से कम |

## प्राकृत भाषा में प्रमाण - पत्र
## (Certificate in Prakrit Language)
## Programme Code : CPL

**उद्देश्य (Objectives):**

- प्राकृत, आगम तथा इतर प्राकृत साहित्य का ज्ञान प्राप्त करना।
- प्राकृत से उद्भूत अपभ्रंश भाषा के विकास के प्रेरणा स्रोतों तथा राष्ट्रभाषा हिन्दी के आदि आधारों कोसमझना।
- राष्ट्रीय एकता की भावना को परिपुष्ट करना।
- लोकभाषा, लोकजीवन और लोकचेतना को गरिमा प्रदान करना।
- स्त्री जाति की प्रतिष्ठा और धार्मिक स्वतंत्रता को समझना।
- प्राणी मात्र की मूलभूत एकता की भावना को साकार करना।
- अप्रकाशित प्राकृत साहित्य का सम्पादन।
- शोध के नये आयाम उजागर करना।

| | | |
|---|---|---|
| **प्रवेश योग्यता (Admission eligibility)** | : | किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 वीं परीक्षा उत्तीर्ण या इसके समकक्ष अथवा बीएपी/ बीसीपी/ बीएससीपी उत्तीर्ण अथवा 18 वर्ष की आयु एवं साक्षर |
| **अवधि (Duration)** | : | न्यूनतम 6 माह एवं अधिकतम 2 वर्ष |
| **अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** | : | हिन्दी |
| **श्रेयांक (Credit)** | : | 18 |
| **शुल्क (Fee)** | : | Rs. 1900/- |

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** : इस कार्यक्रम में निम्नांकित तीन पाठ्यक्रम हैं:

| **क्र. सं.** (S.No.) | **पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course) | **पाठ्यक्रम कोड** (Course Code) | **श्रेयांक** (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | प्राकृत साहित्य का इतिहास | CPL - 01 | 6 |
| 2. | प्राकृत गद्य-पद्य | CPL - 02 | 6 |
| 3. | प्राकृत व्याकरण एवं रचना (प्रारंभिक) | CPL - 03 | 6 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद विद्यार्थी को लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी -

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - | 60 प्रतिशत एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - | 48 प्रतिशत या अधिक एवं 60 प्रतिशत से कम |
| उत्तीर्ण | - | 36 प्रतिशत या अधिक एवं 48 प्रतिशत से कम |

## व्यावहारिक अंग्रेजी में प्रमाण-पत्र (Certificate Course in Functional English)
## Programme Code : CFE

**Objectives :**

- Imparting basic reading, writing, listening & speaking skills.
- To make the students better funtionaries in International Axuiliary Language-English.
- To equip them with global medium of inter/intra communication skills.
- Improve the students' expressive and receptive skills in English.

| | | |
|---|---|---|
| **Admission eligibility** | : | Senior Secondary (10+2) from any recognized Board or its equivalent or BAP/BCP/BScP from any Open University or Higher Secondary from Rajasthan Board of Secondary Education, Ajmer (before 1989) |
| **Duration** | : | Minimum 6 month ; Maximam 2 years |
| **Medium** | : | Course Material is Available only in English. |
| **Credit** | : | 18 |
| **Fee** | : | Rs.6300/- |

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** : This Programme has the following three courses:

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | English in Specific Situations | CFE - 01 | 6 |
| 2. | Functional Spoken English | CFE – 02 | 6 |
| 3. | English Usages & Language skills | CFE - 03 | 6 |

**Language Assessment Practical :**Practical and contact classes shall be held at Kota Regional Center only. (The Practical and contact classes at Jaipur will be held if there are more than 10 students enrolled.) It is mandatory to attend the camp, otherwise the candidate shall not be allowed to sit in practical examination.

**परीक्षा पद्धति (ExaminationPattern) :**

There shall be a written examination of one and half hours per course(paper) of 50 marks each at the end of minimum duration of a programme and practical examination of 50 marks (language ability test) in each course. To pass a course/ programme minimum of 36% marks will be required. The successful candidate shall be classified as per the following table-

| | | |
|---|---|---|
| First Division | : | 60% and above |
| Second Division | : | 48% or above but less then 60% |
| Pass | : | 36% or above but less then 48% |

**सृजनात्मक अंग्रेजी लेखन में प्रमाण पत्र (Certificate in Creative Writing in English)**
**Programme Code : CCE**

**Objectives :**

- To equip them with basic nuances of creative writing.
- To improve students expressive skills.
- To enhance their skills of creative writing.

| | | |
|---|---|---|
| **Admission eligibility** | **:** | Bachelor's Degree (Minimum TDC) from any recognised University |
| **Duration** | **:** | Minimum 6 month ; Maximam 2 years |
| **Medium** | **:** | Course Material is Available only in English. |
| **Credit** | **:** | 12 |
| **Fee** | **:** | Rs. 4100/- |

**Programme Structure) : the following three course This Programme hass:

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | General Principles of Creative Writing | CCE - 01 | 4 |
| 2. | Elements of Creative Writing | CCE - 02 | 4 |
| 3. | Practical | CCE - 03 | 4 |

**Language Assessment Practical :**Practical and contact classes shall be held at Kota Regional Center only. (The Practical and contact classes at Jaipur will be held if there are more than 10 students enrolled.) It is mandatory to attend the camp, otherwise the candidate shall not be allowed to sit in practical examination.

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

On the completion of minimum duration i.e. 6 months, there shall be a written examination of 100 marks of 3 hours duration in theory courses/papers(CCE-01 &CCE02)

Practical examination (CCE-03) will be of 2 hours of 100 marks.

The successful shall be classified as under:

| | | |
|---|---|---|
| First Division | : | 60% and above |
| Second Division | : | 48% or above but less then 60% |
| Pass | : | 36% or above but less then 48% |

## अंग्रेजी शिक्षण में प्रमाण पत्र (Certificate Course in Teaching of English)
## Programme Code : CTE

**Objectives :**

- So enhance communicative approach to language.
- So enhance Teachers' understanding of the learners.
- So enhance the learning process, and the nature and structure of the English language.

| | | |
|---|---|---|
| **Admission eligibility** | **:** | Bachelor's Degree (Minimum TDC) from any recognised University |
| **Duration** | **:** | Minimum 6 month ; Maximam 2 years |
| **Medium** | **:** | Course Material is Available only in English. |
| **Credit** | : | 12 |
| **Fee** | **:** | Rs.4100/- |

**Programme Structure : **This Programme has the following three course :

| क्र. सं. (S.No.) | पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) | पाठ्यक्रम कोड (Course Code) | श्रेयांक (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | Spoken English : Phonetics and Phonology | CTE - 01 | 4 |
| 2. | Written English : Morphology and Morphemes | CTE - 02 | 4 |
| 3. | Practical | CTE - 03 | 4 |

**Language Assessment Practical :**Practical and contact classes shall be held at Kota Regional Center only. (The Practical and contact classes at Jaipur will be held if there are more than 10 students enrolled.) It is mandatory to attend the camp, otherwise the candidate shall not be allowed to sit in practical examination.

**परीक्षा पद्धति (ExaminationPattern) :**

On the completion of minimum duration i.e. 6 months, there shall be a written examination of 100 marks of 3 hours duration in theory courses/papers (CTE-01 &CTE-02)
**Practical examination** (CTE-03) will be of 2 hours of 100 marks.

The successful shall be classified as under:

| | | |
|---|---|---|
| First Division | : | 60% and above |
| Second Division | : | 48% or above but less then 60% |
| Pass | : | 36% or above but less then 48% |

# फलित ज्योतिष में प्रमाण पत्र (Certificate in Falit Jyotish)
# Programme Code : CIJ

**उद्देश्य (Objectives)**

- फलित ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड में ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता का संधान।
- फलित ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की प्रमुख विधाओं से अन्तरंगता और उसके आधार पर व्यवहार का परिचय।
- भारतीय संस्कृति एवं वैदिक साहित्य में के व्यापक अनुक्रम में फलित ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड का विशद पारायण तथा फलित ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड के सम्बन्ध में दक्षता का निर्धारण।

**प्रवेश योग्यता (Admi ssion eligibility)** : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकैण्डरी 10+2अथवा समकक्ष या किसी भी खुला विश्वविद्यालय से बीएपी /बीसीपी / बीएससीपी उत्तीर्ण या सत्र 1989 तक राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , अजमेर से हायर सैकैण्डरी उत्तीर्ण

**अवधि (Duration)** : न्यूनतम 6 माह एवं अधिकतम 2 वर्ष

**अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium)** : हिन्दी

**श्रेयांक (Credit)** : 12

**शुल्क (Fee)** : Rs. 4500/-

**कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :** इस कार्यक्रम में निम्नांकित तीन पाठ्यक्रम हैं

| **क्र. सं.** (S.No.) | **पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course) | **पाठ्यक्रम कोड** (Course Code) | **श्रेयांक** (Credit) |
|---|---|---|---|
| 1. | फलित ज्योतिष का सैद्धांतिक ज्ञान | CIJ -01 | 4 |
| 2. | ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि | CIJ -02 | 4 |
| 3. | प्रायोगिक पेपर | CIJ -03 | 4 |

**परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :**

न्यूनतम अवधि के बाद CIJ -01 तथा CIJ -02 पाठ्यक्रमों की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 100 अंक निर्धारित है। तृतीय पाठ्यक्रम CIJ-03 में प्रायोगिक पेपर की व्यवस्था को लागू गया । उक्त पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विस्तृत एवं समग्र जानकारी अधोलिखितानुसार है - 100 अंकों का प्रायोगिक पेपर जो पूर्णतया लिखित होगा, में CIJ (Certificate in Falit Jyotish) के दोनो सैद्धान्तिक पाठ्यक्रमों CIJ -01 तथा CIJ -02 के व्यावहारिक एवं आनुभाविक एवं वर्तमान प्रासंगिकता वाले तथ्यों को सम्मिल्लित किया जाएगा । इस पाठ्यक्रम के लिए किसी भी प्रकार की **पाठ्य सामग्री नहीं प्रदान** की जाएगी । प्रश्नपत्र का प्रारूप विश्वविद्यालय में सचालित UG, CIJ -01 तथा CIJ -02 इत्यादि पाठ्यक्रमों के अनुरूप होगा जिसमें 10 अंक के अति लघुत्तरात्मक प्रश्न, 40 अंक के लघुत्तरात्मक प्रश्न तथा 40 अंक के निबन्धात्मक प्रश्नों को मिलाकर कुल 100 अंकों का होगा । अवधि – **03 घण्टे** की होगी । सैलेबस विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in पर उपलब्ध है।

सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी -

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम श्रेणी | - | 60 % एवं अधिक |
| द्वितीय श्रेणी | - | 48 % या अधिक एवं 60 % से कम |
| उत्तीर्ण | - | 36 % या अधिक एवं 48 % से कम |

| विद्यार्थियों की सुविधा हेतु महत्वपूर्ण वेब लिंक<br>**Important web link for help of Students** | |
|---|---|
| **विवरण** | **वेब लिंक** |
| आतंरिक गृह गृह कार्य डाउनलोड करने हेतु (To Download Internal Home Assignments) | https://www.vmou.ac.in/one |
| प्रश्न बैंक डाउनलोड करने हेतु (To Download Question Banks) | https://www.vmou.ac.in/one |
| विद्याथी का स्कॉलर नंबर आवंटित हो जाने के बाद सम्पूर्ण जानकारी की वन व्यू से जानकारी प्राप्त करने हेतु (Student One View) | https://www.vmou.ac.in/one |
| विश्वविद्यालय की वीडियो लाइब्रेरी Video Library of ) (University | https://www.vmou.ac.in/youtube |
| आवश्यक फॉर्म डाउनलोड करने हेतु (To Download Essential Forms) विभिन्न फॉर्म जैसे:पूर्व में दी गयी परीक्षा में इम्प्रूवमेंट हेतु फॉर्म<br>1. पुनः परीक्षा में बैठने हेतु फॉर्म<br>2. उपाधि प्राप्त करने हेतु फॉर्म<br>3. नाम, पता, मोबाइल न., जन्म तिथि संशोधन, अध्ययन केंद्र परिवर्तन/ क्षेत्रीय केंद्र परिवर्तन करवाने हेतु आवेदन फॉर्म (Lateral Entry Form) | https://www.vmou.ac.in/forms |
| परीक्षा परिणाम देखने हेतु (To View Results) | https://www.vmou.ac.in/one |
| परीक्षा विभाग से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचनाएं डाउनलोड करने हेतु (To Download Notices Related to Exam Department) जैसे:<br>1.`परीक्षा प्रवेश पत्र<br>2. परीक्षा टाइम टेबल<br>3. प्रायोगिक कक्षाये एवं प्रायोगिक परीक्षा | https://www.vmou.ac.in/notice/exams |
| प्रवेश से सम्बन्धित सूचनाओ की जानकारी हेतु (To Know Information Related To Admissions) | https://www.vmou.ac.in/notice/admissions |
| प्रवेश स्टेटस की जानकारी हेतु (To Know Admission Status) | https://www.vmou.ac.in/one |
| ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म भरने हेतु (To Apply Online) | https://www.vmou.ac.in/apply |
| पूछताछ शिकायत हेतु /(For Queries/Grievance) | https://www.vmou.ac.in/sg |
| डिजिटल अध्ययन सामग्री डाउनलोड करने हेतु (To Download Study Material) | https://www.vmou.ac.in/slm |
| महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय से सम्बन्धित सरकारी मान्यता के पत्र डाउनलोड करने हेतु (To Download Various Govt. Recognition Letter Related to University) | https://www.vmou.ac.in/patr |
| आवेदन फॉर्म हेतु जरूरी दिशा निर्देश | https://online.vmou.ac.in/General_Instruction.aspx |
| रीजनल सेण्टर अनुसार छात्र सहायता केन्द्रों की सूची | http://www.vmou.ac.in/SCS |

| Important Contact No. & E-mail ID of University | | |
|---|---|---|
| Toll Free Number | 1800-180-6166 | info@vmou.ac.in |
| University's Main Contact no with call forwarding facility | 0744-2797000 | |
| Regional Services Division | 0744-2797290 | drs@vmou.ac.in |
| Book Distribution Section | 0744-2797350,<br>0744-2471450,<br>0744-2797346 | mpd@vmou.ac.in |
| Examination Section | 0744-2471040,<br>0744-2797328,<br>0744-2797326,<br>0744-2797324,<br>0744-2797322 | exam@vmou.ac.in |
| RSCIT (Exam related only) | 0744-2797313 | |
| B.Ed. Admission | 0744-2797342, 0744-2797339 | soe@vmou.ac.in |
| Student Complaint Redressal | 1800-180-6166 | grievance @vmou.ac.in |

# Frequently Asked Questions (FAQ) अधिकांशत: पूछे जाने वाले प्रश्न

1. **क्या वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है?**

उत्तर: हाँ, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय राजस्थान राज्य सरकार द्वारा पारित अधिनियम, 1987 के अंतर्गत स्थापित है व UGC/DEB/NCTE से मान्यता प्राप्त है तथा AIU का सदस्य है। उपरोक्त मान्यताओं से संबंधित विषयवस्तु विवरणिका में अग्रिम पृष्ठों पर दी गई हुई है व प्राप्त मूल पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.vmou.ac.in/patr) पर उपलब्ध हैं।

2. **विश्वविद्यालय में विद्यार्थी एक साथ कितने पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है ?**

उत्तर: इस प्रश्न के संदर्भ में UGC की वेबसाइट पर दिनाँक 21-04-2015 को लिंक http://www.ugc.ac.in/deb/notices/NOTIFICATION-PolicyonPursuing two or more Programmes Simultaneously.pdf है। उपरोक्त लिंक की साधारण व्याख्या की जा रही है–

Two Degree Programmes cannot be allowed to be pursued simultaneously. However, a student can pursue two programmes simultaneously through distance mode or combination of distance and regular modes from the same or different Universities / Institutions in various combinations, viz.,

1. One Degree and One Diploma/ PG Diploma/Certificate
2. One PG Diploma and One Diploma/Certificate
3. One Diploma and One Certificate
4. Two PG Diplomas
5. Two Diplomas
6. Two Certificates

**नोट:** विद्यार्थियों को यह भी परामर्श दी जाती है कि एक सत्र में केवल एक ही पाठ्यक्रम में अध्ययनरत रहें | परामर्श के विपरीत एक से अधिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत रहने पर परीक्षा समय-सारणी में प्रश्नपत्रों की परीक्षा तिथि एवं समय में टकराव होता है तो ऐसी स्थिति में विद्यार्थी द्वारा छोड़े गए प्रश्नपत्र को आगामी परीक्षा में नि:शुल्क परीक्षा देने की अनुमति दी जायेगी | ऐसे विद्यार्थियों को पृथक से परीक्षा फ़ार्म ऑफलाइन भरना पडेगा |

3. **VMOU में प्रवेश के लिए क्या Transfer Certificate (TC)/ Migration Certificate की आवश्यकता होती है?**

उत्तर: लैटरल इंट्री के अलावा अन्य किसी कार्यक्रम में Migration Certificate की आवश्यकता नहीं है|

4. **विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया किस समय प्रारंभ होती है?**

उत्तर: विश्वविद्यालय में अधिकतर कार्यकर्मो में प्रवेश प्रक्रिया सामन्यतया: एक वर्ष में दो बार क्रमशः जनवरी और जुलाई से प्राम्भ होती है।

5. **विश्वविद्यालय का प्रवेश आवेदन पत्र कहाँ से प्राप्त कर सकते है ?**

उत्तर: प्रवेश आवेदन पत्र वेबसाइट (http://www.vmou.ac.in/forms) पर भी उपलब्ध है जिसे डाउन लोड किया जा सकता है अथवा प्रवेश हेतु https://online.vmou.ac.in/OnlineAdmission.aspx के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है अथवा विश्वविद्यालय एवं उसके क्षेत्रीय केन्द्रों और अध्ययन केन्द्रों से भी विवरणिका के साथ प्राप्त किया जा सकता है।

**6.** **प्रवेश आवेदन पत्र और फीस विश्वविद्यालय में कैसे जमा होती है?**

उत्तर: प्रवेश आवेदन पत्र ऑन् लाइन या स्वयं प्रस्तुत होकर जमा कराया जा सकता है। फीस इन्टरनेट बैंकिंग/डेबिट कार्ड/मोबाइल बैंकिंग/ई-मित्र KIOSK द्वारा ही मान्य है अन्य कोई माध्यम स्वीकार्य नहीं होगा। फीस की जानकारी हेतु विवरणिका (Prospectus) डाउनलोड कर पढ़ें या विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखे। फीस इन्टरनेट बैंकिंग/डेबिट कार्ड/मोबाइल बैंकिंग/ई-मित्र KIOSK से जमा करने पर अतिरिक्त शुल्क छात्र द्वारा देय होगा एवं कुल देय राशि भुगतान करते समय बैंक/ई-मित्र KIOSK के पृष्ठ पर दर्शाई जाएगी।

**7.** **क्या विश्वविद्यालय में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य का भी प्रावधान है ? यदि हाँ तो जमा करने की अंतिम तिथियाँ क्या हैं ?**

उत्तर: हाँ, यह परीक्षा का अभिन्न अंग है। स्मरण रहे कि जिन पाठयक्रमों में आंतरिक गृह कार्य/ प्रायोगिक/प्रोजेक्ट/ लघुशोध प्रबन्ध का प्रावधान है उन्हें समय पर नहीं जमा करने पर आपका परीक्षा परिणाम रोका जा सकता है। उपर्युक्त कार्यों को जमा करवाने की तिथियों निम्न है:

- 15 मई तक वे विद्यार्थी जमा करवा दें जो जून में होने वाली परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहे हैं।
- 15 नवंबर तक वे विद्यार्थी जमा करवा दें जो दिसम्बर में होने वाली परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहे हैं।

**8.** **सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य कहाँ से प्राप्त होंगे ?**

उत्तर: ये विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर Students one View पर Log in कर डाउनलोड कर सकते हैं।

**9.** **विश्वविद्यालय में परीक्षा कब आयोजित होती है?**

उत्तर: विश्वविद्यालय में परीक्षाएँ वर्ष में दो बार क्रमशः जून और दिसम्बर माह में आयोजित की जाती हैं एवं परीक्षा की समस्त जानकारी जैसे परीक्षा प्रवेश पत्र, परीक्षा टाइम टेबल और प्रायोगिक कक्षायें एवं प्रायोगिक परीक्षा की जानकारी वेबसाइट(http://www.vmou.ac.in/notice/exams) पर उपलब्ध रहती है। B.Sc. के सम्बन्ध में विशिष्ट नियम के लिए विवरणिका में B.Sc. कार्यक्रम देखे|

**10.** **क्या अगले वर्ष में प्रवेश लेने के लिए परीक्षा में बैठना अथवा पास होना आवश्यक है ?**

उत्तर : विश्वविद्यालय के नियमानुसार किसी भी विद्यार्थी को प्रोमोट होने के लिए/ उसी कार्यक्रम के अगले वर्ष में प्रवेश लेने के लिए पास होना अथवा परीक्षा में बैठना अनिवार्य नहीं है उस कार्यक्रम के लिए केवल न्यूनतम निर्धारित अवधि अर्थात एक वर्ष पूरा करना आवश्यक है। प्रमोटी फॉर्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट (http://www.vmou.ac.in/forms) पर उपलब्ध है अथवा प्रवेश हेतु https://online.vmou.ac.in/OnlineAdmission.aspx के माध्यम से ऑनलाइन (Promotee Admission) आवेदन भी किया जा सकता है

**11.** **पाठ्यक्रम की पाठ्य सामग्री कैसे प्राप्त होती है ?**

उत्तर : पाठ्यक्रम सामग्री विश्वविद्यालय के पाठ्य सामग्री उत्पादन एवं वितरण विभाग से छात्र द्वारा आवेदन पत्र में दिए गये पते पर भारतीय डाक सेवा का उपयोग करते हुए पहुंचा दी जाती है जिसकी ऑनलाइन ट्रेकिंग भी संभव है। अधिकतर पाठ्यक्रमो की डिजिटल अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://www.vmou.ac.in/slm पर उपलब्ध है।

**12.** **क्या पाठ्यक्रम सामग्री के अतिरिक्त विश्वविद्यालय कुछ और पाठ्य सहायता उपलब्ध करवाता है ?**

उत्तर: हाँ, पाठ्य सामग्री के अलावा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सत्रीय कार्य, प्रश्न बैंक, पुराने प्रश्न प्रत्र, वीडियो लाइब्रेरी एवं डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। इसे Students one View पर Log in कर डाउनलोड कर सकते हैं।

**13.** **क्या विश्वविद्यालय द्वारा किसी तरह के परामर्श की व्यवस्था है?**

उत्तर: हाँ , विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र भी मॉडल स्टडी सेंटर के रूप में कार्यरत हैं अतः क्षेत्रीय केन्द्रों अथवा अध्ययन केन्द्रों पर समय-समय पर परामर्श सत्र होते हैं, जिनकी सूचना वेबसाइट (http://www.vmou.ac.in/notice) या अध्ययन केन्द्रों के पास उपलब्ध रहती है।

**14.** **परीक्षा के परिणाम और अंकतालिका की विश्वविद्यालय में क्या व्यवस्था है?**

उत्तर: सभी परीक्षाओं का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करावाया जाता है एवं विद्यार्थी की अंकतालिका उसके घर के पते पर भेज दी जाती है।

**15.** **प्रैक्टिकल विषय की कक्षाएं कहाँ आयोजित होती हैं?**

उत्तर: सारे प्रैक्टिकल विषयों की कक्षाएं/संपर्क शिविर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित स्थानों पर आयोजित होती है, जिसकी जानकारी समय – समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाइट (http://www.vmou.ac.in/notice/exams) पर उपलब्ध करवाई जाती है जिसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लिंक “Practical” हैं। सामान्यतया प्रैक्टिकल विषयों के अनिवार्य प्रायोगिक संपर्क शिविर विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय केन्द्र मुख्यालय पर आयोजित किये जाते है परन्तु विश्वविद्यालय किसी क्षेत्रीय केन्द्र मुख्यालय पर प्रायोगिक संपर्क शिविर नहीं कराकर किसी अन्य क्षेत्रीय केंद्र मुख्यालय /अन्य निर्धारित स्थान पर प्रायोगिक संपर्क शिविर कराने का अधिकार विश्वविद्यालय अपने पास सुरक्षित रखता हैं व इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा। प्रायोगिक शिविर की समयावधि एवं प्रायोगिक शिविर संबंधित समस्त नियम एवं स्थान परिवर्तन करने का आधिकार विश्वविद्यालय के पक्ष सुरक्षित हैं।

**16.** **क्या MA/MSc या BA/BSc में अंकों के आधार पर प्रवेश मिलता है?**

उत्तर: नहीं , इसमें अंकों की बाध्यता नहीं है। M.Sc. Physcis/Chemistry/Botany//Zoology में प्रवेश विश्वविद्यालय के नियमानुसार होता हैं|

**17.** **यदि विद्यार्थी ने सत्र जुलाई 2016 में प्रवेश लिया था एवं आंतरिक गृह कार्य जमा करवा दिया था परन्तु जून2017 की मुख्य परीक्षा नहीं दे पाया तो क्या उसे अब नए आंतरिक गृह कार्य जमा करवाने होंगे?**

उत्तर: नहीं जमा करवाने होंगे।

**18.** **यदि विद्यार्थी ने सत्र जुलाई 2016 में स्नातक/ स्नातकोत्तर में प्रवेश लिया है तो पहली बार सैद्धांतिक परीक्षा कब दे सकता है?**

उत्तर: जून 2017 में विश्वविद्यालय की परीक्षा समय सारणी के अनुसार परीक्षा दे सकता है।

**19.** **यदि विद्यार्थी ने जनवरी 2017 में स्नातक/स्नातकोत्तर में प्रवेश/ लिया है तो पहली बार सैद्धांतिक परीक्षा कब दे सकता है?**

उत्तर: दिसंबर 2017 में विश्वविद्यालय की परीक्षा समय सारणी के अनुसार परीक्षा दे सकता है।

**20. यदि विद्यार्थी ने प्रथम वर्ष में पता जोधपुर का दिया था परन्तु द्वितीय वर्ष में जयपुर रहने लग गया तो क्या अब परीक्षाजयपुर में दे सकता है ?**

उत्तर: हां, वह अपना परीक्षा केन्द्र Academic Calender अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर परिवर्तित परीक्षा केंद्र पर परीक्षा दे सकता है|

**21 विद्यार्थी को सैद्धान्तिक परीक्षा की तिथि की जानकारी कैसे प्राप्त होगी।**

उत्तर : परीक्षा से पूर्व विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर टाइम टेबल आफ एक्जामिनेशन अपलोड होता है व परीक्षा प्रवेश पत्र (अनुमति पत्र) विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ही डाउनलोड करना होता है। इस हेतु अलग से कोई प्रवेश पत्र विद्यार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा नहीं भेजा जाता है।

**22 यदि विद्यार्थी ने सत्र जुलाई 2016 में स्नातक /स्नातकोत्तर में प्रवेश लिया व जून 2017 में आयोजित सैद्धान्तिक टर्म एण्ड एक्जामिनेशन में किसी पाठ्यक्रम (प्रश्न पत्र) में अनुत्तीर्ण हो गया परन्तु सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य में उत्तीर्ण हो गया तो क्या उसे पुनः नये सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य पुनः जमा कराने होंगे?**

उत्तर : जमा नहीं कराने होंगे।

**23 Student One View क्या है?**

उत्तर: विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए लिंक Student One View पर विद्यार्थी अपने नाम या अपने स्कॉलर नंबर प्रविष्ट कर सबमिट बटन दबाकर अपनी प्रवेश स्थिति , परीक्षा में प्राप्त अंक की जानकारी प्राप्त कर सकता है व अपने परिवर्तित मोबाइल न. प्रविष्ट कर सकता है | विद्यार्थी आंतरिक गृह कार्य (Assignment) , प्रश्नबैंक , SLM इत्यादि डाऊनलोड कर सकता है व विश्वविद्यालय द्वारा छात्र को भेजी जा रही पाठ्य सामग्री की डिस्पैच स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकता है | छात्र Student One View सुविधा से निम्न प्रकार से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं-

1. सर्वप्रथम छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in में Student One View पर क्लिक करें।
2. इसके उपरांत दर्शाये गए स्थान पर अपना स्कॉलर नंबर एवं जन्म तिथि प्रविष्टकरें।
3. यदि स्कॉलर नंबर नहीं हैं तो Search Scholar no. By Name पर क्लिक करें।
4. इसके उपरांत अपना नाम प्रविष्ट करकेsearch पर क्लिक करें।
5. अपना पाठ्यकम व नाम देखकर स्कॅालर नंबर पर क्लिक करकेsubmit पर क्लिक करें।
6. सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य के लिए Assignment पर click करके डाउनलोड करें।
7. इसी प्रकार आप Student One View सुविधा से अपना मोबाइल नंबर परिवर्तन प्रक्रिया, सत्रीय कार्य की स्थिति, अध्ययन सामग्री का प्रेषण विवरण, पाठ्यक्रम की साफ्ट कॉपी, अपना परिचय पत्र, पाठ्यक्रम के प्रश्न बैंक, जरूरी फार्म, अपनी परीक्षा का प्रवेश कार्ड, पुराने प्रश्न पत्र, अपना परीक्षा परिणाम इत्यादि देख अथवा डाउनलोड कर सकते हैं। स्टूडेंट वन व्यू (Students One View) की विस्तृत जानकारी के लिए पेज संख्या25 देखें ।

---


## विवरणिका संपादन/संयोजन समिति

**संयोजक** -प्रोफेसर सुबोध कुमार, **सदस्य-** डॉ० कपिल गौतम, डॉ० आलोक चौहान, डॉ. मोहम्मद अख्तर खान, डॉ० प्रवीण कुमार शर्मा (परीक्षा विभाग), श्री सौरभ पाण्डेय (विशेष आमंत्रित सदस्य- आईटी एवं ईएमपीसी विभाग)।

**विवरणिका (फॉर्म सहित) मूल्य : रू. 100/-**

**कॉपीराइट : वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा**

**प्रकाशन : जनवरी -2024**


---


**यद्यपि इस विवरणिका सूचनाओं/तथ्यों/नियमों के मुद्रण में पूर्ण सावधानी का पालन किया गया है, फिर भी यदि इस सम्बन्ध में कोई त्रुटि अथवा विसंगति पाई जाती है तो शासन अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत आधिकारिक सूचनायें ही प्रभावी और सर्वमान्य होंगी।**

**Although due care has been taken while printing the information/rules/facts in the Prospectus, yet if any error or discrepancy comes into notice at a latter stage, then the official information/defined rules/facts issued by the University or Government will be effective and obligatory.**


---